July’ 2019

SOCIAL IMPACT ASSESSMENT STUDY FOR THE PROPOSED LAND ACQUISITION IN DISTRICT HAMIRPUR AND KANGRA FOR DHAULASIDH HYDRO ELECTRIC PROJECT (66 MW)

Under H.P. Right to Fair Compensation and Transparency in Land Acquisition, Rehabilitation and Resettlement (Social Impact Assessment and Consent) Rules, 2015

Transcription of Public Hearing

Prepared By

PLAN Foundation (Social Impact Assessment Partner & Practitioner)
Broadway Enclave, Sanjauli, Shimla (H.P.)-171006 Phn: 0177-2841204, 91290-57008,7827826665, E-mail: ed@planfoundation.org, info@planfoundation.org, viralmisra@planfoundation.org
www.planfoundation.org

SUBMITTED TO
Social Impact Assessment Unit (SIAU)

Table of Contents

1 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत दारला,(बनाल,चमियाना,करोट) 3

2 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: नगर पंचायत सुजानपुर 9

3 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत टीहरा धब्रियाना) 14

4 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत जोल (बिड भगेडा) 17

5 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत टिपरी 19

6 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत आलमपुर(जांगल ,सकोह) 24

7 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत (कुहन, लहड़ू, बलाकरुपी) 27

8 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत चोरु 30

1 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत दारला,(बनाल,चमियाना,करोट)

स्थान : ग्राम पंचायत दारला, तिथि-22/07/19 समय :(10:00-4:00)

11:00 TO 11:10 सहजकर्ता---आदरणीय उपमंडलाधिकारी जी,ग्राम पंचायत के निर्वाचित सदस्य गण,उपस्थित सभी हित कारक| प्रभावित समूह और सतलुज विधुत निगम के अधिकारी गण ,आप सभी का प्रस्तावित धौलासिद्ध विधुत परियोजना के अंतर्गत सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट के संदर्भ में आयोजित इस जनसुवाई में स्वागत है |

जैसा कि आप सब जानते है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा धौलासिद्ध परियोजना ,जो सतलुज जल विधुत निगम द्वारा क्रियान्वित की जानी है के लिए भूमि को चाहा गया है 2013 में सरकार ने भूमि अधिग्रहण पुनर्वास व पुनस्र्थापन मुआवजा में पारदर्शिता अधिकार कानून बनाया जिसके तहत यह आवशयक किया गया कि भूमि अर्जन के मामले में उसके द्वारा सभी हितकारको पर पड़ने वाले सामाजिक प्रभावों का आकलन किया जायेगा | उसी उदेश्य से प्लान फाउंडेशन को जो कि एक तृतीय संगठन है ने व्यापक सर्वेक्षण के बाद यह सामाजिक प्रभाव रिपोर्ट तैयार कि है जो कि जिलाधीश कार्यालय ,उपमंडल व तहसील कार्यालय में उपलब्ध बताई गई थी और इस आशय की सूचना अख़बार में भी प्रकाशित की गई थी | आज इस जनसुवाई में आप सभी के द्वारा इस जनसुवाई में अपने विचार रख सकता है| ज़िला कार्यलय उपमंडल में अधिकारी ग्राम पंचायत में तहसील में सब जगह उपलब्ध कराए गए है |और यह इंटरनेट के माध्यम से पब्लिश की गयी ताकि जो ब्यक्ति इसका अध्यन करना चाहे वह कर सके | आज उसी नियम के अनुसार एक जनसुनवाई का आयोजन है जिसमे कि आप आज जो भी कहेगे | उस चीज को उसी तरह से रिपोर्ट के वारे में आपके विचार लिए जाने है | आप आज जो भी कहगे | उस चीज को उसी तरह से रिकॉर्ड किया जा रहा है | विडीयो कैमरा आपके सामने आएगा और आप जो कहगे उसे पूरा रिकॉर्ड करेगा आप जो लिख कर दे उसमे में भी आपका स्वागत है | और जो भी आप कहगे उस विचार को उस सुझाव को उसी रूप में इस रिपोर्ट में शामिल किया जायेगा और यह रिपोर्ट 5 तारीख को हिमाचल प्रदेश सरकार को सौंप दी जाएगी अत: अगर आपने यह रिपोर्ट नही पढ़ी होगी तो थोडा सा आप को इस रिपोर्ट के बारे में बता दे दिया गया तो इस में दो कम देखने थे |

एक तो 2013 के एक्ट में लिखा है कि लोग प्रयोजन के लिए जमीन ली जा सकती है क्या यह प्रोजेक्ट लोग प्रयोजन की भाषा में आता है या नही हमने पूरा अध्ययन किया है और यह पाया है कि जो प्रोजेक्ट है धौलासिद्ध जल बिधुत परियोजना यह लोग परियोजना कि भाषा के अंतर्गत सही है | दूसरा हमने यह जानना था कि क्या हमने जो जमीन प्रभावित हो रही है उसको बचाया जा सकता था अगर जहा बांध लगाना है उसको अगर आगे थोडा शिप्ट किया जाये या परियोजना के डिजायन में कुछ परिवर्तन करना पड़ता है जैसा कि हिमाचल प्रदेश कि सरकार की नीति है कि कम से कम जमीन और अधिक उर्जा का उत्पादन यह हमारी जल निति है

उन्होंने पहले बता दिया है में बोलू आप को

-हिमाचल प्रदेश सरकार जो यह परियोजना ऐसे नही लग रही है अगर हिमाचल प्रदेश सरकार का सहयोग नही होता | तो यह परियोजना लग ही नही सकती इसके अलाबा 2:30 रु सरकार जो छोड़ रही है आप को यह पता होगा जब यह परियोजना परियोजना लग रही है तो जो रोलती चार्जिज लगते है 12% बिजली फ्री का हिसा बनता है हिमाचल प्रदेश सरकार ने हम से इस के बारे में अलग ढंग से स्टडी किया है क्या कनेशन हिमाचल सरकार दे सकती है और हिमाचल सरकार हमे सिर्फ वहा तक कनेशन देगी जहा पर हम बादल पोडट पर पहुच जाते है और बह टेरीक होता है इरेगेशन परियोजना का लागत हिसाब से 6 रु 92 पैसा बनता था जब हमे हिमाचल प्रदेश सरकार से सारा बताया तो उन्होंने कहा कि हमने यह परियोजना लगनी है इस दोनों जिले और जो हमारा निचला हिमाचल यह ड्वेल्प होगा उसके लिया क्या करना पड़ेगा फिर हमे बड़ी स्कीम बकाउट कि हमारी फाउशेनियल डिज़ान्नर और जर्नलिस्ट सारे लोग बैठे है हमारी sjvn भारत वर्ष में एक अग्रंहनण हाईड्रो में नंबर 1 है हमारी जो बैलेंस शीट है httpc v.v.p phdc सबसे अच्छी तो वह सारा BACKOUT करने के लिए हमने यह सोचा कि
हिमाचल प्रदेश सरकार कि हमने यह पाया कि परियोजना परिबंध ने अलग अलग विकल्पों का चयन किया गया और अंत में यह जो परियोजना परिवर्तन होनी है यह उन विकल्पों के अनुसार सबसे कम जमीन को प्रभाबित करने के लिए ज्यादा से ज्यादा उर्जा के उत्पादन के लिए सही है अत आप सभी से इन परियोजना के लिए सही है अब आप सभी से इस परियोजना के बारे में जो रिपोट बनाई गई है इस रिपोर्ट के बारे में आप के सुझाव आमंनत्रित है sdm सहाव कि परमिशन से सर के समक्ष आपके बिचार नोट किए जाएगे और उसको उसी भाषा में रिपोर्ट में डाल करके सरकार को

सोंपा जायेगा अगर आप लिख कर के देना चाहेगे तो दे सकते है हमारे अल्टरनेट आप के पास आयेगे आप जो कहेगे बह लिखगे आप उसको साइन करके प्रस्तुत कर सकते है

SDM 11:11 To 11:15- आप खुद भी लिख सकते है आप यहां से पेपर ले लो क्या करना चाहेगे आप कुछ बिचार है तो हम रिकोड करेगे और अगर आप लिख कर देना चाहेगे तो आप को कागज और कलम उपलब्ध कराए जाएगे रिपोर्ट के जो मैन मुदे है इनका मकसद था|
कि इसको केसे बाइबल बनाया जाए | इसके लिए हमने सरकार से प्राथना कि हमारे जो पहले 10 साल है जो 12% बिजली आप को डी सरकार ने उसको भी मान लिया कि उसको रिडीउज करके 4% कर देगे अगले 10 साल 8% करके देगे उसको बाद 12% कर देगे और जो 12% हमने देने थी जब बह 30 साल हो जायेगे 30 साल के बाद हम 25% बिजली देगे जो हिमाचल सरकार का लोस होगा उस लोस को हम कब्र करने के बाद टोटल पूरी लाइफ में 3500 करोड़ रु हिमाचल सरकार को इस परियोजना से आएगा इसके आलावा लैंड फड होता है जो कि प्रोजेक्ट का हिस्सा होता है वह 1:30 % जो क्रोस को हिमाचल को देने लेकिन हम प्रोजेक्ट कोर्स को न दे कि इसको किसी दुसरे फंड से दे देगे तो इस के लिए हिमचल सरकार को हमने कहा कि 1:30% आना है लागत का वह दे रहे है तो हमने इसको कोई ओंवजेकसन नही है उस बात को सरकार ने मान लिया है इसके आलावा एक में और बताई mou जो होता है उसमे चेयरमेन और कम्पनी एंड हिमाचल सरकार इसके बिच साइन होता है इडोबिजल कोई साएन नही होता | किसी भी क्पेस्ती में सरकार कुछ और कर री है हिमाचल के लोकल एरीए के जो लोग है उनके हितो में प्रोजेक्ट करने के लिए उसमे कुछ क्लास रेट कर रे है तो उस के लिए हो सकता है कि यह mou के द्वारा रिवाज हो के और ज्यादा पब्लिक में आ जाए आप मुझे न0 दी जाएगा में आपको mou जो सर्कुलेट करके whatsapp में डाल देगे अभी आपको 10-15 मिनट में मिल जाएगा ठीक है बिल्कुल होगा शेयर इसलिए नही हुआ है कि ये चीजे प्रोजेक्ट लगता में एक चीज और बता दू यह प्रोजेक्ट लग रहा है इसके दो रिजन है सबसे बड़ा रीजन है सबसे बड़ा रीजन है कि sjvn जो कम्पनी ई उनके जो चेयरमेन के डायरेकटर श्री नद लाल शर्मा जी वह इस एरीया से है अपने एरीया से मुझे भी प्यार है में एक क्नेजेक्ट प्रोजेक्ट छोड़ के यह आया हु आप लोगो के बिच में क्योकि cmd साहव का कहना है कि आप लोकल है आपकी बात लोग सुनेगे और यह प्रोजेक्ट हमे लगाना है किसी भी कीमत में हम यह नही सोच सकते कि एरिया कि जो डेवलपमेंट कितनी हो सकती है|
मेरा यह नया प्रोजेक्ट है जिसमे काम कर रहा हु और हम ने जिस एरीया में परियोजना लगते है परियोजना क्षेत्र कि तस्वीर को बदलते हुए देखा है और में यह चाहता हु कि मेरी यह हार्दिक इच्छा है कि मेरे लिए इससे बड़ी सबसेक्शन कि बात है यह परियोजना मेरे क्षेत्र में लगती है और पुरे क्षेत्र का बिकास होगा रेट के बारे में इन से बात करुगा इसके लिए क्या हुआ है

SDM--11:16 TO 11:20 : सुन लो सुन लो रेट क्या बोलना जो होना था गया जो हमारी रेट फरानी एरीया है बरिनी एबल उसका ल 1 लाख पर कनाल है जिसकी एक फसल है उसका 3ाख हजार खडेतरा 44 हजार पर कनाल है बाकि जिसकी बजर है 65 हजार पर कनाल बाकि रेट के लिए न हमने आपको बोला आप यह बताए कि परियोजना का आज लाभ क्या 22 और जो घराट एरीया है उसका 33 का है और हानि क्या है और आप पर क्या असर पडा रहा है परियोजना के लगने से यहा जो लोग आए है बह कोई कम्पनी है में तो आप से मिलने tvp आयेगे आशा करता हु चाय पिलाउगा और जल में आपके घेर eciffo के लिए उस समस्या का हल करेगे और आपसे बातचित करेगे आप जब भी मेरे | आउगा
बस आप एक पानी का गिलास पीला देना सपड का हम अलग से पैसा देगे जो पेड़ होगा तो उसका हम अलग पैसा देगे जो फारेस्ट वाले रेट देगे वह डालेगे उसका हम अलग पैसा देगे यह काम सेंटर govt का है हिमाचल प्रदेश के हित में नही जमीन देने का झूट कोई प्रोमिस नही करते है न ये बोलते है कनाल ये दिया या 4 कनाल दे दिया जितने पैसा मिले आपका जो बार्ड है उस कि अस्सेमेंट को पा कर जितने आप के पैसा होगे आप को ज्यादा से ज्यादा पैसा दिए जाए ये तो में कर सकता हु अगर आप ये बोलते है कि जमीन दे तो में य नही कर सकता हु अगर आप का कोई और इशू है तो आपका कोई शमलत गये है तो बोले आपका sdm यहा पर बेटा है में रिज्यूम भी कर सकता हु मेरे ऑफिस में आ करके 200 या 400 कनाल डाल करके वापस कर दुगा |

सहजकर्ता -11:21 TO 11:30: सर ने आपकी अपेक्षा की है वह सारी बता दी है अब में इस रिपोर्ट के बारे में बताता हु रिपोर्ट में जी हमने जो सुझाव दिए है जेसे कि जब जहा पर प्रोजेक्ट लगता है वहा पर बड़ी बड़ी गड़िया चलती है सडके उसके लिए हमारी कम बनी है यह ऐसे बहुत सारे प्रभाव होते है तो उसके लिए हमने सब उपाय दिए है |

कि जब बड़ी गड़िया चलेगी तो इस के लिए टाइम फिक्स है जितने भी लोगो को रोजगार मिलता है वह हिमाचल प्रदेश सरकार कि निति है वह प्रभावित लोगो को प्राथमिकता दी जाएगी इस के अलावा हम ने कुछ प्रभाव पाये है कुछ प्रभाव परियोजना से पहले है और कुछ बाद में जो प्रभाव

पहले है वह यह है कि मान लो कि जो हमारा खाता है वह इकट्टा है और जमीन अभी बंटी नही है और हम अलग अलग रह रहे है तो मुआबजे के लिए लोगो में विवाद हो रहे है शमन उपाए यह है कि पहले सरकार खाते का जो बटवारा ही वह अलग अलग कर ले लोगो के बीच इस परियोजना से जो लोग प्रभावित हो रहे है उनको लाभ नही मिल रहा है उनके बिच बिबाद हो सकता है इस के लिए सुझाव यह दिया गया है कि जिनको डायरेक्ट बेनिफिट मिल रहा है और जिनको नही मिल रहा है उनको lada परियोजना में शामिल किया जायेगा किसी कि जमीन का नुकसान होना है उसके लिए सरकार मुआवजा प्रदान करे खड़ी फसले अगर नुकसान हो रही हे उसका मुआवजा सरकार दे तो उसका एक तरीका है उसको सरकार मुआवजे में यह समन उपाए है जो इस रिपोर्ट में बताये गये है |

लेकिन ये जो उपाए हमने बताये है वह कानून के हिसाब से है हो सकता है आप के उपर कुछ प्रभाव पड़ रहे होगे जो उस में शामिल नही है तो आप से निवेदन है कि आपके जो भी बिचार है उसे कहे और आप उसे हिन्दी में कहे तो हमे उसे उतारने में आसानी होगी नही तो आप के जो शब्द है वह छुट जायेगे आप से निबेदन है कि जब आप अपने बिचार दे तो आप अपना नाम और अपनी पंचायत बताये | ताकि उसे उसी तरह से लिखा जाए आप जो कहगे हम उस रिकोड को सुन करके हम उसी तरह से उसे लिखगे , और सरकार को सौप देगे तो आप से निवेदन है कि कृपया जो भी आपका बिचार है जो आप कहना चाहते है आप कहे और आप अपना नाम बताये हम आप कि रेकोडिंग के लिए आपके पास आ जायेगे | आप के सुझाव आमंत्रित है | सर नाम भी बोलना और पंचायत भी |

पब्लिक- 11:31 TO 11:35 - मेरा नाम कुलदीप सिंह है पंचायत दाडला और गाव गागला मेरा पहला प्रश्न यह है कि गागला कि जमीन गयी है जो उस परियोजना में डेंजर भाग आयेगा या आते है तो हर गाव का एक आदमी चुना जायेगा उसका whatup no लिया जायेगा वह जो वेलफेयर पॉइंट है उसमे डाले जायेगे |

ताकि वह गाव को बता सके कि वह वेलफेयर पॉइंट है परियोजना का जिस को फायदा चाहिए वह ले सकता है धन्यवाद |

SDM-11:36 TO 11:40 - में इस में थोडा सा बोलूगा आप का प्रश्न सही है कि जो आयमी है उसको जो जो चाहिए वह मिल सके उसके साथ गलत न हो वह आदमी हमेशा उजागर करता है में भाई साहव से छोटा सा निवेदन करता हु बहुत से लोगो को गलत फहमी है कि जमीन हमारी है और कोई कुछ नही कर सकता ये जरुर है कि डेडर आपके नाम है लेकिन उसका समापन तो हिमाचल सरकार का है जब मर्जी आप से ले सकती है आप के जो पैसे होगे वो आप को देगे वेलफेयर स्टेट्स है इंडिया में आपका जो निशान है जब हम किसी भूमि को हम 3 तरह कि फसले उगाते नही तो उसको बंजर जमीन कर देते है तीन फसले डेढ़ साल में आप ने कुछ नही पाया तो वह बंजर हो जाती है तो गलती किस कि है जब आप बिज नही रे है तो हम ने खड़ातर नही लिखी |

SDM- 11:41 TO 11:42 - हमारा फर्ज है हर एक आदमी कि बात सुनना जो राईट है जिसको अपनी जमीन है ऐसा ना कहे |

SDM :11:43 TO 11:45 - अगर आपको किसी भी तरह की आशंका है | आप sjvn की साईड में MoU देखना हो सब देखते है | एक बड़ा प्रोजेक्ट लगना है 11 हजार करोड़ का आप हस्ताक्षर करेंगे तभी लगेगा | MoU में जायेगा तभी तो सेंटर GOVT में जायेगा | हिमाचल प्रदेश अगर 270 करोड़ दे सकती है SJVN को माफ़ कर सकती है तो हम इतना कट्र्विउट नहीं करेंगे | अपने इलाके के लिए में इसलिए पहल कर रहा हू | सरकार से मुझे पैसे मिलते है | मेरा हक है मै SDM हूँ | मुझे तो सरकार का गुणगान करना है और आप लोगो का गुणगान करना है | मै यह कह सकता हूँ मेरे से उपर कोई गया होगा या मुझे से उपर गया होगा | मै 15 मिनट से ज्यादा नहीं लगाता 5 मिनट लगाता हूँ साथ देना मेरा मै दो लोगो का बहुत आभार करता हूँ जब भी आप दोनों मेरे पास आए आपको कोई दुःख हुआ |

पब्लिक-11:46 To 11: 47 - कई बार मीटिग हुई है एक नहीं 11 बार मीटिग हुई है |

SDM -11:48 To 11 :50 - अगर उस समय प्रोजेक्ट लगता तो 17 साल हो गए | हम बार-बार अपील कर रहे है | SDM ने खड़ेतर की बात की 33 हजार खड़ेतर

यहाँ सारी पब्लिक है अगर मै गलत बोल रहा हूँ तो आप बोलो हम तो आपसे REQUEST कर रहे है | आपके पास ही आए है कि करो हमारी मदद प्रोजेक्ट बनाने में प्रोजेक्ट लग जाए फिर आप देखना जब YES हो जाएगी | उसके बाद पूछना आपने कि हम आपको क्या दे रहे है और क्या नहीं दिया | आज तो ठीक है कि आपकी 10 या 11 हजार कम मिल रहा है | मै तो कह रहा हूँ बाकि और लोगो से पूछा जाये |

सहजकर्ता -11:49 To 11:50 - आपकी बात में समझता हूँ कि जो मौजूदा रेट है | उससे आप सहमत नहीं है ठीक है धन्यवाद सर आप अपना नाम भी बोले और पंचायत का नाम भी कृप्या हो तो हिंदी में बोलेगा |

पब्लिक -11:51 to 11:53 - रामलाल सिंह पंचायत दाडला मेरी जमींन 4 कनाल 11 मरला है | डैम लगने से पता नहीं कितने मरला बनाई है और डैम लगने से मेरी सारी जमीन खत्म हो जाएगी | मुझे रास्ता भी नहीं मिलेगा | 20 हजार में साल में कमाता हूँ | उस जमींन से अगर मुझे 10 हजार से 20 हजार मरला भी मिले तो क्या होगा |

SDM- 11:54 to11:55 - जो आपके रेट की बात है वह हम आज डिसक्स नहीं कर रहे है |

पब्लिक- 11:56 To 11:58 मेरी सारी जमींन जा रही है और रास्ता भी खत्म हो जायेगा |

SDM- 11:59 To 12:00 आपको रास्ता दिया जायेगा |

सहजकर्ता --12:01 To 12:05 - सर में आपकी बात को समझता हूँ कि आपकी जो जमींन है | लगभग सारी चली जाएगी | जो बचेगी उसके लिए रास्ता नहीं होगा | मान लो जो जमीन जाएगी और जो बची होगी उसके लिए रास्ता नहीं बचेगा |

SDM-12:06 To 12:07 - आपको रास्ता देंगे सर आपने मेरे से मिलना और लिख कर देना |

सहजकर्ता -12:08 to 12:10 - आपके जो विचार है वह आप हमे लिखके भी दे सकते है | इसमे आपको यह लिखने की जरूरत नहीं है कि आप किस को सबोधित कर रहे है जो भी आपका विचार है सीधा वही लिखे और साईन करो | आप लोगो को किस -किस को लिख कर देना है | कोई भी व्यक्ति अगर अपने विचार बोल कर देना चाहता है तो कृपया हाथ खड़ा करो माईक आप तक पहुच जायेगा |

पब्लिक-- 12:11 TO 12:15 - साहब नमस्कार बाकि धौलासिद्ध के अधिकारी आपको भी नमस्कार मेरा नाम संजय कुमार है | मै लोगनी से हू | करोट पंचायत से मेरा निवेदन यह है कि हर एक आदमी को आप अलग रेट तो देंगे नहीं | सबका एक ही रेट होगा | करोट का सुजानपुर का और भलेठ का सारी जमीन का एक रेट |

-SDM -12:16 To 12:17 - रेट सबका एक है सही बात है यह आपकी | सड़क के साथ की हम कोई जमीन नहीं ले रहे है हम तो सिर्फ खड वाली जमींन ले रहे है |

पब्लिक-: 12:18 To 12:20 - सर आपका धन्यवाद सर में आपसे एक बात और करुगा कि आप रोजगार क्या-क्या दे रहे है प्लीज बताए |

चेयरमैन -12:21 To 12:23 - रोजगार जो होंगे वह उन्हें 100% मिलेगे और इसके अलावा जो परियोजना चलेगी उसके बाद उसमे जितनी भी मशीन पलभर है कलौनी बनती है | ये जो भी है जिन लोगो की जमीन जाएगी उन सब लोगो को रोजगार मिलेगा | इसके अलावा यह तो हो प्रत्यक्ष रोजगार अप्रत्यक्ष पूरे एरिया में 2 हजार आदमी यहाँ काम करेगे तो अप्रत्यक्ष रूप से यहाँ पर बहुत से रोजगार होंगे | जैसे कोई अपना ढाबा चलायेगा या कोई --- का होटल खोलेगा या कोई दुकान खोलेगा या दुध सप्लाई करेगा या सब्जी की दुकान खोलता है तो यह अप्रत्यक्ष रोजगार रहेगे | इसके अलावा परियोजना क्षेत्र के लिए कुछ % जो जितने हमारी कौशल डिपोलमेंट काम है वह हम अभी करा रहे है और यह हम करवाते रहेगे | आपके क्या आपके परिवार के सदस्य के अंदर ऐसी कोई स्किल डिपोलमेंट हो जायेगा | जिसमे आप अपने जीवनयापन को सुधार सके |

जैसे फारमर की ट्रेनिग है हम लडकियों के लिए भी सिलाई की ट्रेनिग देते है सारी ट्रेनिग जो इस एरिया के लोगो के लिए दी जा रही है और देते रहेगे | अभी जो हमारा स्केल है जब परियोजना आ जाती है यह स्केल डबल हो जाएगी | जैसे आज की DATE में हमने एक सजीवनी सेवा शुरू की हुई है | आपको यह पता है कि मेरे ख्याल में इतने गाँव में 14 या 15 गाँव है और वह हर गाँव में आ रही है | आने वाले टाइम में अभी में मीटिग में गया

था SDM से प्रार्थना की थी कि कम से कम दोनों जिलो के अलग -अलग सजीवनी सेवा शुरू की जाये तो एक सेवा के लिए इन्होने कहा है कि एक बार यह तय हो जाता है कि हमारी यह परियोजना चलनी है | तो दूसरी सजीवनी सेवा भी आपको दे दूंगा | तो ये सारे बेनिफिट है जो हम दे रहे है इसके अलावा हम HEALTH में काम कर रहे है | हेल्थ कैम्प हम गाँव में लगायेगे और लगाते भी है | परियोजना क्षेत्र में हमारे जितने भी स्कूल है सिर्फ सरकारी स्कूल उनमे जो बच्चे 8वी. 10वी. 12वी. में प्रथम ,सेकंड ,थर्ड आते है उनको हम रिवार्ड देते है जो 8वी. कक्षा का जो 3000,4000,5000 होता है और जो 10वी. कक्षा का है उसमे 6000,7000,8000 होता है और जो 12वी.कक्षा का होता है और उसका 8000,9000,10000 होता है और वह हम अभी भी दे रहे है इसके अलावा BPL की फेमली को भी जो हमारी बहने जो प्रेग्नेट महिला होती है 5000 रु. का एक अनुदान एक बार देते है और प्रेग्नेट के बाद जो कार्ड बनते है वह पूरी होनी चाहिए | 5000 हजार हम पहले देते है और 5000 हम बाद में देते है और 1000रु. हम उनको और देते है जिसमे की फल आदि होते है | यह सारी स्किम है और हम 1:50 बच्चो को एक स्कोलरशिप दे रहे है जो कि बच्चे MBBS कर रहे है ऐसे प्रोग्राम में ऐसे चार या पांच जो भी इसका पीरियड होता है | 2000 हजार रु. पर MONTH देते है | उसमे जो सरकार की गाईड लाईन है जैसे कि SC केटेगरी को इतना BPL को इतना सबको ध्यान में रख करके हम उनको देते है इसके अलावा और कुछ जानना चाहेगे तो मे आपको बता दूंगा |

पब्लिक- 12:24 To 12:25 : इसमे जो इफेकटिट होंगे उनके बारे में कुछ होगा |

चेयरमैन- 12:26 To 12:30 - इसमे जो गाँव आते है सिर्फ लैंड आफ फिरेशन को ही फायदा होगा |अगर हमे वहा से नहीं मिलता है | उनके लिए यह कोई सुविधा नहीं है हम उनके लिए ITI ट्रेनिग करा रहे है | हर साल 25 लोगो को हम हर साल हम हर साल ट्रेनिग करवाते है | आप प्रोजेक्ट इफेकटिट कब बनाएगे |

जब हम आपकी लैंड ले रहे है तभी बनेगे | रोजगार एक ऐसा है जो लाइफ टाइम रहेगा |

पब्लिक- 12:31 To 12:40 - अभी साहब बोले है जिनके भी बच्चे है ट्रेनिग के लिए गए है और 476 बच्चे वह ही प्रोजेक्ट में इफेकटिट फेमिली से पहले जो आये है जिसने सिर्फ पेपर मात्र दिया है की मेरी जमीन जा रही है | अभी वह इफेकटिट हुआ नहीं है हमने उनको भेजा है उसके अलावा 738 जो फार्मर है और बच्चे वह ट्रेनिग कर चुके है | ट्रेनिग के बारे में ही करवाता रहा हूँ सेवा या साल के उसके बीच में दूसरा ओफिसर था | 736 का आकड़ा मेरे पास है | दाडला ,करोट,चौडू ,टिप्परी ,---- जितनी पंचायते है | पीछे भी अभी भी 50 बच्चो की ट्रेनिग के लिए मेरे पास आया हुआ है जब तक वह प्रोग्राम नहीं होते है सारी ट्रेनिग करवाई हुई है | 736 फार्मर को ट्रेनिग है स्पेशल ट्रेनिग खुम्भ उत्पाधन ,पोली हॉउस ट्रेनिग यहाँ पर ट्रेनिग कराई थी | कटिग ट्रेनिग ये मैडम बेठी है इनके टाइम में ऐसा नहीं है कि हम जब भी ट्रेनिग करवाते है | हर साल 25 नहीं 40 बच्चे ट्रेनिग में जाते है | यह मुझे मालूम है कि कितने बच्चे वहा पर छोड़ देते है | मै तो यह बोलता हूँ कि अगर कोई बच्चा छोड़ता है तो मुझे 1 महीने के अन्दर बोले ताकि में अगले बच्चे को वहा पर भेज दू | जो मेरी पेनल में होती है में उसे भी भेजता | मेरे पास इन्फोर्माशन आई कि चार बच्चे छोड़ चुके है | मैने वहा से EMAIL करके वहा से -उन्हें भेज दिया अगर किसी को शक को हो तो आप चेक कर सकते है उस ट्रेनिग में जो ITI की ट्रेनिग होती है उसमे हम ट्रेनिग का सारा खर्च देते है जितना भी ट्रेनिग से सम्बंध होता है वह हम देते है | उसके अलावा 2000रु.मैने खुद SDM साहब से मैने उनको बैठे- बैठे बताया था | सर 700रु. में गुजारा नहीं होता तो उन्होंने बोला कितने पैसे चाहिए | मुझे उस वक्त जो लगा मैने उनको 1500रु. बोला और उन्होंने 2000रु.सेक्शन किया | और हर महीने 2000रु. शर्त यह है कि एक फार्म भरना पड़ता है और वहा से मुझे हाजरी आ जाती है जब में हाजरी दे देता हूँ तो उसकी पेमेंट हो जाती है तो 426 बच्चे है अभी 25 और लगने है | उसमे अभी मैने काउसिल नहीं की है | साहब से रिक्वेस्ट की थी कि मैने ये आपका सारा काम हो जाये उसके बाद काउसिल करुगा | 736 बच्चे वह है जिनको पार्ट टाइम ट्रेनिग दी गयी है उनको खाना पीना रहना फ्री अभी जो एग्रीकल्चर पालमपुर में ट्रेनिग हुई है 25 WOMEN और 25 MEN की हो जाएगी | उसमे 7 साधन रहने के लिए फ्री है और साथ में जो SJVN की तरफ से 1400 रु. जो है वह दिए जाएगे | बाहर मेंहनत करते है तो 200रु. दिहाड़ी रु. मिलती है उसके अलावा आने जाने का खर्चा हम देते है | दूसरी ट्रेनिग आएगी नौणी से उनका MOU

अभी साईन नहीं हुआ तो वह भी 50 होंगे | उसके अलावा हर जो पंचायत है | उसमे पिछली बार 500 बच्चे थे | 18 पंचायते है | और 500 बच्चो को ट्रेनिग दी है स्पेशल ट्रेनिग 3 महीने की 2 महीने की शायद अब कोई नहीं बचा होगा | प्रधान जी यहाँ बैठे है वह बता देंगे दाडला के लिए ही हमने यह ट्रेनिग दी थी और बड़ी जो आपकी पंचायते है आप खुशनसीब है आपको ऐसे प्रधान मिले है इन्होने मेरे फ़ोन करने से भी यह 25 या 30 बच्चे तैयार कर देते है ये मैडम है मैने एक बार बोला था कि यहाँ की लेडीज इकठा करे मै 1 महीने से पहले भी पहले बता चुका हूँ | BPL लेडी जो प्रेग्नेट है उसका पेपर मुझे दे दिजिए | डायरेक्टर साहब से में दुसरे दिन कांफोर्म करके प्रेरेग्नेंसी से पहले 6000रु. और फ्रूट बगेरा और डाक्टर डिलेवरी

5000+1000 ऐसा कोई नहीं है | कोई किसी को रोकने के लिए नहीं रोकता है | यहाँ तक कि आपको वहा तक आने की जरूरत नहीं है | क्योंकि मै यहाँ से ले लेता हूँ उससे बड़ी फेसिलिटी और कुछ नहीं हो सकती है | किसी को फार्म जमा करना होता है | मै इसलिए नहीं बोलता की वहा जाने के लिए 200 रु. किराया लगता है आने-जाने में तब में कोशिश करता हूँ यहाँ ले लूँ |

ये जितनी भी ट्रेनिग है ये लगातार हो रही है | 2011 से लेकर अभी तक धन्यवाद |

सहजकर्ता- 12:41 to 12:43 तो अभी तक आपके जो सुझाव आए है उसमे सिर्फ दो या तीन आए है | अगर और कोई व्यक्ति विचार देना चाहे तो दे सकता है | आपको कुछ कहना है जी | यदि अगर आपका कोई और सुझाव नहीं आ रहा है तो इस जनसुनवाई वार्ड को अंतिम मोड़ पर लाते है |

SDM -12:44 To 12:48 - आपको पता है कि मुझे बहुत जल्दी है ऐसे मिलने आया था | मुझे SJVN ने भी कहा था कि जो SIA की मीटिंग है इसमे जो गिवन आते है उसके सुनने के लिए भी मुझे कहा था | आप निश्चित हो की मेरी इस बात को विशेष रूप से मान ले कि हम कोई भी फैसला जब लेते है हमारे लिए ठीक हो कोई भी ऐसा फैसला नहीं लेते जोकि जनहित के खिलाफ हो पर हमने आपको अपनी एक चीज बता दी है कि हमारा प्रोजेक्ट पिछले 17 साल से खड़ा है और यही बात मैने आप से की में इतनी जमींन ले रहा हूँ | आपको छोटी सी बात बताता हूँ | बाग में गया शियाल है उनके 187 ,187 कनाल दोनों के हित में उन्होंने 1 मिनट नहीं लगाया | जहा पर लोग 2 कनाल या 2:30 कनाल मेने खुद जो कागज पढ़े है कि 1 मरला 2 मरला बस इतनी ही जमीन जा रही है | 4 कनाल तक है कोई इससे ज्यादा जमींन किसी की नहीं जा रही है|

- प्रधान जी आपने देखा है कि किसी की 4 कनाल से ज्यादा जमींन जा रही है | इससे ज्यादा कोई नहीं है | मैने सबके कागज देखे है | मोटा-मोटा देखा है दाडला पंचायत का बहुत से गाँव है जो मियाडा,गागला तो में निवेदन करूंगा कि आप मेरे साथ है धन्यावाद |

SDM -12:48 To 12:50 - धन्यबाद आपका कोई गिला शिकवा होगा | मै हमेशा SDM OFFICE में होता हू | आप जब चाहो आए जो चीज पूछेगे और चाय पीला करके भेजूंगा | आपसे बस पानी की उपेक्षा करता हूँ और आपने मेरा काम करना | मेरा कोई कार्यकारी आता है अगर कोई स्पेशल साईन करना चाहता है तो वह कर ले |

सहजकर्ता- 11:55 To 11:56 माननीय SDM साहब की अनुमति से किसी का सुझाव नहीं आ रहा है तो इस जनसुनवाई को संपन्न किया जाता है धन्यवाद |

2 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: नगर पंचायत सुजानपुर

स्थान : PWD REST-HOUSE SUJANPUR तिथि-23/07/19 समय :(10:00-1:00)

सह्जकर्ता- 11:00 To 11:20 - ग्राम पंचायत के सदस्य गण उपस्थित जिला धारक व् प्रभावित जल समूह प्रतिनिधि व सतलुज जल विद्युत के अधिकारी गण आप सभी का प्रस्तावित धौलासिद्ध विद्युत परियोजना के अंतर्गत समाजिक प्रभात आकलन रिपोर्ट के संदर्भ में आयोजित इस जन सुनवाई में आपका स्वागत है जैसा आप लोग जानते है हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा धौलासिद्ध जलविद्युत परियोजना की सतलुज के द्वारा मिनीरल कम्पनी है सरकारी क्षेत्र के द्वारा करवानी है इस परियोजना के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जिला हमीरपुर काँगड़ा भूमि की चहा गया है 2013 में भारत सरकार ने एक कानून बनाया जिसमे भूमि अधिग्रहण पूर्णवास , पुनस्थापन मुआवजा में पारदर्शी का अधिकार दिया जो की 2014 से लागु हुआ , इसके अंतर्गत तय किया गया जब भी किसी लोग परियोजना के लिए जमीन ली जाएगी उस लेने से पहले सरकार एक सामाजिक प्रभात का आकलन करके जनरेट न केवल उन लोगो को नही पडते बल्कि उनकी जमीन प्रभावित होती है बल्कि आम लोग को भी पड़ते जो उस क्षेत्र में रहते है | इसलिए हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा प्लान फाउंडेशन को जो की एक गैर सरकारी संस्था है जो की इसके लिए चुना गया इस संस्था के द्वारा इसी एक्ट लोगो के विचार विमर्श किया गया और इसके बाद इस रिपोर्ट को तैयार किया गया जो की पब्लिक के सामने रखा गया इस एक्ट के अनुसार आप की अनुमति से 21 दिन पहले ये रिपोर्ट जिला कार्यालय में उपमंडल अधिकारी के कार्यालय में व तहसील कार्यालय में व सम्बन्धित पंचायतो में हिंदी व इंग्लिश दोनों रूपों में लोगो के लिए रखी गयी | आप के साथ इस रिपोर्ट की इन्टरनेट के सामने में भी पब्लिश किया गया ताकि जो भी व्यक्ति इनमे देखना चाहता है जो भी सुझाव दिया है देख सकता है हो सकता है की वो आपके द्वारा ये रिपोर्ट न देखी गयी हो इसलिए में साथियों को इस रिपोर्ट के बारे में बता देता हूँ | कृपया ध्यान दीजिये आज की जन सुनवाई इस रिपोर्ट के बारे में है इस जनसुनवाई का कतई मतलब नहीं है | प्रोजेक्ट लगे है या न लगे हम केवल इस जनसुनवाई से इस रिपोर्ट के बारे में विचार आपके सामने साझा कर रहे है | इस रिपोर्ट के अनुसार कुछ अलग क्षेत्रो में प्रभाव भी पड़ेगे प्रोजेक्ट के आने से आंके गए है | सबसे पहले सामाजिक प्रभाव के बारे में बात करते है सामाजिक प्रभाव में भी पाया गया कि जमीन लेने के बाद लोगो को मुआवजा मिलेगा उस मुआवजा से उन लोगो से विवाद पैदा हो सकता है जैसा कि अभी सभी का खाता अलग नही हुए है इस में किन लोगो को मुआवजा मिलेगा कौन उसका असली हक़दार है इस बात में विवाद हो सकता है परियोजना से कुछ लोगो को लाभ मिलता है और कुछ लोगो को डारेक्ट नहीं मिलता है जो दोनों को लाभ मिल रखा है या नही मिल रहा है उनके बीच भी विवाद हो सकता है | इस परियोजना के बहुत सारे लोग यहा आयेगे , कार्यबल श्रर्मिक आयेगे उस के आने से मुलत: जो हमारी परम्परा है संस्कृति है पर भी प्रभात पड़ सकता है | लोगो की कृषि भूमि का नुकसान हो सकता है जो परियोजना से प्रभावित है उन के बीच जो भूमि की सम्भावना हो सकती है इसके आलावा जो हमने एक्ट की लिस्ट है उस बारे में बात की जैसा की जमीन का नुकसान होना पानी की पाइप लाइन पंप ,स्कूल , श्मशान घाट इत्यादि का नुकसान होना है आम सम्मति का नुकसान होना है और जो लोगो की इनकम है इस पर प्रभाव पडना है जैसे की हमारी कृषि है कुछ लोग उस कृषि पर निर्भर है उनका नुकसान होना है जब लोग बहार से आएंगे तो रस्ता बदलने की सम्भावना है चीजो की और जमीन की कीमते बढने की सम्भावना है ये कुछ नुकसान है जो की अनुमान लगाये है इसके आलावा भौतिक संपति का नुकसान है जिसमे है पेड़, पानी की टंकिया ,शौचालय ,रसोई घर जैसे कुछ संपतिया जा सकती है शासनिक संस्थानो पर अधिकतर बल पड़ेगा क्योंकि बड़ी गाड़ी आएगी रोड हमारे वही जो इस वक्त है तो उन पर भी अधिक बल बन सकता है पर्यावरण के लिए नुकसान हो सकता क्योंकि डेम लगाने से आद्रता बढती है तापमान भी प्रभावित होता है स्तास्यम से हमारी सरचना है उस पर प्रभाव पड़ेगा जो हमारे स्तास्यम सेंटर है लोगो की पोपुलेशन अधिक हो तो उस पर भी दबाब पड़ सकता है ये कुछ अनुमान है जो हमने सबमिट किया है इन अनुमानों के लिए हमने कुछ सुझाव बताये है इन सुझाव से इन नुकसान को कम किया जा सकता है | इस रिपोर्ट में मिशन किया गया है की यदि लोगो के बीच विवाद हो जो की इनका असलियत हक़दार कौन है और किसको कितना मुआवजा मिलना है तो मुआवजा देने से पहले इन का ----- है वो सुझाव लिया जाना चाहिए आलमपुर व लोंगनी में जो दो मंदिर जा रहे है उस के लिए धन राशी उपलब्ध हो गाँव में सभी देवी देवता के लिए मंदिर है लोग उसके लिए धन राशी उपलब्ध की जाए | युवक मंडल, महिला मंडल ग्राम पंचायत में प्रयोग होने वाले भवन की लिए मुरम्मत आवश्यक है तो उसकी मदद की जानी चाहिए इससे सामाजिक प्रमाण भी कम होते है मालिकाना पीड़ित वर्ग जैसे की सामान वर्ग के लोग है उन पर प्रमानेट कौशल को बढानें के साथ- साथ स्किल डेवलोपमेंट के लिए प्रयास किये जाने चाहिए स्ट्रीट लाइट सभी पंचायत व गाँव में अनुरोध किया जाना चाहिए पंचायत की तरफ से किया जाता है की वहां स्ट्रीट लाइट लगनी चाहिए आधारभूत सरचना की जो प्रभाव होना है इसके लिए सुझाव दिए गए है कि सभी मौसम में जो काम करे व सड़को का काम किया जाये नदी पर पुल बनाये जाये जैसे की हमीरपुर सुजानपुर पुल सकेंत मिशन मंदिर सुजानपुर व आलमपुर को जोड़ा जाये ये कुछ सुझाव थे जो परियोजना के द्वारा किये जाये उस सिस्टम को जोड़ा जाये इस क्षेत्र में जीने की अपूर्ति है उस पर कुछ प्रभाव पड़ना है तो उन नुकसान होने से पहले जो आपकी स्कीम है इन्हें दूर किया जाए और इनको अधिक किया जाये मोबाइल मेडिकल वेंन शुरू की जा सकती है

जो आलरेडी चलायी जा रही है आईटीआई जैसी स्थानीय मुआवजा को बढ़ावा देने के लिए मदद की जानी चाहिए शमशान घाट जो प्रभावित हो रहे है उस बल बालिक व्यवस्था तैयार की जानी चाहिए | जिन लोगो की जमीन का नुकसान होना है उन को उचित मुआवजा दिया जाये पर्यटन की बढ़ता देने के लिए जो डेम साइट होगी उस की लोगो की खोला जाये जो मछली पालन जैसे पर्यटन को बढावा दिया जा सके | जो की स्थानीय लोगो को आजीविका के दस अवसर प्रदान किये जायेगे | स्वयं सहायता समहू का गठन किया जाये उन को शक्तिकरण किया जाएगा उन के कौशल व सवर्धन आजीविका को दिया जाये परियोजना जो भी नौकरिया दी जाये उस में स्थानीय लोगो को तैयार कर जिनकी जमीने जा रही है जिनको फर्क पड़ना है उन को प्राथमिकता दी जाएगी पर्यावरण को ठीक करने के लिए परियोजना के द्वारा सरकारी भूमि अधिकरण किया जा सकता है इसके आलावा निजी भूमि के कटाव के लिए अधिक सवर्धन शील में वृक्ष रोपण किया जाना चाहिए इसके लिए नदी के किनारे वृक्ष रोपण ,जल स्तर में वृद्धि, मानसून के दौरान भूस्खलन को भी रोकेगा शोर प्रदुषण व यातायात को कम किया जाना चाहिए भारी वाहनों को प्रोजेक्ट एरिया में आये तो टाइम संकरण किया जाये जो की किस समय में वो आएगे हॉर्न के प्रयोग में जो बड़े वाहन है उनके द्वारा संकेत निर्देश किया जाये की वो जयादा हॉर्न का प्रयोग नहीं करे सड़को व यातायात स्थिति को अनावश्यक अधिवास को बचाने के लिए पुरे दिन सामान रूप से परिवहन को नियोजित किया जाये | ऐसा न हो की परिस्थिति कूलर टाइम से सारी गाड़ी दौडाई जाए | जो उस को नियमित किया जाये कुछ प्रदूषण के लिए जहाँ पर डेमिज साइड है या तो परियोजना का क्षेत्र वो नियमित रूप होना चाहिए दैनिक साइड को दूर रखा जाये | उस बात का धयान रखा जाए उस बात का मान रखा जाये जल प्रदूषण के लिए नदी के किनारे डेमिज साइड न बने ताकि बारिश के मौसम में मालवा नदी में प्रवेश न हो निर्माण की जो सामग्री है जो रेट अन्य भडारण है वो नदी के किनारे से दूर रखा जाये | जलाशय के निर्माण के लिए जो खड़ा पानी होगा उस में मधर पैदा न हो उस में समय-समय पर धिद्कत इत्यादि किया जाये | जल स्टार के कारण भूमि की स्लाईड होने की सम्भावना है उस को रोकने के लिया आवश्यक उपाय किए जाए इसके इलावा परियोजना में अन्य उपाय है जो हर वक्त किए जाते है उसको उस में समानित किए जाते है जैसे कि लाडा लोकल एरिया डेवलपमेंट) होता है | उस परियोजना की लागत का 1.5 % विकास नीति है परियोजना के लिए लाडा में दी जाती है लाडा उस की लाडा के जो नियम हे उसके द्वारा के विकास के लिए सम्मलित है | कुछ लोगो ने रिक्वेस्ट किया है कि सर्कल एरिया में संशोधन किया जाए इसके लिए उसमे रिपोर्ट में डाला गया है कि सरकार इसके बारे में उचित निर्णय लिया जाए जब लोगो के पास अचानक अपारदर्शी रूप से पैसा आता है तो जरूरी हे कि उसके बारे में भी बताया जाए कि पैसा कहाँ प्रयोग किया जाना चाहिए कहाँ नही किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा कई बार देखा गया है कि जब पैसा आता है ऐसी कंपनिया आ जाती है उस पैसा कि इन्वेस्ट करने के लिए लालच देती है और बाद में भाग जाती है तो लोग आपने पीसा का सही इस्तेमाल कही सही तरीके से किया जाए | ये कुछ सुझाव है जो रिपोर्ट में शामिल किए गए | कोई भी चीज़े आपने आप में पूरी नही होती है हर बार कुछ न कुछ चीज़ छुट जाती है तो आज इस जनसुवाई के दौरान हम आप लोग से इस रिपोर्ट के बारे में सुझाव मांग रहे है कि क्या कोई चीज़ छूट तो नहीं गयी है या आप का कोई विचार है जो इस में शामिल किया जाना चाहिए आप से निवेदन है कि आप अपने सुझाव व विचार हमे बताईये हम उसे रिकॉर्ड करेगे विडियो ,कैमरे में और इस रिकॉर्डिंग को बिना काट के सरकार को सौप दिया जाता है | आज आप जो भी बोलेगे हम उसे सुनेगे लिखेगे जो भी आपका सुझाव होगा उसे दर्जे करेगे और फिर उसे रिकॉर्ड को सुनके जो आप ने कहा है उसे उसी तहर लिखकर सरकार को सौपेगे | यह पब्लिक एरिया का नियम है |

अत: आप से निवेदन है कि कृपया आप जो भी कहे हिंदी में जरुर कहे क्योंकि जो की आप स्थानीय भाषा का इस्तेमाल करेगे तो हो सकता है कि उसे समझने में कोई गलती न हो जाए तो बोला गया है की हिंदी में बोले तो आप अपने सुझाव लिख कर भी दे सकते है इसके लिए कागज और पैन उपलब्ध है जो आप के पास दिया जायेगा जब कोई आप अपनी बात बोलेगे कृपया अपना नाम व् पंचायत का नाम जरूर कहें ये जो जनसुनवाई है | आदरणीय SDM उपस्थित में है जो इसे --- कर रहे है | ताकि ये निश्चित किया जा सके कि आपके विचार इस रिपोर्ट में उसी रूप में डाला गया है अन्यथा अगर आप को हम बात करके ही बता सकते है कि आपके मन में संशय रह जाता की ये बात कही या न कही तो क्योंकि आज SDM यहाँ है इस जनसुवाई के इस की रिपोर्ट को दी जानी है तो इससे यह तय होता है कि आप के विचार और सुझाव उसी रूप में सम्मानित किए गए है मै SDM की अनुमति से आप के विचार व सुझाव आमत्रित करता हूँ |

SDM: 11:21 To 11:23 : आप आपने विचार बोलकर व् लिखकर भी प्रकट कर सकते है किसी भी रूप में दे सकते है| इसे रिपोर्ट के बारे में कुछ ऐड करना तो लिखकर भी दे सकते है जो भी आप के विचार है उसे रिकॉर्ड किया जायेगा और उस रिपोर्ट में शामिल किया जायेगा | आप इसी रिपोर्ट के बारे में बोले जी इस परयोजना के बारे में प्रभावित हो सकती है हमें सरकार को भी बताया गया की जहाँ प्रोजेक्ट लगाना है वहा पर क्या क्या चीज़े होनी चाहिए ! दोनों पथो से आप हमें सलाह देगी तो हम भी उसे ऐड करेगे | धन्यवाद

सह्जकर्ता - 11:24 To 11:27- एक और चीज़ आपके सामने रीड करना चाहूगा की जो मैने अभी तक कहा है कि परियोजना के दौरान एक शिकायत निति का गठन किया जाता है इसमें परियोजना के लोग होते है प्रशासन के लोग भी होते है और जैसे कि किसी की जमीन जा रही है ली जा रही है ,उससे सम्बन्धित कोई समस्या पैदा होती है तो उन लोगो की मदद करने में ये समिति का काम करती है | उसे शिकायत निर्माण निति कहते है | ये रिकॉर्ड रखती है | शिकायत को क्रिटिसाईज करती है | इसके अलावा मलकाना हक़ विवाद इसके द्वारा सुलझाये जाते है सभी को इसका लाभ मिले | इस परियोजना का जिसकी जमीन जा रही है | उन्ही पर ---- की सभी को उसका प्रतिकार मिले जो इस समिति का कार्य करती है इसके अलावा शिकायत निर्माण समिति के लिए एक अगली निगरानी तैयार की जाती है जो शिकायत आई है तो उसे सही समय में हल हुआ है या नही ये अतिरिक्त निर्माण समिति देखती है ये डिटेल रिपोर्ट में दिया गया है और पब्लिक जोन में उपलब्ध है आप इस जन सुनाई के बाद इससे संबंधित पंचायत से कॉपी ले सकते है | अत: आप से आपके सुझाव व विचार आमत्रित है |

वीणा राणा 11:28 To 11:30- मै सुजानपुर का निवासी हूँ | मेरी जमीन 7 कनाल 16 मरले जा रही है लेकिन जो रेट हमे दे रहे है उसे हमे शिकायत नही है जब भी डैम के बारे में बात की जाती है उसके बारे में जितनी भी नपाईन की जा रही है उसमे सबसे ज्यादा जमीन हमारी है जो स्टेट हाईवे को टच करती है तो अधिकारियो से परमिशन है की वह रेट के बारे में बात की जाये | जब हमारे से बात की जाये जो हमारे सर्कल रेट है वो भी ध्यान में रखा जाये |

सह्जकर्ता -11:31 To 11:32 - आपकी बात रिकॉर्ड की जा चुकी है और इसे इस रिपोर्ट में समर्पित किया जायेगा |

विराल सर -11:33 To 11:34- किसी को भी लिख कर अपना सुझाव देना है उसे पेपर प्रोवाइड करवाते है अगर कोई है तो हाथ खड़ा करे |

पब्लिक--11:35 To 11;40 - धौलासिद्व बांध जल विद्युत परियोजना के चेयरमैंन जलोटा जी ,इस परियोजना के चेयरमैंन SDM साहब यहाँ पर उपस्थित सभी धौलासिद्व परियोजना के अधिकरी यहाँ पर आये सभी सुजानपुर के सदस्य जिनकी भूमि अधिग्रहण की जानी है वहा बाहर से भी कुछ आए हुए सभी मच पर उपस्थित है में इस मीटिंग में आने में सभी लोगो का स्वागत करता हु वह अभिनंदन करता हु आज इस बैठक में हमारे बीच सबसे पहले जिस परियोजना में जो भी भूमि जनि है उसके बारे में चर्चा की जनि है बाद में उस परियोजना द्वारा चलाया गया डैम जिससे पहले प्रभावित होगे तो बोलोगे की इसके पहले विचार के साथ हमारे अधिकारी के समक्ष सभी बाते रखी इस परियोजना से कसे परभावित होगी उनके लिए सरकार को विमा कराना चाहिए जो यहाँ पर डैम लगेगा तो जन जीवन या कोई और नुकसान हो सकता है वो आप लिखित रूप में अपना सुझाव दे सकते है और साथ में आप माइक द्वारा भी बोल सकते है मेरा में श्रवण कुमार सुजानपुर का निवासी हु और वो जो मेरी भूमि जा रही है भूमि जाने का कोई भी जिसमे विवाद नही है बाद में इसे इसकी संबंधित पंचायत से कॉपी ले सकते है आप से आपके सुझाव व् विचार अमानित है

जब भी सरकार ने भूमि लेनी है हम देंगे पर शर्त है कि हम रेट के बीच मे हमारे बीच बहस बाजी चल सकती है! जब भी ये बात हो जायेगी, उसकी तो खैर देना ही है !और सभी लोग चाहते है कि ये डेम लगे ! डेम लगने से हमे ही फायदा होगा, हमे ही पैसे मिलेंगे, निश्चय ही हमारा ही फायदा होगा !इसमें चारो तरफ विकास होगा ,उस क्षेत्र का हमारा ही फायदा ही होगा ,उस प्रोजेक्ट लगने से सबसे ज्यादा रोजगार हमे ही मिलेगा ! जो कि जिनकी जमीन जाएगी उनको भी काम करने का मौका मिलेगा, जिनकी नही जाएगी उनको भी उस प्रोजेक्ट में रोजगार मिलेगा !इसमें फायदा नुकसान भी होगा, मगर हमे उसे सोचकर चलना होगा ,कि जो सरकार आज १०, १२ साल से इस कार्यशाल मे जुटी है , वो सब पूर्ण हो ऐसा मेरा मन मे विचार है !साथ में जो जहाँ पर जितनी भूमि जा रही है ! सुजानपुर मे अन्दर जहाँ पर हमारी २६ करनाल भूमि जा रही है ,उसके साथ ही लगते मेरा सुझाव है कि यह सुझाव डाला जाए कि हमारे घर वहां से १०० मीटर दूर रहते है जो हमारी पुश्तेनी जमीन है ८ व ९ करनाल है जिसमे हमारे मकान है कब पानी आएगा हमे महसूस होता है कि हम वहां नही रह पाएंगे ! हमे वहां से उठना ही पड़ेगा ,यह हमारे लोगों का मानना है हो सकता है कि डेम लगने से हम न उठे और प्राइवेट रहती है यह हमारा मुख्य सबसे ज्यादा कारण है क्यूंकि पेसे आज है कल नही भी हो सकते है ,जहाँ -जहाँ पर अपना जीवन व्यस्त करना है वो सरकार के माध्यम से हमारी बात पहुंचाई जाए जो ये डेम लगेगा वो सूचित किया जाए कि हमे जहाँ जगह का प्रबंध किया जाए जो भूमि अर्जित लैंड कि जानी है उसके बारे मे विषय रखा जाए ,व उन चीजो का ख़ास ध्यान रखा जाए !

जहाँ तक रेट डिसाइड करने कि बात है अभी ध्यान मै है कि सभी लोग निचे से ऊपर तक राज़ी हो रहे है ७० से ८० %लोग साइन करने के लिए राज़ी है हमे इस तरीके से तैयार किया गया है कि डेम लगे ! कुछ ऐसे लोग भी है ,हम भी है , हम चाहते है कि इस रेट के बारे मे सरकार को दे जहाँ पर भी जितनी - जितनी भूमि ली जानी है क्या उसका सर्कल रेट हो ! उस सर्कल रेट से सभी काम हो ! हम उचित सीमा तक जाए !जैसे कि ३ से ४

लाख रेट एक बराबर रखा गया है !कुछ ऐसे लोग है जो चाहते है कि उस रेट को आगे बढाया जाए !यह हमारा अनुरोध रहेगा ! बाकी यहाँ पर सभी लोग आये है ! जो भी आपके मन मे बात आई है माइक द्वारा व लिखित करके दे सकता है! मै यही कहना चाहता हूँ ! मै अपनी वाणी को विराम देता हूँ

धन्यवाद ,जय हिन्द , जय भारत !

सहजकर्ता -11:41 To 11:43 - धन्यवाद , जो भी शंका व विचार है वो इसी रूप मे सम्मिलित कि जाएगी !आप मे से कोई अन्य कहना चाहे या कोई संशोधन का विचार डालना चाहे , कोई भी आपका विचार है वह रखे !

पब्लिक 11:44 To :11:46 - मै सुजानपुर निवासी सरपंच जी ने कहा कि घरों के बारे मे डीपरेंस कितना है जब घर उस एरिया में आएगा जो उसकी जो वैल्यू है उस टाइम कि होगी जब वहां पर पानी आ जायेगा कि उस टाइम कि होगी जो कि वैल्यू है वो उन्होंने बता के ही दिया है ,वैल्यू हमे उस हिसाब से मिलनी चाहिए ! धन्यवाद

सहजकर्ता -11:47 To 11:49- इसमें कुछ प्रशन उठाए जा रहे है इनका उत्तर अंत मै S.D.M साहब बाद मे देंगे !और कोई आपका सुझाव है जो इस रिपोर्ट मै शामिल होना चाहिए ! इस रिपोर्ट में शामिल होने के लिए जरुर अपना सुझाव दे सकते है कि हमसे कोई चीज छुट गई हो |

SJVN-11:50 To 11:51 - नगर पंचायत सुजानपुर से आए सभी अधिकारकक मेडम विना जी,मैडम कि मै बचपन से जनता हूँ मै हमीरपुर का रहने वाला हूँ |

SJVN-11:53 To 12:10 - 70 करोड़ रूपये कन्सेशन इस प्रोजेक्ट को बनाने के लिए sjvnको दे रही है | इसके आलावा sjvn ने इस प्रोजेक्ट को बाईबल करने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार से शर्त मांगी थी जो हिमाचल प्रदेश सरकार तैयार हो गयी | इसमे 270 करोड़ रु.सरकार दे रही है | लेकिन लेकिन sjvn ने 270 करोड़ रु. को स्टेट से लिए थे | इसमे हिमाचल प्रदेश सरकार कि भागीदारी 25%है 64% 75% भागीदारी भारत सरकार कि है और हिमाचल प्रदेश सरकार एक सरकारी एजेंसी है | सरकारी कंपनी होने के नाते कन्सेशन कि धौलासिद्ध पास कर रही है | इससे सबसे ज्यादा समय किसी भी कैंडिडेट को नहीं मिला | north east को मिलता है इससे north east के E-कैंडिडेट है जो चीन भूटान को दी जाती है ताकि सबके हितो के साथ में चलके कन्सेशन दी जाती है | ताकि north east को डेवेलोप किया जा सके |इसमे पहाड़ी राज्य को पहली बार कन्सेशन बनाने के लिए प्रदान की | मै थोडा ओर बोल दूँ | सबसे पहले परियोजना को को कम कर्नर के लिए लाडा का फण्ड होता है |1/2% होता है जो प्रोजेक्ट का हिस्सा होता है हमने sjvn ने रिक्वेस्ट कि जो ½% कि cost है को जोड़ा न जाए ताकि वह टोटल कम न हो | लेकिन हम लोगो ने यह कहा कि लाडा का फण्ड है ½% देंगे | किसी और तरीके से देंगे | सरकार कहती है कि हमे तो पैसे से मतलब है | पैसा आ रहा है हमे कोई भी दिक्कत नहीं है | जो कन्सेशन,GST ½% हिमाचल प्रदेश सरकार का हिस्सा है वह उन्हें वापिस करने के लिए हमे कन्सेशन दी | इसके आलावा कुछ ऐसा होता है कि 37% लाभ होता है | प्रोजेक्ट लगने के लिए और कुछ % कन्सेशन होती है और इस केस में धोला सिद्ध के केस में 20% कन्सेशन का 80% लोन है ताकि प्रोजेक्ट cost कम रहे | ये सारे बेनिफिट देने के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार देने के बाद प्रोजेक्ट लगाती है | इसके आलावा हम CSR के सारे काम भी करते है जो मै 6 परियोजना में रह चूका हूँ उसमे से सारी परियोजना नाथपा झाखडी 1500 मेगावाट की जो हिमाचल प्रदेश में स्थित है | इसके लिए हमारी रामपुर में 412 मेघावाट कि परियोजना है | ये दोनों परियोजना अभी चल रही है और हम 1 लाख यूनिट बिजली पैदा कर चुके है | इसका REVNEW हिमाचल सरकार को आता है | 12% पॉवर हिमाचल प्रदेश सरकार से मिलती है | 1% जो बिजली का पैसा है वह सारा लोकल एरिया में डेवलपमेंट किया जाता है |

परियोजना का एक और फायदा है जिनकी जमीन जाएगी उनको AS A AGREEMENT बिजली फ्री में देनी है | जो हम देंगे ,पर ये में बता दू नाथपा झाखडी परियोजना को 17 -18 साल हो गये है पर 100 यूनिट बिजली अभी भी चल रही है और चलती रहेगी | एक बात में और बता दू जो कि E------हमे हिमाचल प्रदेश ने दी है | उसके बदले में उसको ------कम करने के लिए उसको 270 करोड़ रु.को 20 साल से 70 साल तक हिमाचल प्रदेश सरकार MU जो भी देंगे और हिमाचल प्रदेश सरकार को 3500 करोड़ रु. का फायदा होगा | क्योंकी हमने जो बिजली 12% देनी है एक हदसे के बाद वो बिजली न देके 25% बिजली हिमाचल प्रदेश सरकार को देंगे | हिमाचल प्रदेश सरकार सारा REVNEW करवाएगी जो उसके विकास के लिए कम आएगी | CA SAR में हम दो -तीन काम करते है | हेल्थ में हमारी बैन चल रही है | हम कैंप लगते है जिसमे मेडिकल ,आयुर्वेदिक दोनों कैंप लगते है | स्किल

डेवलपमेंट के हमारे प्रोग्राम है जितने भी फार्मर के लिए ट्रेनिग देते है | बच्चो को ITI करवाते है 150 स्क्लारशिप SJVN हिमाचल प्रदेश के स्कूलों में पढ़ रहे टापर के लिए 2000 रु. per month कर रहे है जो भी B.TEACH और M.B.B. कर रहे है उनको हम 2000 रु. स्कालरशिप देते है |

SJVN-12:11 To 12:20 - 2011 से आज तक आप सभी जानते है | सुजानपुर से एक बैच C.I.D के लिए गया था | लैंड सर्व के लिए आपको सुनकर भी हैरानी होगी और आप सोचगे कि ऐसा कैसे हो गया उस बैच में 40 कैंडीडेट जाने थे वो लोग उसमे 40-40 सभी परियोजना से किसी से 10 किसी से 20 किसी से 30 और हमारी परियोजना में 10 कैंडीडेट वहा पर टोटल 15 कैंडीडेट पहुंचे | मुझे आदेश आया SDM साहब से उस वक्त डारेक्ट पर्सनल थे | सारे के सारे हमीरपुर से करो | और उन 40 कैंडीडेट में से 30 कैंडीडेट सुजानपुर से गये | और जो भी दूसरा लैंड सर्वर का गया था वह टोटल ही सुजानपुर से था और आप जानते है कि हर साल सुजानपुर में दो-तीन-चार ट्रेनिग चल रही है | पिछले साल 736 कैंडीडेट बताये | तीन महीने कि ट्रेनिग भी इस रिपोर्ट मै आपकोबता दू सर पिछले साल में 500और भी थी क्योंकी पिछलें साल और उसे पिछलें मैने नही कराई क्योंकी मुझे उस का ज्ञान नही था मुझे बाद में पता लगा किसी कारण बीमार होने के कारण नही कर पाया 1736 ट्रेनिंग जो हम ने दी है! और 438के करीब आई.टी.आई. के लिए कैंडीडेट भेजे है! अभी भी हमारा बैच 25 कैंडीडेट का जा रहा है ! और 11 से लेकर 4 कैंडीडेट से बताके 40 तक पहुचे इस बार हुआ कि 25 कैंडीडेट हमें मिले मेरको जगोटा जी ने हमें बताया था की 10 women कैंडीडेट और करे मैने बात भी की अब मै सम्भव नही था की सीटे मिल पायेगी फिर भी 25 कैंडीडेट जा रहा है! और इन कैंडीडेट को जब इन्हें भेजते है आप की कोई भी पंचायत ऐसी नही बची हैं! एकचप्याडा पंचायत है जो 4-5-6 कैंडीडेट गये है उसके आलवा हर पंचायत में santh में एक सिट होती है वहा भी कवर हो जाती हैं! यहा 6-6-7-7 की सीटे जाती है ! और इसके लिए हम सारा साल दो साल की ट्रेनिंग होती है! और में आपको बता दू की जब मेरे पास है की हमें नजदीक का ही दे दो उसको coverup करने के लिए मैने 2 साल कि भी ट्रेनिंग रखी है और 200रू प्राप्ति महिना उनको सताईफन के रूप में देती ह अभी जो पालमपुर यूनिवर्सिटी में होनी है! फार्मर की जिसमें 25 women , 25 में उसका टाइटल होने पर आप को बता दिया जायेगा तो हम कैंडीडेट है हम लगातार कर रह है और जहा तक भी ट्रेनिंग ले चुके है उन में से अधिकांश लोग लगे है मैने ध्यान में अभी भी आया था कि 3 कैंडीडेट जापान में है जो ट्रेनिंग manisation के रूप में ट्रेनिंग भी ली आई. टी. आई. मंडी से जब मैने मंडी भेजे ये तो बहुत दुखी थे घरवाले भी मेरे पास पहुंचे की हमारे बच्चे इतनी दूर भेज नही सकते इसका परिणाम जो फल इसका जरुर मिलेगा 2 साल के बाद और भी कम्पलीट नही हुए थे 2 साल से पहले 2 महीने में उनकी प्लेसमेंट दी गई तो खुद लड़का मैने से मिलने आया जब जापान से होके ट्रेनिंग करके आया तो कहता की प्रमोटिट हो चूका हु तो आप सोचेंगे कि यह पर एक शका भी किसी की हम प्रोज अफ्क्तित फेमली, तक बनती है जब हम उनकी जमीन अधिग्रहणक्र लेते है हम मात्र नाम उनको प्रोजेअक्टeotated lamiti मानते है! तब जितने टर्म आते है उन को p f को अलग करके उनको भेजते हैं!

उसके आलवा पंचायत है उपंचायतो के पुरे cantedate को देखकर जमीन के अधिग्रहणके साथ हम उनको भेजते है! इसे भी बाद में ऐसानही होता तो हम ब्लोक से तहसील से बाद तो ditt से औरहम पूरी सटे से लेते हे तो आप सोचिए हमारी और से कितनी ट्रेनिंग दी जा रही तो उनको पता होगा !यह सारा ट्रेनिंग govt आई. टी. आई. में होती है और ट्रेड अनुसार ही उस जगहे पे जितना मेरा एक्सप्रेस है एक प्रधानचार्य रहते हुए मैने देखा है की जिस tiled में ज्यादाenployemant मिल सकते है तो भी आपको बता दू Eeldatsation, lilter, mancanical,moter, manicalvecal, इत्यादि आई. टी. सि. अम नी आई.टी में सबसे अच्छा ट्रेड है! ऐसे ट्रेड की ले के हम ट्रेनिग कर रहे है और इस ट्रेनिगमें p.f होने के नाते pooject facadeहोने के नाते पंचायत होने के नाते औरउस बच्चे के 32% नम्बरहै तो उसको भी वहi.t.i में गया! मैने एक बच्चे से पुच्छा कि तेरे तो 38%नंबर हैतुम जरा क्लास की औरबताओ मेरे को तो बता रहा था की सर elcotastion में ९७% नंबर है और तो 38% बच्चा वहा पर है इक बार ऐसा होता हैकी हमारे यहा से चली जाते है ओर वहा थोडा सा हमे भी दुःख होता है की वहा से चले गये है ओर वो हमे बताते ही नही अगर वो हमे बता दे की महीने के अन्दर तो इन किसी अलग बच्चे को भेज देते है तो इतना कहते हुए में उनका धन्यवाद् करता हु अभी भी हमारे कांस्लिंग नही हुए है इस बार मैने HOP से पेर्मिशन ली भी की और कांस्लिंग के बाद करेंगे में सर्र काम निपटाने के बाद जब की इसकी ट्रेंड 6 जून हो चुकी है 6 जून से कर भी रहे है आवर क्लास अगस्त में लगनी है इसी लिए इसके बाद कांस्लिंग का करने का फ़ैसला लिया धन्यवाद्

सहजकर्ता -12:21 To 12:25 : जन सुनवाई के का जी नोटीफाईड टाइम हुआ था तो हम उनके अंत में है इस वक्त आपसे निवेदन है की आप कोई और अपना सुझाव या कोई विचार इस रिपोर्ट के संबोधन के रूप में देना चाहते है कृपा आप बताये |

क्योकि कोई भी विचार सुझाव नही आ रहा है तो में S.D.M साहब से जो अध्यक्षता कर रहे है अंतिम अनुबोधन के लिए उनके रिक्वेस्ट करता हु की इन जन सुनवाई को संपन्न कर सके|

3 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत टीहरा धब्रियाना)

स्थान : ग्राम पंचायत टिहरा, तिथि-23/07/19 समय :(2:30-5:00)

सह्जकर्ता—03: 00 To 03:15 - आदरणीय उपमंडलाधिकारी जी,ग्राम पंचायत के निर्वाचित सदस्य गण,उपस्थित सभी हित कारक| प्रभावित समूह और सतलुज विधुत निगम के अधिकारी गण ,आप सभी का प्रस्तावित धौलासिद्ध विधुत परियोजना के अंतर्गत सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट के संदर्भ में आयोजित इस जनसुवाई में स्वागत है | जैसा कि आप सब जानते है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा धौलासिद्ध परियोजना ,जो सतलुज जल विधुत निगम द्वारा क्रियान्वित की जानी है के लिए भूमि को चाहा गया है 2013 में सरकार ने भूमि अधिग्रहण पुनर्वास व पुनर्स्थापन मुआवजा में पारदर्शिता अधिकार कानून बनाया जिसके तहत यह आवशयक किया गया कि भूमि अर्जन के मामले में उसके द्वारा सभी हितकारको पर पड़ने वाले सामाजिक प्रभावों का आकलन किया जायेगा | उसी उदेश्य से प्लान फाउंडेशन को जो कि एक तृतीय संगठन है ने व्यापक सर्वेक्षण के बाद यह सामाजिक प्रभाव रिपोर्ट तैयार कि है जो कि जिलाधीश कार्यालय ,उपमंडल व तहसील कार्यालय में उपलब्ध बताई गई थी और इस आशय की सूचना अख़बार में भी प्रकाशित की गई थी | आज इस जनसुवाई में आप सभी के द्वारा इस जनसुवाई में अपने विचार रख सकता है|

प्रोजेक्ट लगे है या न लगे हम केवल इस जनसुनवाई से इस रिपोर्ट के बारे में विचार आपके सामने साझा कर रहे है स रिपोर्ट के अनुसार कुछ अलग | क्षेत्रो में प्रभाव भी पड़ेगे प्रोजेक्ट के आने से आंके गए है | सबसे पहले सामाजिक प्रभाव के बारे में बात करते है सामाजिक प्रभाव में भी पाया गया कि जमीन लेने के बाद लोगो को मुआवजा मिलेगा उस मुआवजा से उन लोगो से विवाद पैदा हो सकता है जैसा कि अभी सभी का खाता अलग नही हुए है इस में किन लोगो को मुआवजा मिलेगा कौन उसका असली हक़दार है इस बात में विवाद हो सकता है परियोजना से कुछ लोगो को लाभ मिलता है और कुछ लोगो को डारेक्ट नहीं मिलता है जो दोनों को लाभ मिल रखा है या नही मिल रहा है उनके बीच भी विवाद हो सकता है इस परियोजना के | बहुत सारे लोगयहा आयेगे कार्यबल श्रर्मिक आयेगे , उस के आने से मुल्ज़ा जो हमारी परम्परा है संस्कृति है पर भी प्रभात पड़ सकता है लोगो |की कृषि भूमि का नुकसान हो सकता है जो परियोजना से प्रभावित है उन के बीच जो भूमि की सम्भावना हो सकती है इसके आलावा जो हमने एक्ट की लिस्ट है उस बारे में बात की जैसा की जमीन का नुकसान होना पानी की पाइप लाइन पंप , स्कूल, श्मशान घाट इत्यादि का नुकसान होना है आम सम्मति का नुकसान होना है और जो लोगो की इनकम है इस पर प्रभाव पडना है जैसे की हमारी कृषि है कुछ लोग उस कृषि पर निर्भर है उनका नुकसान होना है जब लोग बहार से आएंगे तो रस्ता बदलने की सम्भावना है चीजो की और जमीन की कीमते बढने की सम्भावना है ये कुछ नुकसान है जो की अनुमान लगाये है इसके आलावा भौतिक संपति का नुकसान है जिसमे है पेड़ पानी की टंकिया ,शौचालय ,रसोई घर जैसे कुछ संपतिया जा , सकती है शासनिक संस्थानो पर अधिकतर बल पड़ेगा क्योंकि बड़ी गाड़ी आएगी रोड हमारे वही जो इस वक्त है तो उन पर भी अधिक बल बन सकता है पर्यावरण के लिए नुकसान हो सकता क्योंकि डेम लगाने से आद्रता बढती है तापमान भी प्रभावित होता है स्तास्यम से हमारी सरचना है उस पर प्रभाव पड़ेगा जो हमारे स्तास्यम सेंटर है लोगो की पोपुलेशन अधिक हो तो उस पर भी दबाब पड़ सकता है ये कुछ अनुमान है जो हमने सबमिट किया है इन अनुमानों के लिए हमने कुछ सुझाव बताये है इन सुझाव से इन नुकसान को कम किया जा सकता है इस रिपोर्ट | में मिशन किया गया है की यदि लोगो के बीच विवाद हो जो की इनका असलियत हक़दार कौन है और किसको कितना मुआवजा मिलना है तो मुआवजा देने से पहले इन का ----- है वो सुझाव लिया जाना चाहिए आलमपुर व लोगी में जो दो मंदिर जा रहे है उस के लिए धन राशी उपलब्ध हो गाँव में सभी देवी देवता के लिए मंदिर है लोग उसके लिए धन राशी उपलब्ध की जाए युवक |मंडल महिला मंडल ग्राम पंचायत में प्रयोग होने वाले भवन की ,लिए मुरम्मत आवश्यक है तो उसकी मदद की जानी चाहिए इससे सामाजिक प्रमाण भी कम होते है मालिकाना पीड़ित वर्ग जैसे की सामान वर्ग के लोग है उन पर प्रमानेट कौशल को बढानें के साथसाथ स्किल डेवलोपमेंट - के लिए प्रयास किये जाने चाहिए स्ट्रीट लाइट सभी पंचायत व गाँव में अनुरोध किया जाना चाहिए पंचायत की तरफ से किया जाता है की वहां स्ट्रीट लाइट लगनी चाहिए आधारभूत सरचना की जो प्रभाव होना है इसके लिए सुझाव दिए गए है कि सभी मौसम में जो काम करे व सड़को का काम किया जाये नदी पर पुल बनाये जाये जैसे की हमीरपुर सुजानपुर पुल सकेंत मिशन मंदिर सुजानपुर व आलमपुर को जोड़ा जाये ये कुछ सुझाव थे जो परियोजना के द्वारा किये जाये उस सिस्टम को जोड़ा जाये इस क्षेत्र में जीने की अपूर्ति है उस पर कुछ प्रभाव पड़ना है तो उन नुकसान होने से पहले जो आपकी स्कीम है इन्हें दूर किया जाए और इनको अधिक किया जाये मोबाइल मेडिकल वेंन शुरू की जा सकती है जो आलरेडी चलायी जा रही है आईटीआई जैसी स्थानीय मुआवजा को बढ़ावा देने के लिए मदद की जानी चाहिए शमशान घाट जो प्रभावित हो रहे है उस बल बालिक व्यवस्था तैयार की जानी चाहिए |जिन लोगो की जमीन का नुकसान होना है उन को उचित मुआवजा दिया जाये पर्यटन की बढ़ता देने के लिए जो डेम साइट होगी उस की लोगो की रगीला जाये जो मछली पालन जैसे पर्यटन को बढावा दिया जा सके जो की स्थानीय | लोगो को आजीविकाके दस अवसर प्रदान किये जायेगे स्वयं सहायता | समहू का गठन किया जाये उन को शक्तिकरण किया जाएगा उन के कौशल व

सवर्धन आजीविका को दिया जाये परियोजना जो भी नौकरिया जाये उस में स्थानीय लोगो को तैयार कर जिनकी जमीने जा रही है जिनको फर्क पड़ना है उन को प्राथमिकता दी जाएगी पर्यावरण को ठीक करने के लिए परियोजना के द्वारा सरकारी भूमि अधिकरण किया जा सकता है इसके आलावा निजी भूमि के कटाव के लिए अधिक सवर्धन शील में वृक्ष रोपण किया जाना चाहिए इसके लिए नदी के किनारे वृक्ष रोपण,जल स्तर में वृद्धि , मानसून के दौरान भूस्खलन को भीरोकेगा शोर प्रदुषण व यातायात को कम किया जाना चाहिए भारी वाहनों को प्रोजेक्ट एरिया में आये तो टाइम संकरण किया जाये जो की किस समय में वो आएगे हॉर्न के प्रयोग में जो बड़े वाहन है उनके द्वारा संकेत निर्देश किया जाये की वो जयादा हॉर्न का प्रयोग नहीं करे सड़को व यातायात स्थिति को अनावश्यक अधिवास को बचाने के लिए पुरे दिन सामान रूप से परिवहन को नियोजित किया जाये | | ऐसा न हो की परिस्थिति कूलर टाइम से सारी गाड़ी दौडाई जाए जो उस को नियमित किया जाये कुछ प्रदूषण के लिए जहाँ पर डेमिज साइड है या तो परियोजना का क्षेत्र वो नियमित रूप होना चाहिए दैनिक साइड को दूर रखा जाये उस बात का | धयान रखा जाए उस बात का मान रखा जाये जल प्रदूषण के लिए नदी के किनारे डेमिज साइड न बने ताकि बारिश के मौसम में मालवा नदी में प्रवेश न हो निर्माण की जो सामग्री है जो रेट अन्य भडारण है वो नदी के किनारे से दूर रखा जाये जलाशय के निर्माण के लिए जो खड़ा | पानी होगा उस में मधर पैदा न हो उस में समय समय-पर धिद्कत इत्यादि किया जाये जल स्टार के कारण भूमि | की स्लाईड होने की सम्भावना है उस को रोकने के लिया आवश्यक उपाय किए जाए इसके इलावा परियोजना में अन्य उपाय है जो हर वक्त किए जाते है उसको उस में समानित किए जाते है जैसे कि लाडा लोकल एरिया डेवलपमेंट होता है (1.5 % उस परियोजना की लागत |विकास नीति है परियोजना के लिए लाडा में दी जाती है लाडा उस की लाडा के जो नियम हे उसके द्वारा के विकास के लिए सम्मलि कुछ लोगो ने रिक्वेस्ट किया है कि सर्कल एरिया में संशोधन किया जाए इसके लिए उसमे रिपोर्ट में डाला गया है कि सरकार इसके बारे में उचित निर्णय लिया जाए जब लोगो के पास आचानक अपारदर्शी रूप से पैसा आता है तो जरूरी हे कि उसके बारे में भी बताया जाए कि पैसा कहाँ प्रयोग किया जाना चाहिए कहाँ नही किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा कई बार देखा गया है कि जब पैसा आता है ऐसी कंपनिया आ जाती है उस पैसा कि इन्वेस्ट करने के लिए लालच देती है और बाद में भाग जाती है तो लोग आपने पीसा का सही इस्तेमाल कही सही तरीके से किया जाए | सुझाव है जो रिपोर्ट में शामिल किए गए कोई भी चीज़े आपने आप में पूरी नही होती है हर बार कुछ न कुछ चीज़ छुट जाती है तो आज इस जनसुवाई के दौरान हम आप लोग से इस रिपोर्ट के बारे में सुझाव मांग रहे है कि क्या कोई चीज़ छूट तो नहीं गयी है या आप का कोई विचार है जो इस में शामिल किया जाना चाहिए आप से निवेदन है कि आप अपने सुझाव व विचार हमे बताईये हम उसे रिकॉर्ड करेगे विडियो कैमरे में और इस, रिकॉर्डिंग को बिना काट के सरकार को सौप दिया जाता है | आज आप जो भी बोलेगे हम उसे सुनेगे लिखेगे जो भी आपका सुझावहोगा उसे दर्जे करेगे और फिर उसे रिकॉर्ड को सुनके जो आप ने कहा है उसे उसी तहर लिखकर सरकार को सौपेगे यह पब्लिक एरिया |का नियम है | अत आप से : निवेदन है कि कृपया आप जो भी कहे हिंदी में जरुर कहे क्योंकिजो की आप स्थानीय भाषा का इस्तेमाल करेगे तो हो सकता है कि उसे समझने में कोई गलती न हो जाए तो बोला गया है की हिंदी में बोले तो आप अपने सुझाव लिख कर भी दे सकते है इसके लिए कागज और पैन उपलब्ध है जो आप के पास दिया जायेगा जब कोई आप अपनी बात बोलेगे कृपया अपना नाम व् पंचायत का नाम जरूर कहें ये जो जनसुनवाई है आदरणीय SDM | उपस्थित में है जो इसे --- कर रहे है | ताकि ये निश्चित किया जा सके कि आपके विचार इस रिपोर्ट में उसी रूप में डाला गया है अन्यथा अगर आप को हम बात करके ही बता सकते है कि आपके मन में संशय रह जाता की ये बात कही या न कही तो क्योंकि आज MDS यहाँ हैइस जनसुवाई के इस की रिपोर्ट को दी जानी है तो इससे यह तय होता है कि आप के विचार और सुझाव उसी रूप में सम्मानित किए गए है मै SDM की अनुमति से आप के विचार व सुझावआमत्रित करता हूँ |

S.D.M 03:15 To 03:18 – पहले जो हमने बोला जी हमने ये आपको कोई असर पड़ रहा है |अगर परियोजना लगने के बाद या पहले आपको लगता है कि समाजिक जीवन आपकी आर्थिक पार आपको कोई और सुझाव देने कि आवश्कता है उसके लिए आज आकलन किया जाना है हमने रिपोर्ट तेयार कि है उसके बारे में सुझाव है इसमे बहुत सारी चीजे एसी है जो इस रिपोट से तालुक नही रखती है फिर भी आपको विचार हम सरकार के समक्ष कर देगे और सरकार इस के उपर वरेफाए कर देगी वो जरुर s.j.v.n ये विचार करेगा और सरकार भी इस के उपर विचार करेगी

पब्लिक - 03:19 To 03:21 - हम आपकी बात सुनने के लिए तैयार है इसमे सारे किसान प्रभवित होगे सबसे पहले बात है जिसमे सब जुड़े हुए है जो स्कीम अपने रखी है उसमे सरकार उन किसान को मुफ्त जमीन उपलब्द करवा सकती है जो स्कीम सुनी है व सच है,सच है तो वो गुमराह करने वाली नी है पार किसान के साथ मजाक किया गया है मेने ये सुना है 22 हजार कि कीमत

S.D.M 03:21 To 03:22 -आपकी जगह कहा पर है

पब्लिक 03:22 To 03:23 ----मेरी सड़क के किनारे............

S.D.M 03:24 To 3:28 --- में निवेदन करुगा पिछले 30 साल से तहसीलदार हूँ प्रोजेक्ट लगने से 90%लोगो को ये भी नी बता कि हमारी लैंड खड पार है और उस लैंड में कितनी कृषि होती है मेरे ज्यादा आप को भी जानते है में परसनली कि जमीन से जो साथ वाली पंचायत है वहा से लेकर आगे तक और जो धब्रियाना पंचायत निकलती है उस पुल से लेकर जो हमारे मेंन है इसकी उपर कि तरह लैंड लगती है व दूसरी तरफ ढ़ाक तो आप सब जानते है कि जो ये मीटिग है वो आपके विचार ,सुझाव सुनने के लिए रखी हुए है हमारे बोलने क्या कोई अधिकार नही है न हम सरकार के पक्ष में बोलगे ,न s.j.v.n के बारे में जो आप बोलगे वो रिपोर्ट हमे समिट करनी है

दलीपसिंह -03:32 To 3:35 --- पंचायत जोल -- जो हमरी जमीने है जिस जमीन कि हम बात कर रहे है आज तो हम देगे जमीन एक बार दी गई दोबारा वापस नही मिलती है उसकी कीमत 100 टाइम बड जाए और बड सकती है जो शहर के निकट जमने होती है बड सकती है जो जमीन खास करके बजरी कि जमीन होती है उनकी कीमते बहुत बड सकती है उसके बारे में क्यू नी सोचा 22 हजार कनाल मरला नी मिलती यहाँ , क्या बात करते अप्प |जिसकी कोई कीमत नी होती पिछले कल आज के डेट में उसकी लाखो में बड गयी है शहरों के निकट जो जमीन चली जाएगी |सवाल यह नी है कि जरूरी क्या है जरूरी ये है किसान कि जिमन सदा के लिए जाएगी उसको प्रोपर रेट मिलना चाहिए कोई ऐसा न हो कि कुछ किसान एसे भी होगे जो उस से ही जीते है किसान सभी जमीन पार जीते है जमीन के लिए व सब कुछ नझावर कर देते है जमीन का एक-2 पत्थर एक-2 कोना का महत्व होता है | पानी आ जायेगा जमीन भी दे देगे ,आप भी चले जायेगे,हम भी मर जाएगे,जो पीछे रह जायेगे उनसे जमीने छीन जाएगी उसके बारे में लोगो कभी ऐसा भी हुआ चार-2 गुना कीमत ,किसान कि इच्छा के बिना आप जमीन ले नही सकते |हम नी चाहते है कि धोलासिध बांध सबके हक में है ,देश के हक में पर ऐसा न हो जो लोग प्रभावित हो रहे है उन लोगो से मजाक न किया जाए |22 हजार कनाल कि कीमत, जमीन कि कीमत 22 हजार मरला स्वीकार नही है किसान सारे बेबस है सब दुखी है आप कह सकते है, और कोई नही कह सकता है

S.D.M ---03:36 To 3:37 –मुझे टिहरा के लोगो से बात करनी है आप आ गये सारे आप कि जमीने है आप राजे है और कोई

अजीत सिह- 03:38 To 03:40 - सर ऐसा है कि विशेष करके प्लाई जमीन है वो खड़ में पडती है उसमे खास भी होता है पशु भी चरते है सबसे बुरा असर तो पशु पालने वाले को पेड़गा ये दो तीन चीजे है जिन लोगो ने गाये,भैंस पाल रखे है उनका रोजगार वहा से ही चलता है |जमीन से घास काट रहे है ये भी जमीने आज से 25-30 साल पहले दोनों फसले हुआ करती थी अब यहा घास पैदा हुआ करता है |हम लोग पशु पालन किया करते है ये दरिया के किनारे है अगर पानी ज्यादा आता है तो वो जमीन धस जाती है जिस लेवल तक सड़क बन चुकी है हमने देखा नही है,पर सुना है वहा रजा के महल हुआ करते थे |उसी जगह पर रिहा कि जमीन हुआ करती थी|आप से निवेदन है आप उचित मुवावजा दे

S.D.M–03:39 To 03:40 --- आप लोगो क्या हित होगा आपकी पूरी रेकॉडिंग है ये रुबरु सरकार को देगे ,धन्यवाद

प्रधान - 3:41 To 03:45 –मै ग्राम पंचायत टीहरा का हु मै दूसरी बार प्रधान बना हूँ जो प्रोजेक्ट कि बात है प्रोजेक्ट लगता है बहुत अच्छी बात है इंसान को फ्यूचर के बारे में सोचना चाहिए बच्चे के फ्यूचर के बारे में सोचना चाहिय|आने वाले पीड़ियो के बारे में सोचना चाहिए प्रोजेक्ट लगने से फायदे ही फायदे है नुकसान बहुत है जिनकी जमीन जा रही है सरकार से चाहुगा कि जो सही कीमते है मिले, प्रोजेक्ट लगे |दूसरा यह है कि प्रोजेक्ट से फरक पड़ता है क्यूकि लोग कहते है कि प्रोजेक्ट लगता है वहा धुल ही धुल रहती है धुप नही आती | तो में प्रोजेक्ट से पूछना चाहता हूँ कि ऐसा होता है कि नही होता है |जो effcted पंचायत है distt काँगड़ा व distt हमीरपुर की, उन बच्चो को नोकरी मिलनी चाहिए मेरिट बेस के उपर मिलनी चाहिए ताकि वो अपना व परिवार का जीवन सूधार सके | धन्यवाद

सहजकर्ता 03:46 To 03:47 -कोई और आपके सुझाव विचार ये कुछ कॉपी है जिसमे सार दिया हुआ है

पब्लिक--03:48 To 03:49 --- मेरी जमीन जा रही है रेट कम दिया जा रहा है

मनोहर लाल 03:50 To 03:52 – पंचायत जोल गदाव्री कि वजह से लोगों को बहुत प्रोब्लम है में आप लोगों से रिक्वेस्ट करुगा कि गदाव्री 6 महिने के बाद फसल के ऊपर कि जाए ! मेरी जमीन लग रही है धन्यवाद

सहजकर्ता 03:53 To 03:55 : अध्यक्ष कि अनुमति से कियुंकि और कोई विचार नही आ रहा है तो आज कि जनसुनवाई को समाप्न कि और ले जाते है! धन्यवाद

4 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत जोल (बिड भगेडा)

स्थान : ग्राम पंचायत ,जोल तिथि-24/07/19 समय :(10:00-2:00)

सहज्कर्ता: 10:00 To 10:10 : आदरणीय उपमंडलाधिकारी जी,ग्राम पंचायत के निर्वाचित सदस्य गण,उपस्थित सभी हित कारक| प्रभावित समूह और सतलुज विधुत निगम के अधिकारी गण ,आप सभी का प्रस्तावित धौलासिद्ध विधुत परियोजना के अंतर्गत सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट के संदर्भ में आयोजित इस जनसुवाई में स्वागत है |

जैसा कि आप सब जानते है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा धौलासिद्ध परियोजना ,जो सतलुज जल विधुत निगम द्वारा क्रियान्वित की जानी है के लिए भूमि को चाहा गया है 2013 में सरकार ने भूमि अधिग्रहण पुनर्वास व पुनर्स्थापन मुआवजा में पारदर्शिता अधिकार कानून बनाया जिसके तहत यह आवशयक किया गया कि भूमि अर्जन के मामले में उसके द्वारा सभी हितकारको पर पड़ने वाले सामाजिक प्रभावों का आकलन किया जायेगा | उसी उदेश्य से प्लान फाउंडेशन को जो कि एक तृतीय संगठन है ने व्यापक सर्वेक्षण के बाद यह सामाजिक प्रभाव रिपोर्ट तैयार कि है जो कि जिलाधीश कार्यालय ,उपमंडल व तहसील कार्यालय में उपलब्ध बताई गई थी और इस आशय की सूचना अख़बार में भी प्रकाशित की गई थी | आज इस जनसुवाई में आप सभी के द्वारा इस जनसुवाई में अपने विचार रख सकता है| **SDM -00:15-** मै आप सभी का यहाँ पर आने पर स्वागत करता हूँ अब बोलने का काम शुरू है | मुझे पता है आप लोग काम करते है | यह 11 बजे का समय इसलिए रखा है क्योकि हमारे साथ यह बहाना न लगाये कि हम व्यस्त थे | सुबह 5 बजे चले जाते है खेत | जैसा कि प्रोजेक्ट के सभी लोगो ने आपको यह बोला है कि धोलासिद्ध परियोजना जो लग रही है | SJVN द्वारा लगाई जा रही है | आज हम किसी ओर चीज की चर्चा नहीं कर रहे है | हम यह कह रहे है कि प्रोजेक्ट लगने से हमे क्या फायदा होगा और इससे लोगो पर क्या प्रभाव पड़ेगा | हमने एक कोशिश की हमने एक कंपनी से सर्वे करवाया कि इस परियोजना से लगने से क्या हो सकता है क्या नहीं | आप हमे बताए हम SJVN से प्रार्थना करते है कि उन्हें क्या -क्या करना चाहिए | लोगो कि भलाई के लिए अगर आपके मन में भी कोई अच्छा सुझाव है | दो हमे दे हम उसे रिकॉर्ड करेगे और इस रिपोर्ट में ऐड करके और यह रिपोर्ट 5 तारीख को सरकार को जानी है वैसा का वैसा सुझाव आपका सरकार को सौंप दिया जायेगा |

पब्लिक-10:21 To 10:25 -मै SDM साहब का धन्यवाद करता हूँ और यहाँ पर आए SJVN के अधिकारी उनका भी धन्यवाद करता हूँ | मै एक्स सर्विस में ट्रक यूनियन का प्रधान हूँ और 20 साल से हूँ और जो हमारा ट्रक यूनियन का ऑफिस है | वह बिल्कुल खड के पास है और उसके लिए मैने कुछ लाइने लिखी है जो कि मै SDM साहब को दूंगा | और आप इस एक्शन लेगे | अगर हमारी 5 मरला जमींन है हमे उस जमीन की 5 मरला जमींन चाहिए कि मकान तो चला जायेगा तो जो हमारी 5 मरला जमीन जाएगी तो हमे सरकार वह 5 मरला दे इसमे लिखा खसरा न. 109 में 5 मरला ताकि यूनियन जो है कही ओर बना दे | ये हमने साहब से प्रार्थना कि है और इसके लिए हमे यह चाहते है कि डैम के जो अफसर है और SDM साहब है इस पर जरुर कार्यवाही करे 90 आदमी की बात मेरे अकेले की बात नहीं है मै 20 साल से यहाँ पर रहा हूँ और इनकी सेवा करता हूँ | मै आपसे यही प्रार्थना करूंगा धन्यवाद |

सहजकर्ता -10:25 To 10:26- महिलाओं में से कोई अपने विचार रखना चाहे |

पब्लिक-10:27 To 10:33 -ग्राम पंचायत जोल गाँव पलाही सर हमारे 5-6 घर ऐसे है जो डैम में जा रहे है | सारी घासनी खत्म हो जाएगी | हम क्या करेगे कहा जाए | हमारे पशु कहा जायेगे | ऐसा काम किया जाए जिससे हमे फायदा हो धन्यवाद|मेरा नाम बिहारी लाल है पंचायत जोल सर हमारे 5-6 घर है एक ही परिवार के है जो भूमिहीन होने जा रहे है उनके लिए जो जमीन जा रही है यहाँ पर पहले हमारे बुजुर्गो के घर हुआ करते थे | अभी जो जमीन पानी में बह चुकी है तो घर हमारे उपर बने है लेकिन अब हमारे पास कोई भूमि नहीं है तो आपने बोला कि 22 हजार या 21 हजार कनाल दी जोकि पानी में आ गयी है | मै चाहता हूँ कि हमे पैसे नहीं चाहिए | हमे भूमि मिलनी चाहिए बस मै इतना कहना चाहती हूँ|

सहजकर्ता -10:34 To 10:35-किसी ओर ने कुछ कहना हो तो बोलो |

पब्लिक-10:37 TO 10:42 - यह प्रोजेक्ट लगने से किसी को कोई नुकसान नहीं होने वाला है | जिनकी ज्यादा जमीन जा रही है उनको दिक्कत है और जो भूमिहीन हो रहे है उनको भी दिक्कत है उनके साथ थोडा सा नियम किया जाए | बाकि जो प्रोजेक्ट है प्रोजेक्ट लगने से जिन लोगो फायदा होगा वह पढ़े लिखे को फायदा होगा | जो अनपढ़ है उन्हें कोई फायदा नहीं होगा | वहा पर सभी को छोटे-छोटे काम के पोस्ट नहीं दी जाएगी | लेकिन अपने

पास स्किल ले के जायेगे | जिनके बच्चे यहाँ है उनको ट्रेनिग दी जा रही है जो ITI का कोर्स कर रहे है | हम जो SDM साहब आपसे से प्रार्थना कर रहे है | इस इलाके में अगर प्रोजेक्ट लग रहा है | आपको बहुत फायदा होने वाला है और उन फायदों को लेने के लिए आपको जरूरत है इन साहब को जरूरत नहीं है | जितने लोग यहाँ बैठे है उनको सबको फायदा होने वाला है | हमारे सोचने से फायदा नहीं होता हम अगर कोई एक्शन लेते है तो उस चीज से हमे फायदा है अगर आपने बढिया करना है तो वह आपको करना पड़ेगा | अगर हमने बढिया चीज को लेना है | दूसरी बात ओर है जब भीड़ होती है तो हेल्थ चेंज बहुत आते है लोगो को हेल्थ चेंज के बारे में पता नहीं है क्या होता है 90% लोगो को डाईवीटज है जिनको पता ही नहीं है की डाईवीटज होती क्या है BP हाई है उन लोगो का ब्लड गढ़ा है उनको पता नहीं है क्या करना हम उसके बारे में जानते है मुझे सब कुछ पता है सारे लोग एक कपलीट नहीं होते एक टीम कम्प्लीट होती है | अगर हम 10 लोगो को कपलीट होंगे | एक अकेला आदमी कम्प्लीट नहीं होता है तो SDM साहब ने जो सुझाव रखे है | जिन लोगो को ज्यादा दिक्कत है वह मिल भी सकते है | हर समस्या को हल करना हमारी जिम्मेवारी है जो लोग इफेकटिट हो रहे उनका भी ध्यान रखा जायेगा धन्यवाद |

सहजकर्ता -10:43 To 10:46 - इस रिपोर्ट में क्या डाला गया है जो में आपको नहीं बता पाया कि व्यक्ति साक्षरता को लेकर परियोजना के द्वारा इस क्षेत्र में कैंप लगाने प्रस्तावित होने चाहिए | यह डिमांड भी डाली गई है क्योकि जब हमे मान लीजिए जब आपको मुआवजा मिलता है तो कई बार हम गलत निवेश कर लेते है | कई कंपनिया आती है | यह इस रिपोर्ट में एक ऐसा है कि व्यक्ति साक्षरता के बारे में जागरूक किया जाए | जहा तक आपने हेल्थ कि बात कि है हर जगह उसका भी विकास होना चाहिए |

पब्लिक-10:48 To 10:50 - सर जैसे कि आप बोल रहे है उनको जॉब देंगे | आपसे मेरी प्रार्थना है कि सरकार से कि ऐसे बहुत से लोग है जो कि बहुत ज्यादा गरीब है और उनके बच्चे जो है प्राईवेट जॉब में है जो यहाँ भी मिल जाती है 5000 या 10000 में तो कोशिश कि जाये उनको govt job दी जाए | बच्चे पढ़े लिखे है जो पहला हक वह हमारा ही होना चाहिए धन्यवाद |

SJVN-10:52 To 10:55 - मेरी बहन ने जो अभी बात कही है जॉब कि अपनी बहन को बताना चाहता हूँ कि हमारा जो MOV हुआ है | उसमे यह लिखा गया है कि 100% जॉब जो है जो भी रोजगार पैदा होंगे जो लैंड से रिलेटिड है उनको पहले जॉब दी जाएगी | यहाँ हमारे MOV में साईन है | यह घोषित हो चूका है कि जिन लोगो कि जर्मीन जायेगी उनको सबसे पहले जॉब दी जाएगी |

पब्लिक-10:56 To 10:57- सर इसमे ऐसा तो नहीं है कि जिसने ITI की है या कोई कोर्स किया है उसे ही जॉब मिलेगी |

SJVN-10:58 To 11:04- बहन जो हम ITI करा रहे है तो बेसिकली हम लोगो को रोजगार देते है | जिनको हमने ITI कराई है पका नहीं है कि हम उनको रोजगार देंगे | जैसे रोजगार में ओर कुछ पोसटे निकलती है | जैसे डाटा ओपरेटर है उसके लिए कंप्यूटर बहुत जरूरी है क्योकि यह भारत सरकार और राज्य सरकार कि मांग है |

सहजकर्ता -11:05 To 11:07 - कृपया आप में से किसी ओर को अपना कुछ सुझाव देना है | यदि नहीं तो सर की अनुमति से इस जनसुनवाई को विराम देता हूँ | जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत आलमपुर सकोह जांगल

5 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत टिपरी

स्थान : ग्राम पंचायत ,टिपरी तिथि-24/07/19 समय :(11:00-3:00)

सहजकर्ता —11:00 To 11:10 - आदरणीय उपमंडलाधिकारी जी,ग्राम पंचायत के निर्वाचित सदस्य गण,उपस्थित सभी हित कारक| प्रभावित समूह और सतलुज विधुत निगम के अधिकारी गण ,आप सभी का प्रस्तावित धौलासिद्ध विधुत परियोजना के अंतर्गत सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट के संदर्भ में आयोजित इस जनसुवाई में स्वागत है |

जैसा कि आप सब जानते है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा धौलासिद्ध परियोजना ,जो सतलुज जल विधुत निगम द्वारा क्रियान्वित की जानी है के लिए भूमि को चाहा गया है 2013 में सरकार ने भूमि अधिग्रहण पुनर्वास व पुनर्स्थापन मुआवजा में पारदर्शिता अधिकार कानून बनाया जिसके तहत यह आवशयक किया गया कि भूमि अर्जन के मामले में उसके द्वारा सभी हितकारको पर पड़ने वाले सामाजिक प्रभावों का आकलन किया जायेगा | उसी उदेश्य से प्लान फाउंडेशन को जो कि एक तृतीय संगठन है ने व्यापक सर्वेक्षण के बाद यह सामाजिक प्रभाव रिपोर्ट तैयार कि है जो कि जिलाधीश कार्यालय ,उपमंडल व तहसील कार्यालय में उपलब्ध बताई गई थी और इस आशय की सूचना अख़बार में भी प्रकाशित की गई थी | आज इस जनसुवाई में आप सभी के द्वारा इस जनसुवाई में अपने विचार रख सकता है|

सहजकर्ता --11:00 To 11:20 - आज की इस जनसुनवाई में आपका स्वागत है ,इस रिपोर्ट में वह प्रभाव अभी हमने दिए है,उसका में आपको विवरण देता हूँ |ये जो परियोजना है उसके बारे में आपको बता देता हूँ |धोलासिध जल विधुत परियोजना जो व्यास नदी पर आ रही है,जो दो distt को इफ़ेक्ट करगी |हमीपुर distt व कांगड़ा distt. इसकी कॉमपेस्टी 66 (मेगावाट)है और जो प्रभाव इस प्रोजेक्ट के पड़ेगे वो posstive और negvtive भी होगा|

पहले में आपको negvtive प्रभाव के बारे में जो हमने जाना है वो में आपको बता देता हूँ| परभावित लोगो को मुआवजा मिलना है उन लोगो में टाईटल का विवाद है तो उस विवाद को सलव किया जाए |जो असली टाइटल latter उसी को मुवाजा मिलना है इसके अलवा प्रोजेक्ट की दोरान माईग्रेशंन की सभावना होगी,इससे जो हमारा समाजिक ढ़ाचा है उस पर प्रभाव पड़ेगा| इसके अलवा कृषी भूमि को नुकसान होगा,जो हमारे प्रोजेक्ट इफ़ेक्ट family है उनको भूमि हीनता हो सकती है ,और कुछ लोगो को आश्रय ,घर जा रहे है |सर्वजनिक सुविधा जैसे -घराट,पानी की पाईप लाइन,पंप घर,स्कुल,शमशान

घाट इत्यादी का नुकसान हो रहा है| आम सम्पति का नुकसान भी ही रहा है ,कृषी आय का नुकसान होगा | प्रतिकार के करण paf (project affcted family)के पास बहुत अधिक पैसा आयेगा |तो उसमे found miss magment भी हो सकता है |जब बहुत जयादा पैसे किसी के पास आता है तो उसमे found miss magment का रिस्क रहता है क्यूकि उस found को किस तरह से मुवलाईज किया जाए |पेड़ ,पानी की टंकी,शोचालय,रसोई जैसे निजी सम्पतियो का नुकसान हो रहा है, मोजुदा ढ़ाचे जैसे p.h.c हमारे होते हो जो, प्राइमरी सेंटर होता है जो शिक्षा के संस्थान है इसमे बाहर से लोग अएगे तो जो हमारा p.H.C होता है जो 3000 लोगो के लिए P.H.C center डीजाइन होता है जब वहा पर १०००० लग वहा पर आएगे,तो इसकी कोम्पेस्टी बदने की आवश्कता पड़ेगी वह उन सब लोगो को सहन नही कर सकता| तो यह भी एक प्रभाव है

प्रभावित गाँव व पड़ोसी क्षेत्रो में रहने वालो के लिए चारा व जलाऊ लकड़ी जो जंगल में पेड़ है उसका भी पर्भाव पड़ेगा | जलाश्य के निर्माण के आद्रता में वृद्धि होगी | निर्माण गतिविदिया व उत्खनन के करण जल,वायु प्रदुषण होगा| प्रदुषण बदने से जन जीवन बदने में खतरा होगा| ट्रफिक में वृद्धि होगी भारी वाहन का आगमन होगा,स्थनीय व ग्रामीण प्रवासीयो के बिच समन्धित विवाद होने की आवश्कता है

इ- माईग्रेशान के करण समाजिक सुरक्षा व भावना की कमी आ सकती है |अब कुछ posstive effcet जो है इस प्रोजेक्ट से होगा |जब बाहर लोगो आएगे तो जो स्थानीय फ़ूड ,चीजो की ,दूध की ,सब्जी की,वो सब लोगो का विकास होगा |आज की डेट में 1 हजार लिटर दूध है तो वह 5 हजार लीटर होगा |दुकानों का रेट बड़ेगा ,जब वहा लेबर आएगी तो ढाबो का खाना ज्यादा लगेगा |इसके आलावा प्रोजेक्ट में ईम्लीमेंट जनरेशन होगी जैसे टमप्रेरी व परमामेंट निर्माण जब शुरू होगा तो उसमे ठेकेदार होगे ,खुदाई होगी ,बहुत सारा काम निकलेगा , इसमे s.j.v.n वसे भी जो effcated एरिया को ही देखती है|सबसे पहले जिन लोगो की जमीन जा रही है उन लोगो को ,सबसे ज्यादा लाभ मिलता है |अगर वहा से पुरे लोग नही हो पाते है तो प्रोजेक्ट effcated पंचायत को देखा जाता है| वहा के बाद भी नही हो पाता है तो distt के लोगो को देखा जाता है,इस तरह से emplyment जो प्रोजेक्ट में लगेगा ,जो ईटीग्रेट emplyment जनरेट होगी उसका भी एक posstive impected पड़ेगा|

जैसे ही प्रोजेक्ट लगेगा पुरे गाँव का विकास होगा| सडके नई बनेगी, नई सुविधाए होगी आस-पास की भूमि की कीमते बडेगी |जो मेने आपको negtive empecet बताये उस के बरे में हमने कुछ श्मन में उपाए लिए है जो इस रिपोर्ट में है| जब किसी की भूमि जाती है तो वेल्यु समझ में आ जाती है इसी तरह से उसको मिनिवाइज किया जाए| उसके बारे में हमे इस रिपोर्ट में बताया गया है जो कुछ सुझाव डाले है,

यदि किसी हितकारको के बारे में विवाद होता है तो उस विवाद को हल किया जाए| और ये सुनिशचित किया जाए की कानून मालिक जमीन का कौन है |आलम गाँव व लगनी गाँव में दो मंदिर जा रहे है| उन दो लोगो को स्थापित करने की राशी पर्दान की जाए यदि किसी का स्थनीय मंदिर जाता है तो तो उसकी भी राशी प्रदान की जाए|

परियोजना क्षेत्र में सभी गाँव पंचायत में समुदायक भवनों का निर्माण किया जाए|पंचायत में समुदायक भवन है उसकी मुरमत की जाए|महिला मण्डल,युवा मण्डल,ग्राम पंचायत के कार्यलय को नयन किया जाए| महिला व पिछले वर्ग जिसे समान वर्ग को कोशल भता दिया जाए |परियोजना प्रभावित लोगो को,परिवार को बजाये मूल्य प्रतिकार इससे पहले दरो को अनुरोध किया है की अगर यहा पर रेट कम है इसको भी हमने रिपोट में डाला है

इसके आलावा पुरे पंचायत को स्टेट लाईट की सुविधा डी जाए| खेलो को बदावा दिया जाए व खेल परिसर बनाया जाए और कुछ भी हमने सुझाव दिए है ,पंचायत को सडके,नदी पर अगर पुल है तो व प्रोजेक्ट के करण वह डूब रहे है तो नए पुलों का निर्माण किया जाए ताकि लोगो को आने जाने में कोई प्रोब्लम ना आए

ट्रेनर सिस्टिम प्रोवाइड किया जाए पानी को निकलने के लिए ,पीने के पानी की फसिलिटी है, अगर जैसे i.p.h के स्ट्रेक्चर इसमे जा रहे है तो उसके लिए आलटरनेट पॉइंट किया जाए| स्वास्थ्य सुविधाए दी जाए ,स्कुल का प्रवधान किया जाए,इस परियोजना में शमशान घाट भी जा रहे है, उनके बदले उपयुक्त जगह पर शमशान घाट दिया जाए |परियटन को बदावा देने की लिए क्यूकि धोलासिध प्रोजेक्ट लगने के बाद पानी आयेगा तो यहा वाटर सपोर्ट ,परीयटन के लिए आदभुत बन सकता है यहा से परीयटन से भी यहा लोगो को रोजगार मिल सकता है |

मझली पालन की प्रिमिशन दिया जाए इस डैम में हमने इस रिपोर्ट में डाला है सयम सहायता समूह का गठन किया जाए ताकि गाँव की ओरत व महिला है हमारी उनको इकठा करके उनको आय का साधन दिया जाए |आय बड़ाने के लिए skil delpment है,जिनके पास नही है उनकी skil को बदोतरी की जाए

परियोजना में जो एफ्फेक्टेड पंचायत है एफ्फेक्टेड परिवार है इसको परियोजना में इम्प्लीमेंट डी जाए |इसके आलावा हमने वतावरण में प्रभाव पड़ेगे उसमे कुछ सुझाव दिए है जैसे कि वनीकर्ण किया जाए ,धवनि प्रदुषण जो बड़ी गाड़ी है उसका आगमन होगा इस सडक में धुल व शोर अधिक होगा,आम आदमी के लिए इसमे कुछ हमे सुझाव दिया है इस रिपोर्ट में जो समय है वह निश्चित किया जाए| जो प्रेशर हॉर्न होते है उसको मिनिवाज किया जाए और उसके लिए स्ट्रीक रुल बनाया जाए|ज्यादा हार्न का इस्तमाल ना किया जाए | इसके आलावा वायु प्रदुषण को रोकने के लिए स्प्रे करने की प्रस्तावना दी गई है |Rjievell बनने के बाद पानी खड़ा रहेगा तो खड़े पानी में मच्छर इत्यादी पैदा होगे खड़े पानी में कोई बीमारी ना हो इसके लिए छिडकाव किया जाए ताकि बीमारी ना हो |इसके आलावा और एक प्रोब्लम आ सकती है|Rijevell बनने के बाद जो एरिया लगता है वहा पर लैंड सलाईड बनने की सभावना आ जाती है |इसके लिए भी हमने विचार इसमे दिए गए है

मेरा आपसे अनुरोध है की जो अज्ज की यह जनसुनवाई है यह विडियो रिकॉर्ड की जा रही है |आपके जितने भी सुझाव है अगर कोई प्रोब्लम है आज हम इसी रूप में विडियो रकोडिंग की जाएगी |इसके बाद इसको लिखगे आप के ही शब्दों में जो बाद में हम सरकार को देगे |लोगो की ये-2 आपति है जो इस रिपोट में शामिल की जा सके |

मेरा आपसे अनुरोध है की जितने भी मैने बताये इसके आलावा आपको लगता है की और कुछ प्रभाव आप लोगो को होगा |यदि आपको कोई शिकायत है तो अपना सुझाव दे|आप हमे मखिक,लिखित रूप में बता सकते है,अगर किसको लिखके देना है तो हम पेपर व पैन प्रोवाईड कर देते है ,अगर किसी को बोलना है तो कृप्या करके कैमरा के सामने बोल सकते है

धन्यवाद

जय चन्द -11:20 To 11:30 - परम आदनीय हमारे प्रशानिक अधिकारी S.D.M महोदय और सभी ग्राम वासी व प्रोजेक्ट के H.O.D R.K जलोटा जी और विराल जी (प्लान फाउंडेशन)के अधिकारी व साथ में आये कर्मचारी वर्ग और स्थानीय जनता ,

मेरे बहुत सारे पॉइंट मेरी और जनता की और से और कुछ खामिया रही है उनको भी प्रस्तुत करना चाहता हू और हमारे यहा प्रशानिक अधिकारी यहा पर अभी मजूद है वो भी सुनेगे,अभी मेने यह रिपोर्ट शिमला भी भेजी है,और में आपके समाने रख देना चाहता हूँ |

पहले मेने तो पुरे इलाके के बारे में दिया था |पहले वह कॉपी मैंने S.J.V.N को दे रखी है| अभी मैंने महोदय जी के सामने रिपोर्ट भेजी है|जो बुली गाँव की तरफ से भेजी है

क्यूकि हमारे distt कागड़ा के प्रभावित गाँव बुली गाँव है इसमे बहुत सारी समस्या आने का अन्देषा है |अगर प्रोजेक्ट लगता है तो धोलासिध तो इसमे पानी का लेवल लगभग जमीन के 10 से 15 फुट के बिच में रहना है |तो लोगो को इनकी समस्या आनी है ये सब लोग इस चीज को जानते है |हमारा गाँव बुली काँगड़ा का ऐसा गाँव है जो धोलासिध बांध के निकट व्यास नदी गाँव में बसा हुआ है|s.j.v.n ने सर्वे के दोरान जो येलो स्टोर लगा रखे है उससे पता चलता है की 10-15 फुट के निचे पानी का जल स्तर रहना है |जिसे लोगो का जीवन मुश्किल रहेगा

महोदय जी सबसे ज्यादा गाँव बुली ही हो रहा है और सबसे ज्यादा दुर्दशा बुली गाँव की ही होगी

धुल से सारा जीवन बेहाल होगा

ज्यादा सी ज्यादा उपजाऊ भूमि बांध में समा जाएगी |

इस गाँव में लोगो के पास उपजाऊ भूमि , किसी की पास 3 कनाल ,किसी के पास 4 कनाल, 5 कानाल बाकि बचेगी |जिससे परिवार का पालन पोषण हो पाना मुश्किल होगा

इस परियोजना को नीव रखे हुए लगभग 12 साल हो गये है आज तक सरकार ने व s.j.v.n ने अतिम रूप नही दे पाए है और कह रहे है की हमने बहुत पैसा खर्च कर चुके है| अब बांध की स्थिति में नही है |इस बात की सजा जनता को क्यू दी जा रही है

इस प्रकार के अन्य बाधों पर निजी जमीन की कीमते जो कुछ हमारे पास आकड़े आए है 75 हजार रूपये प्रति मरला तक दी गई है और कोई जगह पर बेघर हो चुके है |उनकी सुनने वाला कोई नही है ,और कोई जगह पर बेघर हो चुके है उनकी सुनने वाला कोई नही है महोदय आने वाले समय में बहुत सारे लोग को बीमारिया ,रात दिन का भय जीवन जीना का खतरा लगना ,हर पल जीवन जीने के साए पर होगा |तो गाँव को जबर दस्ती साइन करने के लिए मजबूर क्यू किया जा रहा है |आगे आप से निवेदन यह है ही की सरकार को अगर बांध लगाना ही है तो जो इस परियोजना से परिवार का पालन पोषण हो पाना मुश्किल है

आगे आप लोगो से निवेदन यह है की अगर सरकार को बांध लगना ही है तो जो इस बांध से सबसे ज्यादा प्रभावित होगे उनको सर्कल रेट को आधार मान कर मुवावजा दी जाए |यदि s.j.v.n मुवावजा देने से अस्मथ है तो सरकार लोग हित में फणडिंग करके मुआवजा दे| जितने भूमि सरकार अधिग्रहण कर रही है उतनी भूमि अलग -2 रूप में साथ लगते घरो से लोगो के नाम पंजीकृत की जाए

एक दूसरा latter है जो पंचायत के नाम से भी आया है एक बात भी जैसे हमारा बुली गाँव है इससे चोकी से वाया टपरी बुली रोड जाता है| इस रोड को आगे बडते हुए जो डैम लग रहा है हमारा अगर परियोजना लग जाती है हमारे रोड काम किया जाए |यह मेरी अहम माग है जब भी ये लगता है |लोगो की तकलीफे को पूरा ध्यान दिया जाए |सरकार से हमारी रिस्वेट है |

बाकि में ज्यादा ना बोलते हुए अपनी वाणी को बंद करता हूँ

जय हिन्द ,जय हिमाचल

दलीप कुमार राणा -11:30 To 11:40 -- गाँव बुली ,ग्राम पंचायत टपरी परम अद्नीय उपमंडल अधिकारी,विधान सबा क्षेत्र ज्वालामुखी और धोलासिध हाईडल पॉवर प्रोजेक्ट एरिया मनेजेर श्री जलोटा जी हमारे रिटायर S.D.M साहब चोहान जी और धोलासिध अधिकारी कमचारी वर्ग ,व S.I.A के अधिकारी वर्ग और मेरी टिपरी पंचायत की प्रभुद जनता धोलासिध से प्रभावित गाँव के निवासी,महोदय सर्वप्रथम आपका ध्यान S.D.M ज्वालामुखी की माध्यम आकर्षित करना चाहता हूँ s.j.v.n के द्वारा,महोदय जब ये प्रोजेक्ट बनने लगा तो इसकी नीव 2002 में रखी गई |और यह उस वक्त धोलासिध हैडल पॉवर प्रोजेक्ट की नीव केवल 6 मेगावाट के आधार पर र्की गई परन्तु यह कुछ समय के बाद ये में अखबारे की जानकारी दे रहा हूँ मेने धोलासिध हैडल पॉवर प्रोजेक्ट के महाप्रधाक प्रचारक हमीपुर s.i.a जगोता सहब से भी मैने बात की थी उस वक्त धोलासिध हैडल पॉवर प्रोजेक्ट की इस वक्त की कस्ट है 790 करोड़ अकी गई है ये आगे भी आ सकती है और पीछे भी जा सकती है और इस धोलासिध हैडल पॉवर प्रोजेक्ट के उपर 338 हेक्टेयर भूमि प्रभावित होगी| 338 हेक्टेयर भूमि में से 252

हेक्टेयर भूमि जो अपनी है 28 हेक्टेयर भूमि जो वो हमारी सरकार की भूमि है जिसको हम मालिकाना हक भूमि को मानते है 52 हेक्टेयर भूमि है जो वह सरकारी भूमि है| एसे कोई बांध है धोलासिध बांध है, एशि के साथ सारी भूमि 338 करोड़ हेक्टेयर भूमि बनती है |ये मेरा अपना सर्वे है में धोलासिध हैडल पॉवर प्रोजेक्ट का प्रभावित परिवार का persent हूँ ये मेरी अपनी जानकारी है और इसमे 18 पंचायत और भी प्रभावित है महोदय 44 गाँव इसमे प्रभावित हो रहे है| इसमें से गाँव हमीरपुर के है और कुछ जिला कांगड़ा के है |

महोदय इन सारी धोलासिद्ध प्रोजेक्ट 338 हक्टेयर भूमि से उपर चली जाएगी परन्तु सबसे ज्यादा प्रभावित गाँव बुली है मै वहा का निवास हूँ मेरा यह जन्मसिद्ध अधिकार है |में उस कर्म भूमि को जन्म भूमि को सुरक्षित रख सकू |महोदय मेरा पिछली बार s.d.m आए थे आजकल वह हमीरपुर में है और यह हमारे नये उपमंडल अधिकारी आए है |में उन से फिर निवेदन करता हूँ मेरा टोटल का टोटल गाँव प्रभावित हो रहा है|हम विस्तापित हो रहे है सडके बरबाद हो रही है हमारी सारी उपजाऊ भूमि जा रही है केवल मात्र मेरे प्रवक्ता ने बताया कि 1 व 2 कनाल भूमि बचेगी

बल्कि सारी की सारी भूमि बांध मे चले जाएगी ! हमारा ये विरोध नही है की बांध न बने बांध बने परंतु इसके लिए हमारे सर्कल रेट डी सी मेहरा कांगड़ा संदीप कुमार मेहरा ने आज से 2 साल पहले इसका सर्कल रेट डिसाइड किया था हमे दिया जाए !6 लाख प्रति कनाल ये 2 साल फले की बात है हम तो टोटल के टोटल विस्थापित हो गए है~! महोदय मेरे एक भाई ने बताया की लोंगनी गावका एक मंदिर जा रहा है लोंगनी गाव का मंदिर उसके सटाटिंग के साथ लगा हुआ है !जब यह मंदिर ही चला ज्ञ तो गाँव कहाँ बचेगा !तीन गाँव बिलकुल प्रभावित है दो हमीरपुर distt. के लोंगनी ओर भलेयु ओर एक बुली गाँव के distt कांगड़ा के टोटल 44 गाँव है 14 गाँव जो है वो हमारे है कांगड़ा के 30 गाँव जो है distt हमीरपुर के है ! महोदय जी बुरा हल है हमारा हम वेघर हो जाएगे ! हमारा केवल मात्र अनुरोध यह है की धोलसिद्ध sjvnl कोंपनी मे अपना कम करेगी ! सर आज तक पोंग बांध के स्थ्पितों का भी कुछ नही हुआ आज तक महोदय हम खान जाएगे ! मेरे पूर्व प्रवक्ता ने कहा की अगर एसी ही बात है तो हमारी जो उपजाऊ भूमी है उसके बदल मे distt हमीरपुर मे जमीन चाहिए !हमारी जमीन को मुफ़त मे ले लो !अगर हमारी भिमी लेनी है तो 10 लाख प्रति कनाल प्रति पेसे दिये जाए ! अगर आप के पास पैसे नही है तो सरकार उसका प्रबंध करे ! नही तो हम सड़क मे आ जाएगे !हमारा ये बिलकुल लॉस है हम एस बांध को लाग्ने नही देगे ! बांध लगे पर जो हक है वीएच हमे मिले ! उसका हमे उचित मुववजा दिया जाए ! हम कहा जाएगे ! आलमपुर वाले को कोई फर्क नही पड़ता ! महोदयाsdm हमारे नजदीक के आदमी है केवल एस बंद के ऊपर 4 सबडिविजन प्रभावित हो रहे है कांगड़ा का एक ज्वालामुखी व दूसरा जैसिंघपुर हमीरपुर के दो सुजानपुर नादौन की भी एक पंचायत है !जैसे ज्वालामुखी की भी एक पंचायत है एक टीपरी ओर नादौन की भी एक पंचायत है चोरु चोरु गाँव मे केवल मात्र घर है ! ओर वो घर भी प्रभावित है कुछ लोगों ने भी उस भूमि को अपनी ओर खींच रखा है !परंतु यह हमारी जीम्मेवारी नही है ! जिन लोगो ने दे दी वो उनकी जिम्मेवारी है ! परंतु उन लोगों को एस से भी कोई फर्क नही पड़ता ! मेरे गाँव के 54 वेघर हो जाएगे ! मेरे आपसे प्रार्थना है की मे पत्र के माध्यम से ,मीडिया के माध्यम से महोदया भारत सरकार ,हिमाचल प्रदेश को निवेदन किया है की ओर मेरे को भी पत्र आया है ! तो महोदय केवल मात्र बुलली गाँव के लिए प्रार्थना है की हम 18 परिवारों मे से 54 परिवार बन गए है उनको स्थापित करना करने के लिए निर्माण किया जाए !योजना बनाए जाए , जो हमारी थोड़ी भूमि बचेगी महोदय उस भूमि पर कोई भी बंदा नही रह सकता है ! अगर व्हा रह सकता है तो महोदय से प्रार्थना करता हूँ क्यूंकी हमारी प्रार्थना के अनुसार वहाँ नागरिक s.d.m ज्वालामुखी से है ! ये सरकार के प्रतिनिधि है !हिमाचल के प्रशाश्निक सेवा के अधिकारी है अगर यहाँ से बात निकलेगी तो हम डीसी साहब कांगड़ा के पास जाएगे !हिमाचल प्रदेश के पास जाएगे हमे हमारा अधिकार मिलना चाहिए ! ओर हमे प्रत्येक निवासी बड़िया -2 महल बना चुके है ओर उनका क्या होगा ! तो उन गाँव को क्या दोगे, अब रोजगार की बाते बाद मे है सड़को की बाते बाद मे है ! जब बांध बने तो सड़क आटोमाटिकल पहुच जाएगी ! जो मेरे घर तक पहुँच गई है ! वहाँ भी पहुँच जाएगी मेरा गाँव बुलली मे सड़क से कुछ नही लेना है !पहले विस्थापित की श्रेणी मे आते है ~! पहले हमारा देखो हम कहाँ जाएगे ! हमारे बच्चे किस के पास जाएगे हमने एसी भूमि के उपर अपना जीवन मापन किया है हमारे पूर्वज की धरोहर है राशि है हम यहा से अपना जीवन यापन करते है मेरे घर मे 18 परिवार है 18 परिवार से 54 बन गए है ओर वो 54 परिवार के ग्रेजूवेट बच्चे अपने घर मे बेठे है 1 हमारा गाँव यू के आकार मे है ! जो एक तरफ से दरिया व दूसरी तरफ जंगल आया ! महोदय कहाँ जाए हम मे आपसे निवेदन करता हूँ ! अभी आप चलो मेरे गाँव ओर वहाँ पर मूल्यांकन करो मेरे गाँव को देखा जाए !मीने 18 पंचायतों से कुछ नही लेना है 440 परिवारों मे से कुछ नही लेना है मीने आपण बुलली गाँव से लेना है जो मेरा निवास है ! यह भी मेरा घर व निवास है! यहाँ पर भी मेरी जमीन है !परंतु यहाँ का कुछ नही जाएगा ! मेरा आप से अनुरोध है की धोलसिद्ध हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट होने के नाते मे सभी को 8 लाख से कोई नीचे मुआवजा न दिया जाए इनहि बातो से मे आप लोगो का धन्यवाद करता हूँ !

जय भारत जय हिमाचल

सहजकर्ता: 11:42 To 11:45 - ओर किसी को विचार व सूझव किसी को आपति बतानी है तो बोल सकता है लिखित रूप मे भी दे सकता है ! एसके एलवा किसी को बताना है ये वाले पॉइंट नोट हो चुके है आप की तरफ से आप के तरफ से कोई ओर सूझाव देना है ओर कुछ आपति है !

एस डी एम : 11:46 To 11:47 : मेड़म आप को कुछ आपति इन्होने तो सब कुछ बता दिया है ! अगर आप कुछ लोग चाहते है ओर आप लोगों का क्या मानना है!

एस डी एम् साहब : 11:50 To 11:55 : राकेश जी ने सभी कों प्रेजेंट करने कि बात कही है आप भी कुछ बताएं आप प्रधान है प्रधान होने के नाते कुछ बोले आप टिपरी पंचायत के प्रधान है और टिपरी के लोगो का क्या मानना है महिलाओं कों क्या लगता है क्या फायदा होगा महिलायें क्या चाहती है बाँध बने कि नहीं बने बने तो क्यों बने

प्रधान: 11:57 To 12:00: महिलायें तो चाहती है कि बांध बने लेकिन जो बुल्ली गाँव वाले के घर पूरी तरह से प्रभावित हो रहे है ज़मीन तो सभी गाँव कि जा रही है ज्यादा समस्या बुल्ली गाँव कि है परियोजना में हमारा गाँव नहीं आता इसमें चार गाँव आ रहे है पांचवा गाँव हमारा आता है जो हमारे टिपरी पंचायत के चार गाँव इसमें आ रहे है

एस डी एम् : **12:01 To 12:03**: वहां कि महिलाओं का क्या मानना है

प्रधान : 12:04 To 12:06: महिलाओं का मानना है कि बाँध लगे लेकिन जिनकी ज़मीन जा रही है उनको प्रॉब्लम है

सहजकर्ता: 12:07 To 12:08: और कुछ कहना चाहता है बताना चाहता है इसके रेगार्डिंग तो बोल सकते है

पब्लिक:: 12:09 To 12:11: मेरा एस डी एम् महोदय जी से प्रार्थना है कि हमारा गाँव बुल्ली पड़ता है उस पर आप मौके पे आए है तो में चाहूँगा कि प्रशासनिक अधिकारी बुल्ली गाँव का निरिक्षण करे मूल्याकन करे कि क्या समस्या है

जो बोल रहे है सच बोल रहे है मौके में जा के देख ले हमारी जन्म भूमि है कर्म भूमि है

सहजकर्ता: 12:09 To 12:10: सर आपका नाम व् गाँव

प्रितम सागर : 12:11 To 12:15: मेरा नाम प्रितम सागर है गाँव बुल्ली इसमें कुछ दो राये नहीं है जी है उसका हम रिजल्ट दे सकते है जो भी होने जा रहा है उससे देख सकते है हम लोग झूठ नहीं बोल रहे है उसका मूल्यांकन किया जाए एक तरह दरिया है और एक तरफ जंगल है हम लोग कहाँ जायेंगे हमारा कोई ठिकाना नहीं है कोई पूछने वाला नहीं है ना हि भाखडा बाँध कों पूछने वाला है ना हि पोंग बाँध कों पूछने वाला है यह सेंटर सरकार कों बता है कि उनका कुछ नहीं हुआ अभी तक पूछने वाला कोई नहीं है अभी तक

जिनके पेट में दर्द होता है उनको पता होता है में तो कहता हूँ कि मूल्यांकन किया जाए गाँव का जब बाँध लगेगा तो रहने लायक नहीं रहेगा जितने भी जंतु है वह ज़मीन पर आयेंगे धुंध पड़ेगी कुछ भी पड़ेगा ज़मीन उपजाऊ नहीं रहेगी कुछ नहीं रहेगा

सहजकर्ता: 12:16 To 12:17: क्योंकि कोई और विचार सुझाव नहीं बोलना चाहता है तो आज सर कि अनुमति से में इस जनसुनवाई कि समाप्त घोषित कर सकता हूँ

धन्यवाद

6 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत आलमपुर(जांगल ,सकोह)

स्थान : ग्राम पंचायत आलमपुर , तिथि-25/07/19 समय :10:00-4:00)

सहजकर्ता-10:00 To 10:05 - आदरणीय उपमंडलाधिकारी जी,ग्राम पंचायत के निर्वाचित सदस्य गण,उपस्थित सभी हित कारक| प्रभावित समूह और सतलुज विधुत निगम के अधिकारी गण ,आप सभी का प्रस्तावित धौलासिद्ध विधुत परियोजना के अंतर्गत सामाजिक प्रभाव आकलन रिपोर्ट के संदर्भ में आयोजित इस जनसुवाई में स्वागत है |जैसा कि आप सब जानते है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा धौलासिद्ध परियोजना ,जो सतलुज जल विधुत निगम द्वारा क्रियान्वित की जानी है के लिए भूमि को चाहा गया है 2013 में सरकार ने भूमि अधिग्रहण पुनर्वास व पुनर्स्थापन मुआवजा में पारदर्शिता अधिकार कानून बनाया जिसके तहत यह आवशयक किया गया कि भूमि अर्जन के मामले में उसके द्वारा सभी हितकारको पर पड़ने वाले सामाजिक प्रभावों का आकलन किया जायेगा | उसी उदेश्य से प्लान फाउंडेशन को जो कि एक तृतीय संगठन है ने व्यापक सर्वेक्षण के बाद यह सामाजिक प्रभाव रिपोर्ट तैयार कि है जो कि जिलाधीश कार्यालय ,उपमंडल व तहसील कार्यालय में उपलब्ध बताई गई थी और इस आशय की सूचना अख़बार में भी प्रकाशित की गई थी | आज इस जनसुवाई में आप सभी के द्वारा इस जनसुवाई में अपने विचार रख सकता है|

पब्लिक 10:06 To 10:08: सुरजीत सिंह आलमपुर पंचायत गाँव बाग़ जो हमारी जमीन डैम में आ रही है वो हमने दे रखी है उसके साथ जो हमारी जमीन डैम से उपर बचती है वहां पर कटाव होगा उसके लिए हमे क्या सहायता मिलेगी बाकि जो हमारी जमीन है वहां पर बचती है और वहां पर कची जमीन है वहां तो हम यह चाहते है की वहां डगा लग जाये पहले भी हमारी बात हुई थी तो उन्होंने बताया था की वहां पर डंगा लगेगा धन्यवाद !

राजेश जगोता S J V N 10:07 To 10:15: आदरणीय SDM साहब ग्राम पंचायत आलमपुर, जांगल सकोह से आये लोगो का में यहाँ पर सुहागत करता हू में थोडा सा परियोजना के बारे में बताना चाहूँगा ! आज की जनसुनवाई SOCIAL IMPACT ASSESSMENT जो की हिमाचल प्रदेश सरकार ने करवाई है जो वह जन सुनवाई यहाँ पर चल रही है में थोड़ा परियोजना के बारे में बता दू की अगर यह परियोजना संभव हो सकी है तो इसमें सिर्फ हिमाचल प्रदेश सरकार एक पॉवर है कई बार हिमाचल प्रदेश की सरकार History में ऐसा हो रहा है की किसी परियोजना को बनाने के लिए जो हमारी कंपनी बनाने जा SJVN की जैसा कि हिमाचल प्रदेश सरकार या केंद्र सरकार वह उन्होंने 270 करोड़ का कनेक्शन हिमाचल प्रदेश सरकार दे रही है ताकि ये परियोजना आ जाये हिमाचल प्रदेश की History में या देश के किसी भी राज्य में न तो कोई प्रावधान किया है और ना हुआ है ये तो हम खुश किसमत है की आज हिमाचल प्रदेश की सरकार इस एरिया के विकास के लिए प्रतिवित है में धन्यवाद करुगा क्यूंकि मुझे अभी एक मीटिंग में 16 तारीख मीटिंग में जाने का मौका मिला उस मीटिंग में बहुत से लोगो को बुलाया गया था में थोडा सा बता दू की हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस परियोजना के लिए रियती देनी की घोषित की है इसमें एक GST एक जो आज कल GST लागु है जुलाई 2018 से उसमे जो G.S.T का कोपोनेट हिमाचल प्रदेश सरकार को पाना था इसमें हिमाचल सरकार ने G.S.T कम करने के लिए इसकी लागत की है कोई भी जल विधुत परियोजना किसी स्टेट में बनती है तो उसमे 12% बिजली फ्री दी जाती है जितना लोस हिमाचल प्रदेश सरकार को हुआ होगा बिजली कम देने से उसकी भरपाई SJVN बाद में 12% या 25% बिजली हिमाचल प्रदेश सरकार को देगी जिससे इस परियोजना से हिमाचल प्रदेश सरकार 3500 करोड़ रु का फायदा होगा आने वाले कल में तो यह सारी कन्वेशेशन होती मान लो कोई भी परियोजना लगती ही उसमे 30% जो इक्वोटी होती है और 70% की होती है इस परियोजना की लगत कम करने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार को हमने SJVN ने यह सुजाव दिया था की इसकी लागत कम करने के लिए लिए 80 % लोगो बचायेंगे 20 % को लगायेंगे तो इसके लिए हिमाचल प्रदेश सहमत हुई है इसके अलावा और कुछ कनसेकशन देने को सरकार तेयार है लेकिन सरकार हमे कन्वेशेशन वही तक देगी जहाँ पर लोग बायाबलटी बनती है पहले जो इस परियोजना की इसी लिए यह परियोजना आगे बढ़ रही है आप लोगो का सहयोग रहा है जमीन की लागत हमे भी पता है वह कम है लागत ज्यादा देनी चाहिए थी लेकिन परियोजना की बायाबलटी देख कर हम ध्यान में रख यह सारे डीसिजन कमेटी बनाए थी DISST काँगड़ा की कमेटी में जो SDM साहब चेयरमैन थे इसके आलावा भारत सरकार ने एक और कनसेकशन दी है जो LADHA का डेढ़ % फंड होता है वह परियोजना का एक पार्ट होता है लेकिन इस परियोजना की लगत को कम करने के लिए SJVN ने एक हिमाचल प्रदेश सरकार से प्रार्थना की थी की किस पैसे की LADHA के पेसे को क्रोस में डाले जाएगा यह जो फण्ड है LADHA से न दे करके हम किसी और तरीके से हिमाचल प्रदेश सरकार को देगे इसलिए 12 % करोड़ की KOST कम हो जाएगी तो सरे प्रयास और जितनी भी सारी परपोजल है इसी हिसाब से बनी ही और यह परियोजना आगे बढ़े और इस इलाके का विकास हो में में आपको बता दू की CA साहब ने हम क्यूंकि यह परियोजना छोटी है और एरिया बहुत बढ़ा है 400 लोग है DO DISTT है फिर भी हमने Ca साहब ने आज तक यहा काफी कम किये है और में आपके यह विश्वास दिलाता हु की जितने कम हमने अभी किये है परियोजना चलाने के बाद और दुगुनी तिगुना कम हो जाये में पूरा विश्वास दिलाता हु परियोजना में जो भी जिन लोगो की जमीन जाएगी उनका हक खाते में पहले होगा परियोजना जब लग जाएगी तो यह होगा मेने 6 परियोजना में काम किया है में हमीरपुर अ रहने वाला ही मुझे यह साईन लिया गया है की आप जाएगा लोकल होने के नाते आपकी बात को सुना जाएगा जितनी DOLMANT हुई हो इन से अब हम परियोजना से आगे बढने का विकल्प हो और मुझे पूरी उम्मीद है की बढ़े थोढे समय में कम होगा पर बहुत जल्दी आपको यह न्यूज़ आ जाएगी की धोलासिध का कार्य भारत सरकार जो की मंज़ूरी दे दी है और यह कार्य शुरू हो जाएगा ! धन्यावाद

S.J.V.N 10:19 To 10:28 : आदरणीय SDM साहब तथा मेरे साथियों और तीन पंचायत से आये हुए आलमपुर गागल सकोह आपको इसे तो सबको मालुम है कि जानते होंगे की जब कि यह परियोजना प्रारंभ नही हुई है २०११ से लेकर २०१९ आ गया है !हम आपकी पंचायत से मेन १८ पंचायतें है ! 8 कागड़ है और १० हमीरपुर से ही ४८ गावं है !सब मई से हम बच्चों के उत्थान के लिए ताकि उनमे व्यवस्था निर्भरता आये ! उसके लिए हम ITI दुसरे ट्रेनिंग प्रोग्राम देते है ! आपको बता दूँ की मुझे तो ख़ुशी होती है !४३६ विद्यार्थी ITI थे !जो इन पंचायतों से SJVN द्वारा भेजे जा चुके है और २५ विद्यार्थी जो की अभी इस सेशन मई जाने है ! इसके अलावा ७३६ विद्यार्थी छोटी ट्रेनिंग जो कि २ महीने या ३ महीने की होती है और पिछले साल भी ट्रेनिंग हुई है उन ट्रेनिंग में दो ट्रेनिंग इस पंचायत में थी !हर पंचायत में २ या ३ ट्रेनिंग होती है !mobile VPN चलती है !

आपके घर में भी आती होगी, दो दिन बाद, तिन दिन बाद, चार दिन बाद वह हर गाव में जाते हैवह आपकी सेवा के लिए हाज़िर होती है यह जो ट्रेनिंगहै जो हमने करवाई है यह सारी की सारी बच्चों के भविष्य को देखकर है और आई. टी. आई. में जीतनी भी ट्रेनिंग हैवह भी बेस्ट ट्रेनिंग है पिछले साल हमने आई. टी . आई . में 25लाख रू खर्च किया था इस ट्रेनिंगके दोरानहम बच्चे को जब भेजते है govtआई. टी. आई. में भेजते है सरकारी आई. टी. आई जहा है वहा भेजते है मेरी यह कोशिश रहतीं है हर बच्चे को साल कि 2 साल की ट्रेनिंग दी जाएपर कई लोगों की यह डिमांड रहती हैकि नही 3 साल की ट्रेनिंग करवानी है मुझे तो यह ट्रेनिंग करनी है परंतु कुछ-कुछ ट्रेनिंगइ एक साथ होती है और उस ट्रेनिंग के दोरान हम हर बच्चों को 2000 प्रति माह देते है ये सहायता राशी जब बच्चा दाखिल हो जाता है वहा ट्रेनिंग करता है हम उसके खाते में पैसे भेजते है अभी भी इस साल में इस साल में मेरे पास जो ट्रेनिंग आई है 50 विधियार्दी की ट्रेनिंग एग्रीकल्चर UNV पालमपुर जो फार्मर के लिए है और सात दिन उनको रहने की व्यवस्था भी है खान पान की भी व्यवस्था है उसके साथ-साथ ट्रेनिंग के इलावा ट्रेनिंग सेटीफिकेट मिलेगा जो सहयता हिमाचल govt दवारा दी जाती हैउसके सेतिफिकेट की सहायता होती है जेसे पोली हाउस ट्रेनिंगउन में एकUNV सो सेतिफिकेट दिया जाता है इसके साथ-2 हर ट्रेनिंगकरने वाले को 1400रू दी जाते हैंइसके साथही उनके आने जाने का खर्चा भी मिलता हैतो इसहिसाब से हर साल I.T.I. में इससाल 35 है पिछले साल 30हैं उससे पिछले40 चलते रहे सिर्फ एक2011 में हमारे पास 5सीटे थी इस ट्रेनिंग में टाइम बहुत होता है उसके दोरान हम उनसे डिमांड करे तो हमे सीटे देते हैअगर सीटे भर चुकीं जाती है अहर फिर भी उन्होंने बोला है कि यही सीटे बचती हैऔरमेरी यह कोशिश रहती है कि अपके परियोजना क्षेत्र में वह I.T.I जो सबसे बेस्ट I.T.I जिन्हें सेंटर ऑफ़ एकसिंलेस नाम से जाना जाता है जहा से बच्चे जब ट्रेनिंग करते है उसके दो महीने पहले उनको प्लेसमेंट कर दी जाती है आपकी ही पंचायत आलमपुर और सकोह से दी छात्र है एक छात्र जो सकोह से है आदराण गाव से वह जापान जा चूका है जब मैने उसे पावटा साहब भेजा या तो उसके फादर बहुत दुखी थे ! महीने की 10 गालिया देते है की आपने हमे पावंता साहिब भेज दिया चार भेजे थे मेने आपकी आलमपुर पंचायत से छाड था सतीश का लड़का वह भी चंडीगढ़ लग चूका है मोस्टली जितनी यहा से ट्रेनिंग करके गये है हाई मकेनिक या मोटर मकेनिक सारे भर्ती हो गये है कल जब में पलाई गया था तो पलाई में एक पेरेंट्स मेरे पास बार बार आ रहे थे सर बहुत बहुत धन्यवाद मेरा बेटा भर्ती हो गया और भर्ती क्या हुआ परमानेंट एम्प्लोयेड है उसकी और वहा जरा स्टेट की खातिर गया है अभी भी मेरे पास बहुत से फार्म है जिनकी हम जो काउंसलिंग1 और 2 दिन में करेंगे और 29 तक वह ज्वाइन करने के लिए चले जायेंगे पर थोडा सा अवसोस यह होता है जब हम किसी गरीब बच्चे को भेजते है कुछ लोग यहा से हमारे पत्र लेते है और वह जोइन करते है और उसके बाद घर में बेठ जाते है में रोज़ पता करता हु फिर उनकी ऐडमिशन चल रहा होता है मुझे तब पता चलता है जब वह बेज खत्म हो गया होता है पिछले दो साल में बीमार रहा उसके बावजूद में होसपिट लाईज था मुझे फोन आया की चार सिटे खाली है मेने फ़ोन किया लड़के को की अगले मेरिट के चार लडके निकालो या जो भी जाने वाले है उनका नाम बताओ मेने Email के द्वारा उनको भेज दिया तो इतनी फेसलिटी इसके अलावा हमारी पंचायत में सरकारी स्कूल में जो मेरिट बच्चे है जिन्होंने जयादा अंक लिए है 1,2,3 डेविसन 8,10,12, इनके लिए हमे आवर्ड की राशी राखी है जो पिछली साल भी थी उससे पिछली साल भी दी जब से यह योजना स्टार्ट हुए एक और बात बता दू में महिला और बाल विकास के लिए एक योजना है हिमाचल सरकार जो देती है वह तो ठीक है उसके अलावा जो भी BPL लेडी आपकी पंचायत में या हमारी सम्बन्ध पंचायत में से प्रेग्नेट होती है उस BPL लेडी को 12000 सहायता के रूप में दिए जाते है जिसमे दो बार 5000 एक पुरुषाता होने से पहले और एक बाद में और 1000 रूपए उसकी रिकवरी के लिए या फ्रूट या डाईफुट आदि के लिए दिए जाते है ये सारी की सारी योजनाए अभी सिमित ही है यह तब सिमित है तब दे रहे है जब की परियोजना का कोइ पता नही था जब परियोजना आ जाएगी तब यह बढ़ोतरी बढती जाएगी तो में आपसे निवेदन करता हु की इन सुनवाई में और भी आपको सुझाव परियोजना महोदय से SDM साहब सेतो आप अपने सुझाव दे और भी बहुत सी स्कीम है जो हम करते हैं जो ट्रेनिंग है यहाँ से में बताना भूल गया यहाँ से जो गवर्मेंट की एक एजेंसी है जो ट्रेनिंग देने के साथ साथ भी प्लेसमेंट करती है यहाँ पर इसी पंचायत मे इसी हौल मे दो साल पहले मैंने ट्रेनिंग करवाई थी अभी तक देखो पोस्टर भी नहीं लगा है वह सामने देखो अभी यह उतरा भी नहीं है अभी जो ट्रेनिंग कर गयी है तो यह ट्रेनिंग ड्यूटी है अगर आंकड़ा आँका जाये तो १२०० से ७६०० तक जाता है जो ट्रेनिंग यहाँ से बच्चो को ट्रेनिंग दी जाती है अब मुझे यह दिक्कत होती है अगर कोई ट्रेनिंग आती है तो मे भेजेने की कोशिश करते है की जितने भी लोग है की जिसकी भी ज़मीन गयी है उनसे संपर्क कई जाये पर जब बात करते है तब वह बोलती है की हमारे बच्चे ट्रेनिंग कर चुके है या फिर हमारे बच्चे छोटे है अब जैसे जिसका कोई अगर बच्चा जो है दस बारहवी पास होता है तो हम उसे संपर्क करते है या उसे भी परभावित पंचायतो जो है उसमे किसी गरीब आदमी का बच्चा हो लड़का या लड़की हो जिसकी कंडीशन बहुत ख़राब हो ये सहायता राशी हमारे यहाँ पर ७०० रुपए थी इसके लिए मे बता दूँ जो हमसे CMD साहब है वह यहाँ आये थे तो मैंने उसे पार्थना की ७०० रूपए म कुछ नहीं बनता ७०० रूपए मे अगर कोई बच्चा दूर जायेगा तो उसका खर्चा नहीं चलता तो उन्होंने मुझसे सुज्शन की मांगा तो मैंने उनको 1500 रूपए बताया था बच्चो ने जो मुझे बताया था तो उन्होंने महीनो बाद भी उसको २०००

रूपए कर दिया तो आप सोचिये अगर आप मेहनत मजदूरी करते है तो ३००० से ४००० मिलती है यहाँ तो ट्रेनिंग करनी है आर सहायता राशी भी मिलती है अगर आपको पता है नहीं पता है तो मे आपको जानकारी के लिए बता दूँ हमारी जो ट्रेड है उसमे अगर देखि जाये तो 80% जाती है प्रिनिसिपल लोग जो मुझे फ़ोन करते है की साहब आप तो प्रिंसिपल रहे है आप ३८% वाले ३६% वाले और ३५% वाले बच्चो को भेजेते है मैंने कहा यह हमारी परियोजना परभावित क्षेत्र क लोग है इनको जो गरीब लोग है इनको आप ने एडमिशन देनी है हमने आप से सीटे ले राखी है जितनी सीटे है वेह main सीट होती है मैंने अभी भी आपके साथ इसलिए हूँ की अगर किसी का बच्चा छुट गया है इसी दौरान जब मेरे पास 15 फॉर्म आये है अगर कोई छुट जाता है ! तो मे उससे उस्सी टाइम फॉर्म ले लेता हूँ कम्मी हमेशा होती है हर पंचायत मे एक टैक्निक बनाये है यहाँ तक की मे उनको हमीरपुर भी नहीं बुलाता मैंने बता लिया है की यह टेक्नीशियन है मे यहाँ से पिक कर लेता हूँ क्यूंकि मैं डेली यहाँ से जाता हूँ तो इतना ही कहते हैं धन्यवाद जी

सहजकर्ता - 10:30 To 10:34 मे अभी भी आप से निवेदन करता हूँ की अगर आपके कोई और सुझाव या विचार हो जो इस रिपोर्ट का हिस्सा बन सकते है तो कृपया दे क्योंकि आपके कोई भी विचार नहीं आ रहे हैं तो जनसुनवाई के अंत मे स्मभोधन के सक्रित करे

S D M – 10:35 To 10:40: सर्वप्रथम में आज से उपस्थित हमारे जोगोता जी परियोजना के अधिकारीगण तथा साथ्नीय निवासी

आज सभी जानते हैं कि आज सतलुज जल विद्युत् निगम द्वारा धोलासिध बाँध जल विद्युत् परियोजना के लिये जन सुनवाई रखी गई है किसी भी स्तर पर परियोजना में आप लोगों का सहयोग सबसे महत्वपूर्ण है मुझे ख़ुशी है कि आप लोग प्रोजेक्ट के अधिकारीयों के लिये सहयोग कर रहे हो और जेसा कि बताया गया कि इस क्षेत्र में इतनी बड़ी परियोजना लगनी है इस परियोजना लगने का लाभ हित में सभी को होने वाला है लेकिन जिन लोगों कि यहाँ पर ज़मीन है ,ज़मीन जब्र जल विद्युत् परियोजना के लिए ली जाएगी तो उसमे सामजिक तोर पर अधिक प्रभाव पड़ता है इसी प्रभावों कि इस परियोजना के इस रिपोर्ट लाने के लिये परिवारों कि भूमि लगती है तो सरकार उसका पूरा लाभ देगी उसके अलावा और आपकी क्या सहायता कि जा सकती है उसके लिये ये सुनवाई रखी गई है इस जनसुनवाई में पहले भी आप लोग आए थे आज भी आएं है पहले तो मैं आपका हार्दिक स्वागत करता हूँ आपको यहाँ बुलाया गया है और आप लोग यहा पर आए है इस परियोजना के बनने में आपका सहयोग दे रहे हो आप लोगों को पता ही है कि किस किसान कि कितनी भूमि, व परिवार की कितनी भूमि इस इस परियोजना में लगनी है और फिर भी कोई जानकारी चाहता हो तो इनके पास पूरी रिपोर्ट है कि किस परिवार की किस सदस्य की कितनी भूमि लग रही है और अनुमानित इसकी मूल्य परियोजना अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित किया गया है और उसके अलावा अगर ये परियोजना लगती है तो इसके और क्या उप-परिवारों कि सहायता की जा सकती उन पर जो प्रोजेक्ट एल्लेक्टेद फॅमिली के है इसके लिये हम लोगों को बुलाया गया है पंचायतों से यहाँ कोई आएं है?

कोई बात नही यहाँ पर नायक नही तहसीलदार भी बैठे है इनको दो-तीन दिनों का समय दे दो जिन्होंने अपनी बात रखनी है वो लोग नही आए जिनको आप लोग जानते हो उन लोगों को बता देना है कि उस बैठक में ऐसा कुछ बताया गया है दो दिन में अपना प्रार्थना पत्र देना चाहता है तो कोई बात करना चाहता है तो कोई नायक तहसीलदार आलमपुर में वहीं पर बैठते हैं उनसे बात करलो, जो लोग नही आ पाए उनको बता दें कि कल भेड़ी में ऐसी ही जनसुनवाई रखी गई है जो लोग यहाँ नही आ सके किसी कारणवश वहन वो भेडी में आ जाएँ ! एक मेरा अनुरोध है कि एक प्रेस नोट दिया जाए कि आज मैं जनसुनवाई कि गई और कल भेडी में की जानी है तो इन पंचायतों का कोई भी इंसान भेडी में आ सकता है आपका इसमें पूरा सहयोग है तो मुझे लगता है कि इस प्रोजेक्ट के लगने के लिये कोई भी अर्चन नही है ना कोई मुश्किल आएगी जिसकी कोई भी समस्या आएगी तो हम उसका पूरा समाधान निकालेंगे और आप लोगों कि सहायता करेंगे तो आपको सभी परियोजना अधिकारियों का तहे दिल से स्वागत करता हूँ !यहाँ पर बैठे सभी लोगों का फिर से धन्य्वाद करता हूँ की आज आपने जनसुनवाई की लोग आये बात सुनी और आपन मई लिखित रूप से प्रोजेक्ट बोर्ड में दिए है !कृपया इसकी कॉपी एक तहसील आलामपुर मे भी रखवा दे ! और एक कॉपी मुझे भी दे दें ताकि और कोई जानकारी चाहता हो तो वो भी मिल जाए तो आप लोगों का बहुत बहुत धन्यवाद

सहजकर्ता : 04:00 :04:02: क्यूंकि इस जनसुनवाई का समय ४ बजे तक था ! अब आप देख सकते हैं कि ४ बजे तक यहाँ पर कोई भी उपस्थित नही है न किसी के आने की संभावना है ! अब हम इस जनसुनवाई को समाप्त करते है

धन्यवाद

आदरणीय SDM साहब तथा मेरे साथियों और तीन पंचायत से आये हुए आलमपुर जांगल सकोह आपको इसे तो सबको मालुम है कि जानते होंगे की जब कि यह परियोजना प्रारंभ नही हुई है २०११ से लेकर २०१९ आ गया है !हम आपकी पंचायत से मेन १८ पंचायतें है ! 8 कागड़ है और १० हमीरपुर से ही ४८ गावं है !सब मई से हम बच्चों के उत्थान के लिए ताकि उनमे व्यवस्था निर्भरता आये ! उसके लिए हम ITI दुसरे ट्रेनिंग प्रोग्राम देते है ! आपको बता दूँ की मुझे तो ख़ुशी होती है !४३६ विद्यार्थी ITI थे !जो इन पंचायतों से SJVN द्वारा भेजे जा चुके है और २५ विद्यार्थी जो की अभी इस सेशन मई जाने है ! इसके अलावा ७३६ विद्यार्थी छोटी ट्रेनिंग जो कि २ महीने या ३ महीने की होती है और पिछले साल भी ट्रेनिंग हुई है उन ट्रेनिंग में दो ट्रेनिंग इस पंचायत में थी !हर पंचायत में २ या ३ ट्रेनिंग होती है !mobile VPN चलती है !

7 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत (कुहन, लहड़ू, बलाकरुपी)

स्थान : ग्राम पंचायत रस्ट हॉउस (IPH) , तिथि-26/07/19 समय :(10:00-4:00)

सहजकर्ता ---10:00 to 10:15 –धोलासिद जल विदुत जो 66 (मेगावाट) की है इसके लिए हिमाचल प्रदेश सरकार के दवारा हिमाचल के हमीरपुर . कागड़ा . के जिला के कुछ पंचायत भूमि की चाहा गया है आज उसी कड़ी में जनसुनवाई हो रही है इस जनसुनवाई मुखया उदेशय यह है कि एक रिपोट तेयार की गई है कि इस जमीन के लिए जाने से क्या फर्क पड़ेगा लोगो पे उसके लिए सुजाव दिए गए है में रिपोट इसका हिसा है आज इस जनसुनवाई में आज हमने सुजाव लेने थे कि कुछ चीज उसमे छुट नहीं गई हो मुखया रूप में आपको बता दू की इस रिपोट में क्या है जब भी कोई जमीन किसी आदमी की जाती है तो उसका नुकसान होता है इसके अलावा कुछ एसे नुकसान होते है जो पूरे एरिया को होता है और कुछ फायदा भी होता है जिनकी जमीन जाती है उनको भी कुछ लाभ दिए जाते है सरकार के दवारा व परियोजाना के दवारा और साथ साथ ही एरिया के लिए भी कुछ लाभ दिए जाते है तो इनकी सूची है उदारण के लीए जिनकी जमीन जानी है उनके नुकसान क्या क्या होते है एक तो उनकी जमींन का नुकसान होना है उनके पास मालिकाना नहीं रहेगा अगर उस जमीन में खेती करते है तो जो खेती से इनकम होती है व भी नहीं होगा अगर उस जमीन पर घर हैया पेड़ है कुछ और चीजे बनी है तो उसका भी नुकसान होगा ये तो वो होगए जिनकी जमीन जा रही है व नुकसान है इसके अलावा पंचायत व गाव की बात करते है उस पर की प्रभाव पडेगा जब कोई बड़ा प्रोजोक्ट लगता है तो हजारो लोग बार से आते है उन लोगो के बीच और बार के लोगो के बीच टकराव पैदा हो सकता है विवाद हो सकते है जरूरी नहीं है कि ऐसा हो सकता है इसके अलवा बड़ी बड़ी मशीने गाड़िया आएगी तो वायु प्रदुशन होगा धूल होगी फिर जब डैम बनेगा तो उस डैम लगने के बाद वातावरण में नमी बनी रहेगी ऐसे नुकसान को पूरा करने के लिए कुछ

सुझाव दिए गए है वो सुझाव में है कि जिन लोगो की जमीन जाएगी उनको सरकार एक उचित मुआवजा देगी अगर फसल का नुकसान हो रहा है जब वह प्रोसिस शुरु होगा तो खेत बीजा हुआ होगा तो उस फसल की अलग से भरपाई करेगी अगर उस जमीन पर बना हुआ है तो भी सरकार भरपाई करेगी उसका मुआवजा देगी और वो जो मुआवजा है उस का एक नियम है उस नियम के तहत दिया जायेगा तो कानून बना हुआ है उसको पूरा इकठा करके कितना नुकसान हुआ है फिर आती है गाव पंचायत एरिया की बात इनसे जो नुकसान है उनको पूरा करने के लिए कुछ उपाय दिए गए है में वो है जब प्रोजेक्ट लगेगी जो उस प्रोजेक्ट में काम होगा उस काम का सबसे पहला एक उस आदमी का होगा जिस आदमी की जमींन है यदि हमसे नोकरिया होगी सथाइ व असथाइ होगा उसमे सबसे पहले प्राथमिकता उन लोगो को दि जायगी जिनकी जमीन गई है उसके बाद प्राथमिकता उस एरिया कि प्रोजेक्ट एक वित गाव के है या पंचायत कि है उसके बाद प्राथमिकता पुरे हिमाचल कि है हिमाचल प्रदेश सरकार का नियम यह है कि जो स्थानीय ऐसे कोई प्रोजेक्ट लगेगे उसमे 70% तक जो रोजगार है वो स्थानीय लोगो को ही दिया जाना चाहिए इसके अलावा अब पंचायत में नोकरी की बात आती ई उसके बाद कुछ indarct फायदा होते है जेसे कि जमीन की कीमते बढ़ेगी जब प्रोजक्ट लगेगा जमींन की कीमते बढ़ने से लोगो की जो जमीन है उसको लाभ होगा और जब लोग जायदा आयगे तो दूध सब्जी आदि की खपत बढ़ जाती है माग बढ़ जाती है जब हजार लोग एक साथ रहेंगे तो वहा पर दूध भी लगेगा सब्जीया भी लगेगी जो स्थानीय लोगो कि किसान है उनको भी उसका फायदा होगा अब वायु प्रदूषण की बात आती है जब बडे वाहन चलेगे क्रशर होगा तो बहुत सारी धुल उड़ने की सभावाना रहेती है उसके सुजाव यह है की परियोजना परिबधन पानी का छडकाव नियामानुसार किया जाहे ताकि जमीन से धुल ना उड़े जो बड़े वाहन आते है तो हॉर्न बार बार बजाएगे जो लोग आस पास घरों में रह रहे है तो उनके लिए भी बुरा प्रभाव है हर वक्त से बज रहा होगे इसके लिए ये सुजाव दिया गया है कि ड्राईवर को सक्त नेर्देश दिया जाए कि आनाआवश्यक हॉर्न ना बजाये जाये जो स्थानीय गाडिया हैउनको प्राथमिकता दे आगे जाने के लिए और जो बड़ी गाडिया है उस एरिया में कब आये इनका टाइम फिक्स किया जाए जेसे ब्लास्टिग के टाइम की जाती है सरकार दवारा उसी तरह गाडियों को भी नियत्रित किया जा सकता है रात को 7-8 बजे बाद जी उचित समझा जाए पानी जब इकठा होने से मचर इतिआदि बड सकते है अगर किनारे में दलदल जेसे स्तिथि बनती है इसके लिए में सुजाव दिया गया है कि जलाशिया के चारो तरफ पेड़ लगाये जाये तो भूमि का भूसखलन ना हो और साथ ही अगर पानी इकठा हो रहा हो तो मोसम व तकनीक के हिसाव से परियोजना परिबदंन के दवारा छडकाव इत्यादी करे ताकि मछर आदि पैदा ना हो इसके लिए सुजाव यह भी की सुजाव दिया जाता है कि गाव में महिलाए है यूवक मंडल है महिला मण्डल है इनकी तरकी कि लिए परियोजना व सरकार काम करेगी लोगो को ट्रेनिग प्रोवाइड करवाएंगी skil delvoment की ताकि उनका कोशल विकास बडे वो उस कोशल के आधार के उपर नोकरी प्राप्त करे क्योकि नोकरी कहा पर हो उसे करने के लिए लोग हो उसे करने के लिए योगता नहीं हो तो परियोजना परिवधन उस के लिए नोकरी नहीं दे सकता है वो बाहर भी नोकरी नहीं कर सकता इसी में सुजाव दिया गया है कि परियोजना प्रबधन व प्रशासन इस क्षेत्र में अलग अलग योजना के तहत चाहे तो प्रधानमंत्री कोशाल विकास परियोजना हो चाहे तो परियाजना के दवारा समथित सर्कल शिप या ट्रेनिंग का प्रावधान हो इसके अलावा हिमाचल प्रदेश सरकार कोशाल विकास निगम चलाई गई योजना है इस सभी योजना के माधयम से

उस क्षेत्र में अलग अलग सेंटर जाए ताकि वहा पर लोग अपनी skil devlopment का काम कर सके कुशलता प्राप्त कर सके और प्राशिशन के बाद जहा में प्राशिशन दिया जाता है वही को शोवर किया जाता है कि उनको pvt क्षेत्र में पहली नोकरी का प्रावधान दिया जाए इसमे ऐसे प्रयास किया जायेगा में परियोजना के दवारा दिया जाता है इसके अलावा परियोजना अपनी कुल लागत का 1.5% ½ है फड है तो ladha देती है लोकल एरिया डवपमेंट फंड जो local Area development की मीटिंग जिला कार्यालय में होती है और ये सुझाव दिया गया है कि उस परियोजना में effected family है उनका भी उचित प्रतिनिधित्व हो उस पैसे से जो प्रशासन है क्षेत्र में सबसे पहले गाव पंचायत में उसके बाद ब्लॉक जिला हिमाचल प्रदेश पुरे राज्य में हो इस लोकल एरिया davlopment फंड के माध्यम से विकास के कार्य किए जाते है अगर इस परियोजना में पुल इत्यादि का नुकसान नहीं होना है लेकिन फिर भी किसी पुल का भी नुकसान होता है जो उसके विकल्प तैयार किया जाए उसके लिए इस रिपोट में यह कहा है कि कौन-कौन से विकल्पीक़ मार्ग का निर्माण होना चाहिए ताकि लोगो के आवागनम में कोई समस्या न हो इसके अतिरिक्त ये भी सुजाव दिया गया है कि इस परियोजना के माध्यम से व एक्ट में भी लिखा गया है कि परियोजना के लिए शिकायत निर्माण सीमति बनेगी जो हाई पॉवर की होगी व नियमत अंतराल पर बेठेगी जब भी किसी को शिकायत होगी जो परियोजना प्रभावित लोगो की कोई भी समस्या होगी तो उस सीमिति के समक्ष में अपना आवेदन कर सकते है और ये समिति तय करेगे की जो वों आवेदन है उसका निपटारा हो और इन शिकयतो को सभी तरीकों से निपटाए जा रहा है या नहीं इसके लिए एक अलग से मूल्याकन तंत्र बनता है मूल्याकन तंत्र में तय करता है की जब किसी कि शिकयत आई या उसका निपटारा हुआ है की नहीं तो तत्र देखता है इन सभी के अलाबा परियोजना के माध्यम से लोगो को जो लाभ होता है हिमाचल सरकार की उर्जा निति के साहव से 1% total जो रेवन्यू आयेगा उस रेवन्यू 1% परियोजना प्रभावित पंचायत में इन्वेस्ट किया जाता है वेसे मेने कुछ ऐसे उदारण देखे है जेसे कि नाथपा झाकड़ी में पिछले कुछ सालों में उस पैसा आता है 1% के बराबर तो दिरेअक्ट एंनार्जी के थरु जिलधिश कार्यालय में sdm कार्यालय में वहा उन लोगो की खाते में जाता है तो अभी भी लगातार जाता रहता है ये राशी परियोजना इनकम से रकत होती है कि जितनी होती है और व बेनिफिशेर के खाते में जाता है और व बेनिफिशेर की गड़ना है जो प्रोजक्ट की सूचना व अवार्ड होता है उस वक्त उस पंचायत परिवार रजिस्टर की संख्या में जो शामिल है उन्ही लोगो को माना जाता है इसमे भी irdp और पिछड़ा वर्ग के लिये अतिरिक्त है प्रावेधान में इस परियोजना के मुख्यतः लाभ है जो हमने नुकसान बताये है उन नुकसानो की क्षतिपूर्ति के लिऐ ये सुझाव इसमे दिऐ गऐ है इस जनसुनवाई में आज न ये तय किया जाना है कि आप परियोजना के पक्ष में है या विपक्ष में है तो जनसुनवाई का उदेशय नहीं है हमारा उदेशय यह है कि इस रिपोट में जो शामिल सुझाव है क्या उनमे कोई अन्य सुझाव जिससे आप सहमत नहीं है या

असहमत है उसके बारे में आपके विचार लिए जाने है आप जो भी कहेगे जो भी डीमाड है जो भी कहेगे यहाँ पर रिकॉड होगा उस रिकॉड को उसी तरीके से हिमाचल सरकार को सौंप देंगे और जो आप कहेगे उसको भी उसी भाषा में लिखेगे और उसको भी सरकार को सोप देंगे अतिम निर्णय हिमाचल सरकार का होता है अगर आप अपनी बात कहना चाहते है तो आपका सुवागत है

SDM-10:15 To 10:16- इनको एक रिपोट दे दो जो आपके पास है

पब्लिक--10:17 To 10:19 -- सर इसमे रेट के लिए अड़ रहे है में आपको कह रहा हू कि जितने भी गॉव के लोग है वो रेट के पीछे अड़ रहे है किसी और की कोई प्रोब्लम नहीं है रेट के लिए अड़ रहे है

s.j.v.n.--- 10:20 To 10:21 --- रेट में जो प्रॉब्लम हैं वो सर्कल रेट के हिसाब से मिलना था

पब्लिक --10:22 To 10:24 -- सर हम 3 भाई है तो मेरे बड़े जेट तो बाहर रहेते है जो दुसरे वाले है वो PWD में है तो भी ज्यादा एन्वोल्ट नहीं होते सारा इन्होने मेरको दिया जब इनका रेट ठीक हुआ उसमे उपर तो ठीक नहीं तो ऐसे ही रहेने दो

SJVN--10:25 To 10:26 -- आप लोगो ने सहमत दे दी

पब्लिक-10:27 To 10:28-- मैने तो कुछ नहीं बोला में तो सबसे छोटा हू न ही हमने लिखित दिया है न ही साइन किऐ है

SJVN-10:29 To 10:30 –इसकी explaination यह है कि जिस सर्कल रेट कानून मे प्रावधान है जो इस सर्कल रेट में प्रोजेक्ट नही बनेगा तो बात बन जाएगी

पब्लिक- 10:32 To10:35 - पहले हमारे जो बुजूर्ग थे वह उनकी ज़मीन भी जो नदी के किनारे ज़मीन भी वो पहले बीजते थे . जिनको आपने घर में भेजा था सर्त कर्स के लिए मेने पूछा कि जो तो ज़मीन उसमे नही आ रही एक फसली में नही आ रही है

SJVN-10:36 To 10:38 - एक फसली में तब आएगी न जब आप एक फसली बीज रहे है दो फसली में जब आएगी जब दो बार फसल बीजोगे बाद में आप लोगो ने छोड़ दी होगी जो अब बंजर होगी

पब्लिक-10:40 To 10:41-- वैसे रेट क्या डाला है इसमे

SJVN-10:41 to 10:43 - रेट जो आपकी दो फसल है उसमे 3 लाख 30 हज़ार है यदि उसमी एरिगेशन होती है जो एक फसली है उसका 1 लाख ६५ हज़ार है उसका जो बंजर भूमि में है जो कष्ट करने से छोड़ डी गई है उसका 44 हज़ार है

पब्लिक-10:44 To 10:45- ज़मीन पानी में आती हैं उसका क्या रेट है

SJVN-10:46 To 10:47- जो पानी में आती है उसका २२ हज़ार है

सहजकर्ता -10:48 To 10:50 -- आप में से किसी को कुछ कहना है जितेदर शर्मा--0:00-- हमें आपके विचार मिल चुके है जप पब्लिक सुनवाई के लिए जिनके भी विचार आएगे उसको हम लेगे जो आपने कहा वो इस रिपोर्ट का हिस्सा होगी

धन्यवाद्

SJVN-10:51 To 10:53 - अगर आप थोडा सा लोग टाइम के लिए देखेगे तो उस लोग की आजीविका चलेगी 20-22 लोग स्किल होते है इसमे

पब्लिक-10:54 to 10:56: मेरी तो कोई भी प्रॉब्लम नही है जो बड़े है वो थोडा सा तीनो भाइयों की प्रॉपर्टी भी इकट्ठी ही है अभी तो वो डिवाइडेड भी नही हुए है हमारी सास को चार साल expire हुए हो गये है

SJVN-10:57 To11:02-- आप ने इनको यह कहना है कि जो ये मीटिंग हुई है अगर वो आते तो उनसे बात करते किइन्दिरेक्ट बेनिफिट है उनको इस बारे में बताते की ये प्रोजेक्ट आना चाहिए उन्ही से सभी से यही बात करते की आने वाली जनरेशन के लिए आपूर्ति मिलेगी टूरिज़म मिलेगा आज हमीरपुर में कोई भी हस्स्ती नही है अगर आप आते तो उनसे बात हो पाती

8 जनसुनवाई की प्रतिलिपि: ग्राम पंचायत चोरु

स्थान : ग्राम पंचायत ,चोरु तिथि-28/07/19 समय :(11:00-3:00)

11:00 to 11:10	**सहजकर्ता**	आदरणीय उपमंडलाधिकारी जी और सतलुज जल विद्युत् निगम के एच्.ओ.पी और LAND ACQUISITION OFFICER और ग्राम पंचायत के प्रधान और सभी गणमान्य व्यक्ति जो बैठे है उनका आज इस जनसुवाई में स्वागत है और सभी का अभिनन्दन है ! आज हमारे इस जनसुनवाई का मुख्य उदेश्य है कि जो धोलासिद्ध प्रोजेक्ट है जो परियोजना यहाँ पर लगनी है जो 66 मेगावाट कि है उसके तहत एक जो अध्यन किया गया है जो सुर्शनिती का एक सामाजिक आंकलन प्रभाव आंकलन का एक अध्यन किया गया है जिसके लिए पहले सर्वे किया गया उसके उपरांत लोगो से उनकी राये और उनके विचार जानने के लिए आज इस जनसुनवाई का आयोजन किया गया है! इस परियोजना में क्यूंकि हमारी टीम ने यहाँ पर सर्वेक्षण किया गया है तो उन्होंने कई तरह के प्रभाव या दुष्प्रभाव है ! वो पहले ही इस रिपोर्ट में शामिल किये गये है ! जो आमतोर पर यहाँ पर प्रभाव या दुषप्रभाव आने है या होने है ! कोई और जो लोगो के अगर लगता है कि लोगो से भी और या कोई और प्रभाव पड़ने है तो वो आज इस जनसुनवाई में SDM साहब के समक्ष में आप लोग दर्ज करवा सकते है ! आपति दर्ज करवा सकते है और अपने सुझाव भी दे सकते है ! क्यूंकि ये जो प्रोजेक्ट लग रहा है ! हमारे अध्यन में यह पाया गया कि इसमें जो जमीन लि जा रही है या जो जमीन ACQUISITION में आ रही है वो सबसे उपयुक्त और सबसे कम जमीन लगनी वाली जमीन वही एक साधन था कि सबसे कम जमीन लोगों कि एक्वायर कि जा सके ! इससे बेहतर साधन भी नही था जो हमारी रिपोर्ट में भी पाया गया और पहले भी इस रिपोर्ट में देखा गया इसके इलावा कोई और कोई साधन नही था कि या बढ़ाया जा सके या किस तरीके से सबसे कम ACQUISITION में हो| आप लोगो से अनुरोध रहेगा कि अपने-अपने सुझाव क्रमबद्ध तरीके से एक -एक आदमी बोले पहले अपना नाम, गाँव का नाम; व पंचायत कहाँ से आप belong करते है ! एक एक आदमी अपना विचार रखे क्यूंकि अगर हम इकट्ठा बोलेगे तो न हम उसकी आवाज रिकॉर्ड कर पाएगे न सुन पाएगे और हमे ये भी पता नही चलेगा कि क्या बात हो रही है इसलिए अपना नाम और गावं का पता SDM के सामने रखेगे और हमारे s.j.v.n से भी है अगर कोई आपति या सुझाव है तो दे, जो विचार में होंगे तो उसका जवाव साथ के साथ आप को दिया जाऐगा !तो शुरू करे सर!
11:11 To11: 12 **11:13 To 11:22**	**SDM** **माया राम**	पहले लोगो को ये बताऐ कि सोशल इम्पैक्ट क्या है! देखिये ये जो सोशल सामाजिक प्रभाव आंकलन है वो किसी भी प्रोजेक्ट में दो तरह से होता है एक तो वो जो डायरेक्ट होता है जिसकी जमीन ली जा रही है या जमीन का लोस हो रहा हो एक तो होता है जो समाज में हम लोग सामाजिक उस पर क्या प्रभाव होने है ! मान लो जो समाज में रह रहे है ! या लैंड जा रही है या पूरा का पुरा गाँव वहन से विथापित हो रहा है ! किसी का घर विस्थापित हो रहा है तो वो वहन से दूसरी जगह में रहेगा तो उसके जो वहां पर पुराने जो सम्बन्ध है आस पड़ोस कई चीजे है उसे वे सारी चीजे पीछे छोडनी है ! तो उसे नए तरीके से स्ताब्लिश करनी पड़ती है ! दूसरा पर्यावरण से रिलेटेड ऐसे प्रभाव पड़ते है जो पहले नही देखने को मिले है ! प्रोजेक्ट लगने से देखने पड़ेगे और कई बार एकोलोमिक वाईविलटी जो आर्थिक विकास है जो पहले हमे नही पता कि वो किस गति से बढ़ रहा था ! प्रोजेक्ट लगने के बाद किस गति से बढेगा या कम गति से बढेगा तो इस का प्रभाव भी हमे देखने को मिलेगा और सबसे बड़ी बात कई बार हेल्थ कि दृष्टी ENVERMENT कि दृष्टी से हमारे को पॉजिटिव और नेगितिव इम्पैक्ट पड़ता है ! पानी इक्कठा होता है या कई चीजे होंगी ! वो सामाजिक में बो सामाजिक प्रभाव हमारे जीवन में नुकसान या कई तरीके से फायदा कर सकता है और दूसरा फायदा इसलिये कर सकता हिया ! जब पानी इक्कठा होगा तो मछली पालन कर सकते है मच्छली पालन से इनकम के साधन बढ़ जाएगे वो एक पॉजिटिव प्रभाव पड़ेगा और इसके इलावा जो रोजगार के साधन उपलब्ध होगे अन्य तरहा के मान लीजिये प्रोजेक्ट चल रहा है तो रोजगार के साधन अब सभी जगह को कवर करेगा कई तरह के श्रमिक यहाँ काम करेगे बाहर से श्रमिक यहाँ पर आएगे यहाँ के लोकल लोग काम करेगे सब तरह के श्रमिक यूज करेगेवो लोगो का छोटा

		छोटा व्यवसाय बढ़ेगा ! तो लोगो कि इकोनोमिक वाईविलटी बडेगी !ये एक सोशली और सोशल इम्पैक्ट में मुख्या रूप से पड़ता है

		इसके दोनों तरहा के प्रभाव होते है पॉजिटिव और नेगिटीव मेंने आपको कहा है कि नेगिटिव प्रभाव अलग तरह हो सकते है ! जैसे बीमारियाँ है या कोई हमारी जो अपनी रिलेशनशिप है वो थोडा अलग हो सकते है या कोई और चीज जो आपके दिमाग में और चीज भी आ सकती है आर्थिक रूप से भी पड़ सकते है !लोगों का लाइफ स्टाइल भी चेंज हो सकता है ! लोग जिस तरह से पहले रह रहे है हो सकता है कि पूरा का पूरा चेंज हो सकता है इस तरह के प्रभाव इस में पड़ेगे ! यही हमारे सर्वे में भी पाया गया ! अब जैसे हमने सर्वे में पाया कि जैसे मोटी मोटी बात है यहाँ गाड़ियां चलेगी तो उससे प्रदुषण होगा तब जो है इसमे बहुत गाड़ियाँ चलेगी तो उसके कंट्रोल के लिये क्या समाधान किया जा सकता है !तो ये लोग दिस्स्कस करेगे ! इस तरह के प्रभाव है जो हम लोग इस पर चर्चा करेंगे ! आप लोगों कि इसमे आपति या सुझाव कोशिश करना कि आप आराम से सही तरीके से रिकॉर्ड कि जा सके ! आप जो भी बोलेगे या जिस भी भाषा में बोलेगे उसे एसी तरीके से रिकॉर्ड किया जाऐगा उसमे कोई भी छेड़ खानी नही कि जाऐगी ! ठीक है तो आप लोगों से आपके सुझाव आमंत्रित है ! तो आप लोग अपने-अपने सुझाव दे सकते है !
11:25 To 11:28	**पब्लिक**	नमस्कार सर में ज्ञान सिंह जीहन से हूँ जो इसी पंचायत का एक वार्ड है ! बहुत दिनों से हमारे मन में कनफियुजन है कि इसकी लेटेस्ट पोजीशन क्या है ! हमे ये पता नही चल रहा है कि ये प्रोजेक्ट कब लग रहा है !सुनते आ रहे है ! बहुत सालो से अभी तक इसकि पोजीशन का पता नही है ये कब लगेगा हर आदमी इसी कनफियुजन है ! तो इसके बारे में भी बता दे धन्यवाद !
11:30 To 11:35	**SJVN**	सबसे पहले चोरु पंचायत के जिन गावं से आए लोगो को मेरा नमस्कार में राजेश जगोता ! परियोजना प्रमुख हमीरपुर का रहने वाला हूँ ! मेरी अभी रिसेंटली पोस्टिंग हुई है ! डेड महिना हुआ है ! तो परियोजना २००२ से हिमाचल प्रदेश सरकार से विचाराधीन थी पहले इसे एक प्राइवेट कम्पनी को दिया गया था इस कम्पनी के पास ये 6 साल परियोजना रही !उन्होंने इस परियोजना का मूल्याकन किया और ये पाया कि इस परियोजना के जो आर्थिक लाभ कम है और नुकसान ज्यादा है ! उन्होंने इसकी फानासिय्ली व एन्कोमिकल नही पाया ! उन्होंने ये प्रोजेक्ट सरकार को वापिस दे दिया उसके बाद 2008 में एस.जे.वि.एन.एल जिसको पूर्व में सतलुज जल विद्युत् परियोजना कहते है और उससे पहले उसका नाम नाथपा झाकड़ी पॉवर कारपोरेशन या जो कि हिमाचल प्रदेश सरकार कि एक उद्ग्यम है !जिसमे हि0 प्र0 सरकार का 26% हिसा है और लगभग 66%हिसा भारत सरकार का है ! 10% हिसा इसमे पब्लिक के पास है ! ठीक ई तो हिमाचल प्रदेश सरकार क्यूंकि ये हमीरपुर और कॉंगड़ा जिले में ये परियोजना दोनों जिलो के विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है इसके लिए सरकार ने प्रयास किया !

एस.जे.वि.एन.एल -.11:36 To 11:50 - ये जो परियोजना बनने के लिए दिया लेकिन साथ में लेटर भी लगाया कि आपके धोलासिध परियोजना इकोनॉमिक बैवाल नही थी लेकिन जो हमरा चेयरमैन जो हमीरपुर से ही है इनका भी एक प्रयास रहता है जब हम लोग कहीं की पक्ष पर पहुचते है तो हमे भी लगता है की हम अपने समाज की प्रति अपने कर्तव्य निर्वाह करे और हो सके तो अपने क्षेत्र का विकास करे| यही उनके दिमाग में सी.ऍम.डी साहब के दिमाग में बात रही और उन्होंने कहा है की परियोजना किसी भी तरह बननी है बायबलटी के बारे में हमे सोचना पड़ेगा की बायबलटी कैसे हो सकती है

इससे पहले इस परियोजना का आपकी बात यह है की सरकारी क्रम है एस.जे.वि.एन.एल कोई भी परियोजना लगती है तो भारत सरकार की मजूरी लेनी पड़ती है|2008 में योजना दी गई इसकी डिटेल प्रोजेक्ट में बनाई गई इसमे डिफरेन्ट विकल्प खोजे गए और इसका अध्यन किया गया और हमे यह पाया की 66 मेगावाट की परियोजना इसमे बन सकती है लेकिन इसमे बिना सरकार के सहयोग नही बन सकती| एस.जे.वि.एन.एल ने पब्लिक इन्वेस्टमेंट बोर्ड होता है उसके पास में परियोजना के a.p.r बनी है उसको बन के नोट बुक किया जो उसकी लागत थी वो 6रुपए92 पैसे आती थी जब ये पर्स्ताव भारत सरकार के पास गया वहा से उन्होंने बंद कर आप चले जाएये ये परियोजना इकनोमिकल फ्निशियल बायबल नही है| आप कोई और

तरीका देखे सरकार हिमाचल प्रदेश के जायेगे और इनमे बातचित करिए,इसमे क्या हो सकता है जो लैंड के रेट काफी ज्यादा थे | हिमाचल प्रदेश सरकार ने बड़ा अध्यन विचार किया जो विभिन्न-2 विभागो के उच्च पदाधिकारी है उनको बैठाया गया की इस परियोजना बनाना है इसमे बताये की यह परियोजना कसे बन सकती है| हमारे मेज्मेंट को कहा गया है की अगर इस परियोजना को बनाना है इसको बताओ आपकैसे बना सकते हो

हमारे जो अधिकारी शिमला निगम कार्यालय में स्थित है ,इसकी स्टडी की फिर हम हिमाचल प्रदेश सरकार के पास प्रोपोजल लेके गये | अगर इस परियोजना को बनाना है तो हमे हिमाचल प्रदेश सरकार को जो परियोजना के लाभ किसी भी कम्पनी सरकार को देने पड़ते है उनमे छूट दिया जाए | क्रम को आगे बडते हुए दिफ्फ्रेंट डिपार्टमेंट एन्नेजी के डायरेक्टर और फिएनांस एडवाइजर व हिमाचल प्रदेश सरकार उसमे बेठगे पिछले एक साल का अध्यन चला हुआ है बात चित चल रही है| एस.जे.वि.एन.एल में कुछ सुझाव दिए गये है हिमाचल प्रदेश सरकार को क्या उन सुझाव को मानते है ये concession धौलासिध परियोजना के देते है, जो की भारत किसी भी परियोजना को एसे concession पहली बार मिल रहे है इस परियोजना को सरकार की तरफ से मिल रहे है| इसमें तीन चार पावाइंट आपसे शेयर करना चाहता हू आपको पता है की G.S.T लागू हो चूका है देश में 2018 से लागू हो चूका है | अगर हम कोई भी सामग्री लाते है उससे टोटल G.S.T 9% लगता है हमारे एस.जे.वि.एन.एल ने यह सुझाव दिया की हिमाचल प्रदेश सरकार को जो ये G.S.T है जो इस परियोजना में जो भी समग्री आएगी उस G.S.T को माफ़ कर दीजिए| इस परियोजना के लिए एक सुझाव यह था की कोई भी परियोजना बनती है उस को बनाने के लिए जो कम्पनी है एस.जे.वि.एन.एल है इसमे 30% पैसा लगाती है 70% लोन लेती है |और इस परियोजना के लिए सरकार से यह भी छुट मांगी की जो आप हमे 20%व 80% लोन कर दीजिए ताकि परियोजना की लागत कम हो जाए

तीसरा एक लादा में 1\2% कोस्ट परियोजना सरकार को देनी पड़ती है उसमे एस.जे.वि.एन.एल ने सुझाव रखा की 1\2% हमसे परियोजना की लागत लोड मत करे परियोजना की कोस्ट को कम करने के लिए जो 1\2%है हम एस.जे.वि.एन.एल दुसरे फण्ड में पैसे को दे देगी लेकिन आप परियोजना की लगता को उसमे एड करो | सरकार ने आपका हमारा सुझाव माना,इसके आलावा आपको पता होगा कि जब कोई भी परियोजना बनती है तो उसमे 12% रेवटी फ्री पॉवर जिस प्रदेश में बनती है एसी रेवटी देनी पड़ती है हमने सरकार से कहा था की सरकार को बाइबल करना है तो 12%बिजली आपको नही देते है पहले 10 साल हम 4%देगे दूसरी साल हम 8%देगे और उसके बाद हम 12%देगे ,तो इसमे सरकार का नुकसान हो रहा था | सरकार ने कहा और साथ में हमने यह भी कहा था की जो 12%बिजली 20 साल बाद हम आपको 12%के बजाये 4%व 8% दी है 10 और 20 वर्ष में उसको हम पुरे परियोजना का पिरीयड है 70 साल का उसमे हम आपको 25% देगे |और इससे सरकार को 3500 करोड़ रूपये परियोजना की पूरी अवधि में फायदा होगा ये सारे सुझाव सरकार मान रही है |अभी 16 तारिक को मीटिग हुई थी ,शिमला में उसमे काफी एक्सपर्ट आए हुए थे हमारे एस.जे.वि.एन.एल के भी लोग थे बल्कि नन्दलाल सर ने मेरको भी बोला की आप भी जायेगे और मीटिग को अटेड करोगे|ताकि आपको पता रहे की आपको ही लोगो के बिच में जाना है और लोगो को बताना है तो मुझे भी मोका मिला उस मीटिग में गया था,ये सारे सुझाव दिए थे| एक - दो पॉइंट एसे थे जिसमे सहमती नही दी थी | जिसे परियोजना की लागत लगने के बाद उसकी जो कोस्ट होती है नोरमल 5% लेते है हमारा कहना था जो c.a की गाइड लाइन भी उसमे 4% अल्लोव किया हुआ है |लेकिन वो हिमाचल प्रदेश सरकार नही मान रही है यह एक छोटा सा एक मुदा जिसमे 2-4 करोड़ रुपए का फरक ही है ये टोटल मिलके इस परियोजना के लिए साथ ही आदेश दिया गया की आप डिप्टी कमीशनर काँगड़ा और हमीरपुर को यह आदेश दिया गया की आप लैंड की कमेटी बनाये |रेट को कम करिये, जो रेट की बाइबलटी है उस तक के करिये इस क्रम में हमारी कमेटीया बनी हुए है| S.D.M नोदान सर उसके चेयरमेन थे,में भी एक मेंम्बर हूँ हमने लोगो के बिच मिटिगे की हम आप लोगो की सहमती चाहिए|यदि आप लोगो की सहमती मिलती है तो ये परियोजना लगेगी और इसके लिए जैसे ही सहमती मिलती है तो सारा डाटा को इकठा करके फिर अपने मनेजमेंट जायेंगे की लोग सहमत है अगर 80% लोग सहमत है जो ये परियोजना है उसकी आधार शीला आपके सामने आने वाले 5-6 महीने में रखी जा सकती है | ये सारी परियोजना का थोडा सा में बता रहा हूँ और इसलिए आप लोगो के पास आए है लेकिन इस सारी प्रोसेस करते हुए कुछ सोशल इमपेकट अस्स्मेंट स्टडी है ये हिमाचल प्रदेश सरकार ने करवाई है| हिपा इसकी नोडल ऐजेंससी है हिपा फर्दर (प्लान फाउंडेशन)को ये कार्य दिया हुआ है | ये लोग आपके पास हर घर में जिसकी जमीन जाती है या एरिया में जो भी प्रभाव पड़ सकता है पॉजिटिवव नेगेटिव उस ऐरिया में जाते है उस प्रभाव का आकलन उस में दिया हुआ है | उसकी एक ड्राफ्ट s.i.a रिपोट बनाई हुए है व ड्राफ्ट रिपोट कॉपी सरकार को दी हुई है लेकिन उसके बाद का प्रोसस यह है की उस ड्राफ्ट कॉपी को पब्लिक जॉन में डाला जाता है तो हिमाचल सरकार व एस.जे.वि.एन.एल के में भी उपलब्ध है ये समरी आप लोगो के हाथो में दी हुए है| इसमे क्या प्रभाव पड़ने है आज की ये जनसुनवाई इसलिए करवाई जा रही है की इस प्रभाव के इलावा एक भी लगता है की और कोई प्रभाव पड़गे | परियोजना के बनने से तो आप अपना नाम,गावं बताके विडियो रिकॉडिंग में ये सारी चीजे बता सकते है!

जो मेरे बड़े भाई ने प्रशन किया था की इस परियोजना की स्थिति क्या है , परियोजना की स्थिति यह है की आप का सहयोग ,मेरे पास कल तक 4846 कनाल सेंट अभी तक आ चूका है | कुछ लोगो का अभी भी बचा हुआ है |नरेश जी है जो मेरी बात दो-तीन बार हो चुकी है|एक आदमी है जो शिमला में रहते है |उनसे भी बात हुए है

मै आपको बता दू की सबसे ज्यादा कंसेंट मुझे आप के सब डविजन नादौन पहले दिन मिला | आप इसलिए बधाई के पात्र है उसमे सबसे ज्यदा लैंड राजा नादोन की है ये परियोजना अगर consent मिल जाती है सारी लगभग जिसमे हम आगे भेज सकते है बहुत ही जल्दी ये परियोजना धरातल में आएगी | मेरा अपना एक्स्पिरिउंस है मेने अभी 32-33 साल नोकरी कर ली है में हिमाचल ,उतराखंड ,भूटान ,में 6 परियोजना में काम कर चूका हूँ और में देखता था की की मेरे मन में हम बाकि स्टेट में जाके Development कर रहे है क्या मेरे क्षेत्र में मोका मिल सकता है |मेरे 4 साल की नोकरी है अब मेरको ये मोका मिला है में पि.डब्लू.डी में रह चूका हू |1990 में हिमाचल पि.डब्लू.डी में कर रहा था ये परियोजना अभी इसके आगे बदने के चांस बन चुके है अब थोडा सा और आप का सहयोग मिल जाए तो इसके बाद इसमे हमारे डायरेक्टर होते है| 4 जो है उसको भारत सरकार चुनती है |इसके आलावा हिमाचल प्रदेश सरकार व केन्दर सरकार का डायरेक्ट होता है जब में यहा से प्रोपोजल लेके भेजुगा तो प्रोपोजल उस मीटिग में जायेगे|अगर बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर "yes" करते है, जो मेरे चार डायरेक्टर है उनके सामने मेने सारी वस्तु स्थिति परियोजना की रखी थी जिसके बेस में मेरे चेयरमैन नन्दलाल शर्मा और डायरेक्टर ने "you are prosed to head"हम इसको बोर्ड के ऐजनडा में पास करगे |ये बहुत ही जल्दी आपके सामने परियोजना 5-6 महीने में लगता है की ग्राउंड में आ जाएगी|और इसको बनने का टाइम 54 month है |जिसमे यह बनना शुरू होगी परियोजना का जो m.o.u हुआ है 2008 में उसमे लिखा था की जिन लोगो की जमीने जाएगी, उन लोगो को सबसे ज्यादा नोकरीया देगी |

इसके अलवा कोई भी कुवशन होगा तो मेरे से पूछ सकते है ये जनसुनवाई आप के यह सुझाव आमन्त्रित कर रहे है जो समाजिक प्रभाव आकलन द्वारा इन्होने रिकॉर्ड किया है और इस प्रभाव को कम करने के लिए ये सुझाव लिखे है वो इस रिपोर्ट में दिए है |इसके आलावा आपको सुझाव कोई और चीज होगी उनको कोपरेट किया जाएगा| आपको लगता है कि नेगेटिव हो सकता है उस सुझाव को उसमे डाला जाएगा|और क्या उपाए होगे उस रिकॉड में डाले जायेगे | वो डारेकशन हिमाचल पर्देश सरकार जो प्रोजेक्ट बनती है वो एस.जे.वि.एन.एल को पास करगे ये जो चीजे है आप इन को कॉपरेट करे | ये सारी जनसुनवाई का काम आज हुआ है उसके लिए

धन्यवाद

सहजकर्ता --11:51 to 11:52 ---- कोई और सुझाव?

प्रधान-11:53 To 11:57 - में एस.जे.वि.एन.एल से रिक्वेस्ट करुगा कि मेरे ख्याल में सेंट --पर्सेन्ट चोरु पंचायत की जमीने जा रही है सारे लोग देने के लिएतैयार है इनमे कोई आना -कानी नही है दूसरी बात ये है की प्रोजेक्ट हमारे चोरु पंचायत में लग रहा है तो एक हमारी एक डिमांड रहेगी की जो हमारे नोजवान लड़के है |जैसे कोई गाड़ी लगगे तो हमारी पंचायत में इसमे फायदा होना चाहिए |

SDM---11:58 To 12:10 –आज जो यहा पर जनता आई हुई है यह कार्यक्रम किस लिये रखा हुआ है यहाँ थोडा सी आपसे बात करनी है जब कोई प्रोजेक्ट लगता है भारत सरकार ने एक एक्ट पास किया जो भी लोग इन प्रोजक्ट से प्रभावित हो रहे है उनके बारे में इस चीज के बारे में चर्चा की जायेगी जमीन तो आपकी 10 लोगो की लग रही है लेकिन आयगे तो यहाँ पर 50 परिवार इससे क्या बुरे प्रभाव पड़ेगा और क्या अच्छा प्रभाव तो एक कानून बना हर एक्ट ने अपने अपने नियम बनाये उन नियम में सरकार का जो काम हुआ इन प्रोजेक्ट लगने से क्या क्या फ़ायदा होगा लकिन जो हमारा सोशल काम है यह आम समाज की बात है उसमे आपको क्या लाभ होगे उसके बारे में यह चर्चा हो रही है आप अपना यह विचार कर सकते कि आपको इस परियोजना से क्या क्या दिकत हो सकती है तो आप क्या सुझाव दे सकते है उस तरह से आप आपने बिचार यहाँ रखे तो यह जो आज हमारे कपनी के लोग आये हुए है इसका प्रोसिजर यहाँ रहता है जो यह भूमि है जब कोई प्रोजेक्ट लगता है जेसे कि सतलुज जल विद्युत जोकि सरकारी क्रम है कुछ पैसा सरकार को देते है इस स्टडी करने के लिए जो आपसे चर्चा हो रहे है इसमे सरकार ने HIPA जो है जो भी अधिकारी है वह वही से स्टडी करके आते है उसका एक दिया हुआ है जो बीच में आकर आपसे बात करते है तो अब जो भी आपसे बात कर रहे है तो आप अपना अपना सुजाव दीजिये ताकि वह आपकी बात को रिकॉड करेगे और इस रिपोर्ट में एड करगे और सरकार को सोप देगे चोड़ू पंचायत का क्या कहना है मेरा आपसे यही निवेदन है की जो भी बात है आपकी इस प्रोजेक्ट से सबधित इन्होने पहले भी कहा कि प्रोजेक्ट लगने से क्या प्रभाव होगा जैसे कि आपका भाखडा बांध लगा है कहा कितनी जमीन गई और भी बहुत कुछ हुआ और सामाजिक लोगो पर तवाव पड़ा अपने जेसे रीशदारी छुट गई इसी स्टेज पर जब यह प्रोजेक्ट लगता है प्रोजेक्ट लगते है पर इनके डैम इतने बडे नहीं होते थोडा सा पानी रोकते है और पानी गिरा करके बिजली बनाते है तो फिर आप लोग अपने अपने बिचार रखे इसमे क्या क्या हो सकता है और आप क्या चाहते है और इसमे क्या कमिया है

SDM: 12:11 To 12:16 -- बिजली की बहुत जादा जरुरत है जब शाम को बिजली चली जाती है तो हम कितने परेशान हो जाते है लाइट होना बिजली बनना यह बहुत जादा जरूरत है में आपसे यह कहुगा जो यह मीटिंग बुलाई गई है जो हम आप लोगो के बीच आए है तो यहाँ पर जो लोग आए हुए है वह अपने अपने सुजाव दे ताकि वह रिकॉड करेगे और लिखेगे कि इस आदमी ने यह कहा तो आप लोग अपना अपना सुजाव दे

पब्लिक –जो हमारी जमीन है हमारे प्रधान जी ने कहा में सर आर्मी रिटायर हु मेरा आपसे यह निवेदन है कि जो प्रधान जी ने कहा कि में इनसे बहुत आभारी हु कि जो यह परियोजना धोलासिद कर रही हमारे यहा जो चोड़ू निवासी है या कोई ग़रीब आदमी है सबसे पहले उने रोजगार मिलना चाहिय मेरा पहले तो आपसे यही निवेदन है जो हमारी यहाँ से गाडीया है या कोई JCB है या कोई ट्रैक है जो हमारी चोड़ू पंचायत है जो गाव है यहा हमें पहले काम मिलना चाहिए जो यहा के लोग है बीच में बहुत सी कमी आती है तो हमारा काम है पब्लिक को थोडा अछे तरह से डिलिंग करना

साथ में जो कहा जाता है कि साप भी मर जाए ओर लाठी भी ना टूटे जो हमारी पंचायत चोड़ू के SC परिवार वाले है वह आपका पूरा सहयोग देगे हमारे प्रधान जी जो कहगे उनकी बात मानी जायगी हमारा जो आप सभी से निवेदन है जो भी हमारी पंचायत वालो से यहा के परिवार वालो से बड़ी ख़ुशी की बात है कि इस धोलासिद परियोजना प्रोजेक्ट का कार्यक्रम शुरू हुआ हम लोग को गरीब आदमी को चलो जो तो पेशन वाले है उनको तो कोई दीकत नहीं है पर जो गरीब आदमी है वह बहुत से काम कर सकता है जेसे कि सब्जी बैच सकता है यह कोई मजदूरी करेगा उन परिवारो को कुछ न कुछ तो फायदा होगा इस परियोजना से तो मेरा आपसे निवेदन है कि यह परियोजना बननी चाहिए और हमारे यहाँ पर जो चोड़ू पंचायत है हमें यहाँ पर जो पूरा फायदा मिलना चाहिए मेरा आपसे यहीं निवेदन है कि यह काम शुरू होना चाहिए और हमारे बचो को नोकरी मिलनी चाहिए पहली जो पहेले है वह हमारी चोड़ू पंचायत को मिलनी चाहिए तो मेरी आपसे यही विनती है

पब्लिक-03:33- जो यह प्रोजेक्ट लग रहा है जादा तर रोजगार वह हमारी पंचायत चोड़ू के जो नोजवान है को मिलना चाहिए और मोका दिया जाना चाहिए हमारी जो पंचायत में पढे लिखे युवक है वह ऐसे ही गुम रहे है उनके पास कोई रोजगार नहीं है प्रिवेट जॉब कर रहे है पर उसमे गुजारा नहीं होता है कुछ तो इसमे जितनी भी बेकनसी निकलती है जो सबसे पहले प्राथमिकता चोड़ू पंचायत को दी जाए

SDM--12:17 to 12:19: जो रोजगार है यही के बचों को दियाजायेगा और आपको ही परेफरेंस दी जायगे जो टॉप कि पोस्ट होती है वह वैसे ही रहगी और जो बाकि है वह रोजगार आपको दिया जायेगा और जो बाकि जेसे कि गाडिया रखेगे सब्जी का काम करेगे बहुत से काम होते है जो प्रोजेक्ट में आते है उने बहुत से रोजगार मिलते है

राजेश जगोता SJVN----12:19 To 12:22 मे आपको बता दू इस टाइम परियाजना में केवल 14 अधिकारी है और 14 के 14 हमीरपुर और कागड़ा से है आपको में यह भी बता दू की एस.जे.वि.एन.एल में TOTAL 1600 अधिकारी है और उसमे हिमाचल के अधिकारी है वह 1200 है यहाँ तो हिमाचल प्रदेश के सययोग से लकिन इसमे जो अधिकारी है आपको यह बता दू कि चेयरमेन सबसे बडी पोस्ट होती है जो कि आपके बगारा गाव से है हिमाचल प्रदेश के एच्.ऐ.एस के आये है और बाद में फिर आई.ऐ.एस में चले गएथे वह हिमाचल के है आज हिमाचल के ऑफीसर पूरे इंडिया में रुल कर रहे है हांइद्रो सेक्टर में मेने आपको बता दु कि नंदलाल शर्मा जी एस.जे.वि.एन.एल के चेयरमेन ऑफ़ डायरेक्टर है श्री DK VERMA गुमारवी से है वह चेयरमेन ऑफ डायरेक्टर BBMB के है MR BALRAJ जोशी चेयरमेन ऑफ NHPC के है 60 पॉवर पब्लिक कपनी है उनमे 3 हिमाचल की और इससे बडी बात हमारे लिए क्या हो सकती है

पब्लिक–12:23 To 12:24 : जो चोड़ू पंचायत में हौस्पिटल है कम से कम 12 बेड है इस वार्ड में डैम लग रहा है उसके लिए कलोनी उसी वार्ड में ही बननी चाहिए

सहजकर्ता –12:25 To 12:30–आप जो अपने सुजाव लिख कर भी दे सकते है हमारे जो बेलियनटर है वह आपके पास आयगे और जो आप कहेगे वह लिख कर लेगे पेपर पेन है उनके पास आप वह भी बता सकते है यह भी प्रभावदान है अगर कोई बोल नहीं पा रहा होगा तो लिख कर भी दे सकते है में अतिम बार आपसे विनती करता हू की अगर आपके कोई विचार या सुजाव है तो बोल दे ताकि हम कलोजिंग से पहले इसको समय के साथ ही समाप्त कर दे अगर आपके कोई सुजाव आते है तो स्वागत है अगर आपके सुजाव पुरे हो गए हो तो जनसुनवाई को SDM सर की अनुमति से समाप्त करते है

पब्लिक–12:31 to 12:33 –जो हमारी कलोनी बननी है और जो hospital की बात की है और जो प्रधान रहे है सभी सहमत है सब ठीक सबकी yes है सब खुश है नोकरी जो बताई है वह भी ठीक है

सहजकर्ता –12:34 To 12:36 –तो SDM सर के आदेश से इस जनसुनवाई का समापन करते है आप सभी के यहाँ पर आने का और यहाँ पर बेठने का बहुत बहुत धनयवाद और आप सभी का अभिवादन है खास कर जो हमारे SJVN के जो अधिकारी है उनका बहुत बहुत सुवागत है